फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 170 प्रभात जयपुर, बुधवार 19 जनवरी, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Jaipur's Water Systems...

Vidhyadhar was awarded a Sirapao honour by Maharaja Sawai Jai Singh II after Anand Ram's report was submitted. As Jaipur city grew, water remained central to it.

Understanding Gaze Through Evocative Sculptures

क्लाइमेट चेंज के कारण कुछ टाइगर शार्क उत्तर में और आगे तक जा रही हैं। एटलांटिक ओशन में इन परभक्षी जीवों का मूवमैंट ईकोसिस्टम को गड़बड़ा सकता है तथा मरीन प्रोटैक्टेड क्षेत्र के बाहर जाना इन शार्क के लिए खतरा हो सकता है। अमेरिका के उत्तर पूर्वी तट के पास समुद्र का पानी विश्व के अन्य स्थानों की तुलना में सबसे तेजी से गर्म हो रहा है। मनुष्य जनित जलवायु परिवर्तन के कारण एटलांटिक महासागर के इस भाग का तापमान 1980 के दशक के बाद से 2.7 डिग्री फैरनहाइट बढ़ गया है। तेजी से हुए इन अति गंभीर परिवर्तनों ने मरीन इकोसिस्टम को बदला है, कुछ प्रजातियाँ नए क्षेत्रों की तरफ चली गई हैं और कुछ अपने मूल आवासों से बिल्कुल गायब हो गई हैं। उदाहरण के लिए, ठण्डा पानी पसंद करने वाली एटलांटिक कॉड मछली के बारे में कहा जा रहा है कि अगले 60 से 80 वर्षों में ये न्यू इंगलैंण्ड के तट के पास से लगभग गायब ही हो जाएंगी और यह परिवर्तन मछली पकड़ने के व्यवसाय को पुनर्जीवित करने के प्रयास को गंभीर रुप से जटिल बना देगा। ज्ञातव्य है कि 1992 में यह व्यवसाय बिल्कुल खत्म हो गया था। गत दिनों ''ग्लोबल चेंज बायॉलजी'' में प्रकाशित एक नए शोध में बताया गया है कि यह तीव्र गर्माहट इस क्षेत्र के शीर्ष परभक्षी, टाइगर शार्क के माइग्रेशन को परिवर्तित कर रही है। ये शार्क, जो पन्द्रह फीट से भी ज्यादा लंबी हो सकती हैं और सी टर्टल से लेकर लॉबस्टर तथा कार के पार्ट्स तक, सब कुछ खा लेती है, गर्मी के मौसम में उत्तर की तरफ लगभग 270 मील दूर और आगे तक जा रही हैं और 1980 के दशक के मुकाबले एक महीने पहले यहाँ पहुँच रही हैं। इन शार्क का बदलता हुआ माइग्रेटरी पैटर्न पानी के तापमान में बदलाव से पूरी तरह मैच करता है।

आप के लिये पंजाब में बहुमत पाने का मौका 2017 में था

तब लगातार दस साल सत्ता में रहने के कारण अकाली-भाजपा के खिलाफ ''एन्टी इनकम्बैंसी'' का माहौल था

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) ने संगरूर के सांसद भगवंत सिंह मान को पार्टी का मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित कर दिया है इससे यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या आम आदमी पार्टी इतनी बढ़त बना लेगी कि राज्य में सरकार बना सके?

टाइम्स नाओ-नवभारत-वीटो द्वारा आयोजित एक हालिया सर्वे के अनुसार पंजाब त्रिशंकु विधानसभा की ओर बढ़ रहा है जिसमें बताया गया कि आप को सब से ज्यादा 40.32 प्रतिशत वोट मिलेंगे, कांग्रेस को 34.8 प्रतिशत अकाली दल-बसपा गठबंधन को 16.8 प्रतिशत। सर्वे के अनुसार कांग्रेस 44-45 सीटें जीत सकती है और आप 55-58 सीटें जीत सकती है।

राजस्थान, हिमाचल और केरल की तरह पंजाब में भी चुनाव के बाद सरकार बदल जाती है। सन् 2012 में अवश्य यह प्रवृत्ति बदली थी जब अकाली दल पूरे दस साल सत्ता में रहा था।

- **वोटर, एक बार कांग्रेस उसके बाद अकाली गठबंधन की सरकार की अदला-बदली से भी ऊब गए, इस ऊब का लाभ 2017 में आप को मिला। आप का वोट शेयर व सीटें काफी बढ़ीं, पर आप बहुमत नहीं पा सकी थी।**
- **इस बार परम्परा अनुसार कांग्रेस की सरकार की हारने की बारी है, पर अकाली काफी कमजोर हैं, कांग्रेस को हराकर सत्ता पाने के लिये, इसका लाभ आप को मिलना स्वाभाविक ही है, पर आप की संगठनात्मक कमजोरी व पूरे पंजाब में विस्तार न होना, उसका यह मौका भी फलीभूत होने से रोक सकता है।**
- **इससे भी बड़ा, आप को सत्ता में आने से रोकने का कारण यह है कि, यह कांग्रेस के ''एन्टी इनकम्बैंसी'' माहौल को बांटने के लिये, कई अन्य पार्टियां भी हैं मैदान में, जैसे कैप्टन अमरिन्दर सिंह-भाजपा गठबंधन, किसानों की ओर से धरना व आंदोलन करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा के दो धड़ों द्वारा बनायी गयी दो पार्टियां, जो पंजाब में चुनाव में उतरी हैं।**

सन् 2017 के चुनावों में आम आदमी पार्टी के पास पंजाब में सर्वश्रेष्ठ मौका था तब यद्यपि पार्टी उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई थी पर इस बार संकेत मिल रहे हैं कि पंजाबी मतदाता शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस की दो दलों वाली राजनीति से उकता गया है। चुनाव विश्लेषकों की नजर में तो आप पहले नम्बर की पार्टी बन गई है पर पंजाब में इसकी मुहिम आसान नहीं होगी और इसके कई कारण हैं। एक तो यह कि इस बार कई पार्टियां मैदान में हैं। इनमें कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस तथा किसानों की पार्टियां भी शामिल हैं जिनमें बलबीर सिंह राजेवाल की संयुक्त समाज मोर्चा, गुरनाम सिंह की संयुक्त संघर्ष पार्टी प्रमुख है। इसीलिए बहुकोणीय मुकाबले में सरकार विरोधी वोट बंटने की भारी संभावना है। दूसरा कारण यह है कि जहां अरविंद केजरीवाल व उनकी आम आदमी पार्टी का दर्जा बढ़ रहा है पर पार्टी के पास ना तो पूरी तैयारी है ना ही कार्यकर्ता। कई जगहों पर तो पार्टी का कोई नाम लेवा भी नहीं है जैसे देओबा और माझा क्षेत्र। और राज्य की कुल 118 सीटों में से 48 इसी क्षेत्र की हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पारसी समुदाय दुविधा में है, अपने मुर्दों का निस्तारण कैसे करें

समुदाय की परम्परागत रीतियों के अनुसार मृतक को वस्त्रहीन अवस्था में ''टावर ऑफ साइलैंस'' में रखा जाता है, गिद्धों के भक्षण हेतु

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को निर्देश दिया है कि वे ज्यूरिस्ट फली एस. नरीमन और केन्द्रीय अधिकारियों के साथ बैठें और कोविड-19 के प्रोटोकॉल में संशोधन करे ताकि पारसी समुदाय जोरोसिट्रयन परम्परा के अनुसार कोविड संक्रमित लोगों का अंतिम संस्कार कर सकें।

तुषार मेहता इस मामले में केन्द्र की तरफ से मौजूद हैं तथा नरीमन, जो स्वयं पारसी हैं, सूरत पारसी पंचायत बोर्ड की तरफ से दलीलें दे रहे हैं। उक्त बोर्ड ने कोविड से मरने वाले पारसी लोगों के (टावर ऑफ साइलैंस) की परम्परा के अनुसार अंतिम संस्कार के अधिकार की रक्षा करने की मांग की है। इस धर्म में दाह संस्कार का निषेध है जैसा कि इस महामारी में प्रशासन का निर्देश है।

दस जनवरी को भेजे गए नोटिस के तहत जारी हलफनामे में केन्द्र ने कहा है

- **पारसियों की मान्यताओं के अनुसार अग्नि सबसे शुद्ध शक्ति है, जिसे अपवित्र नहीं किया जा सकता, शवों को उसमें जला कर।**
- **पर अभी कोविड महामारी के कारण शव को निर्वस्त्र नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि मृत्यु के नौ दिन बाद तक शव से कई लिक्विड बहते हैं, जो संक्रमित हो सकते हैं।**
- **यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत है तथा वरिष्ठ एडवोकेट फली नरीमन, जो स्वयं पारसी हैं, पारसी समुदाय की ओर से पैरवी कर रहे हैं।**

प्रोटोकॉल के तहत दाह संस्कार या दफनाए जाने की ही अनुमति दी गई है।

जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ एवं सूर्यकांत की बैंच ने सोमवार को दूसरी सुनवाई में इस मसले के हल के लिए अनौपचारिक बैठक की जाए। बैंच ने केन्द्र सरकार से कहा है कि यह पता लगाए कि प्रोटोकॉल में किस हद तक बदलाव किया जाए ताकि धार्मिक मान्यताओं का पालन किया जा सके। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि शपथ पत्र में साफ कहा गया है कि वैज्ञानिक रूप से यह संभव नहीं है।

शपथ पत्र कहता है कि इन निर्देशों का मूल यह है कि मृत शरीर पूरी तरह से ढका हुआ होगा ताकि उससे डील कर रहे लोग उसके प्रत्यक्ष संपर्क में ना आएं, इन लोगों में परिवार के सदस्य भी हो सकते हैं और नहीं भी। इन लोगों का मृत शरीर से संबंधित किसी भी तरह का स्राव से स्पर्श नहीं होना चाहिए। वैज्ञानिक प्रमाण जो अभी तक मिल हैं उनसे पता चला है कि ''करोना वायरस मृत शरीर पर शरीर के तरल, स्राव, नम कोशिकाओं में 9 दिन तक जीवित रह सकता है।''

शपथ पत्र कहता है कि ''इन चिंताओं को देखते हुए कोविड मरीज के मृत शरीर के दाह संस्कार या दफनाए गए बगैर खुला छोड़कर अंतिम संस्कार की अनुमति देना उचित नहीं है।''

नरीमन ने कहा कि ''हम मृत शरीर के अंतिम संस्कार में केन्द्र सरकार के निर्देशों के अनुसार गरिमा बनाए रखने के पक्ष में हैं।''

उन्होंने कहा कि परिवार का कोई भी सदस्य शव को स्पर्श नहीं करता है क्योंकि पारसियों के पेशेवर लोग होते हैं जो शव को ले जाते है तथा शव को टावर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.एन.यू. छात्रा से छेड़छाड़ का मामला दर्ज

नई दिल्ली, 18 जनवरी (वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जे.एन.यू.) की पी.एच.डी. की छात्रा के साथ यूनिवर्सिटी परिसर में छेड़छाड़ के

- **छात्रा ने पुलिस को रिपोर्ट दी है कि, सोमवार की रात करीब पौने बारह बजे जब वह टहल रही थी तभी कैम्पस परिसर में मोटरसाइकिल पर आये युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर युवक भाग गया।**

प्रयास के बाद मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया।

पुलिस ने बताया कि उसे पुलिस नियंत्रण कक्ष से छेड़छाड़ के संबंध में फोन आया था। पुलिस ने बताया कि छात्रा सोमवार की रात करीब पौने बारह बजे युनिवर्सिटी के ईस्ट गेट रोड पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रहरी बंदी के लिये अफीम का दूध लाया, बाहर की थड़ी से

जोधपुर, 18 जनवरी (कासं)। जोधपुर केन्द्रीय कारागार एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां तैनात एक आर.ए.सी. कर्मी के जूतों में से अफीम के दूध से भरी पोलिथीन थैलियां बरामद की गई हैं। वैसे जेल में समय समय पर चलने वाली आकस्मिक जांच में कई बार अवांछिय साम्रगी पकड़ी जाती रही है। यह साम्रगियां खुद जेल के कार्मिक पहुंचाते है या नहीं इसका आज तक किसी ने खुलासा नहीं किया। लेकिन सोमवार को एक जेल प्रहरी के दोनों जूतों में रखी अफीम के दूध से भरी थैलियां बरामद होने के साथ ही इसका एक ठोस सबूत मिल गया। दूध की मात्रा 95 ग्राम बतायी गई है। अफीम का दूध वह एक बंदी के कहे अनुसार जेल परिसर के नजदीक बनी होटल पर लेने गया था। पुलिस ने जेल प्रहरी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार करने के साथ पूछताछ की है।

रातानाडा थाने के सब इंस्पेक्टर भंवर सिंह ने बताया कि केंद्रीय कारागार के आरएसी 13 वीं बटालियन के कंपनी प्लॉटून कल्याणसिंह की तरफ से इस संबंध में मामला दर्ज करवाया गया है। इनके अनुसार वह सोमवार को अपनी ड्यूटी पर थे, तब आसोप के दाड़मी

- **जोधपुर के सैन्ट्रल जेल में हालात काफी हास्यास्पद।**

गांव का रहने वाला जेल प्रहरी प्रहलाद पुत्र उर्जाराम देवासी सुबह अपनी ड्यूटी पर आया और उसी दौरान जेल में आरएसी की तरफ से चैकिंग की गई। प्रहलाद के संदिग्ध लगने पर उसके सर्विस जूते उतरवाए गए। इस पर जूतों में से दो अलग अलग पॉलिथिन थैलियों में 95 ग्राम अफीम का दूध मिला। इस पर उसे पकड़ कर रातानाडा पुलिस के हवाले किया गया।

एसआई भंवरसिंह ने बताया कि आरोपी जेल प्रहरी प्रहलाद देवासी से आरंभिक पूछताछ में पता लगा कि वह यह अफीम का दूध जेल में एक बंदी के कहे अनुसार बाहर होटल से लाया था। होटल पर बंदी का परिचित मिला और उसने यह अफीम का दूध दिया था।

उन्होंने बताया कि बंदी को नामजद किया गया है। फिलहाल प्रहरी की बातों की तस्दीक की जा रही है। अफीम मंगवाने वाला बंदी कोई तस्कर या हार्डकोर अपराधी भी हो सकता है। प्रहलाद को कोर्ट में पेश कर रिमाण्ड पर लिया जाएगा।

जेल से बंदी के कॉल करने का भी संदेह गहराया:

इन दिनों कोविड के चलते जेल में बंदियों को उनके परिजनों से मुलाकात आदि की मनाही है। अब संदेह गहरा रहा है कि जेल कार्मिकों की मिली भगत से बंदी को उसके परिचित से बातचीत करवाई होगी। तब परिचित ने अफीम का दूध होटल पर भिजवाया होगा और प्रहरी उसे ही लेने वहां गया होगा।

कम्युनिटी किचन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। देश में भूख से हुई किसी मौत के बारें में ना बताने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केन्द्र सरकार की खिंचाई की और उससे कहा कि वह भूख और कुपोषण की समस्या का समाधान करने के लिए राज्य सरकारों के लिए एक मॉडल स्कीम तैयार करें ताकि वे सामुदायिक रसोईयों का संचालन कर सकें।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) एन.वी. रमना और जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और जस्टिस हीमा कोहली की एक बैंच ने अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल से कहा कि

- **सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर, सरकारों को भुखमरी से होने वाली मौत रोकने के लिये ''कम्युनिटी किचन'' चलाने पर जोर दिया।**

''भारत सरकार को भूख से हुई मौतों के नवीनतम आंकड़े हमें उपलब्ध करवाने चाहिए। आप अपने अधिकारी से कहें कि वह हमें यह जानकारी उपलब्ध करवाएं।''

बैंच ने राज्य सरकारों को भी निर्देश दिए कि वे कुपोषण, भूख से हुई मौतों व अन्य सम्बद्ध विषयों से संबंधित आंकड़े दो सप्ताह के भीतर उपलब्ध करवाएं।

अटॉर्नी जनरल ने देशभर में सामुदायिक रसोईयों के संचालन के लिए केन्द्र सरकार के पास फण्ड्स की कमी की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि केन्द्र पहले ही 131 कल्याणकारी योजनाओं की फण्डिंग कर रहा है तथा राज्य सरकारों को इस स्कीम के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विन्टर ओलम्पिक्स

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। चीन ने चार फरवरी से शुरु हो रहे विंटर ओलम्पिक्स देखने आने वाले विदेशियों पर प्रतिबंध लगा दिया और कहा कि अधिकांश चीनी दर्शक भी इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया है कि करोनावायरस संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए बीजिंग 2022 की

- **चीन ने इस आयोजन के लिए जनता को टिकट न बांटने का निर्णय लिया।**

आयोजन समिति ने घोषणा की है कि यह सार्वजनिक टिकटों की बिक्री बंद कर रही है ताकि खिलाड़ियों व दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।''

यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि दो दिन पहले ही स्वास्थ्य विभाग ने बीजिंग में ओमक्रॉन का पहला केस मिलने की जानकारी दी थी और उसके बाद तुरंत लॉकडाउन लगा दिया गया तथा बीजिंग और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टैस्टिंग की जा रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक साल में राष्ट्रपति बाइडन व अमेरिकी जनता का हनीमून खत्म हुआ

नवीनतम सर्वे, 12 से 14 जनवरी के बीच करवाये गये सर्वे के अनुसार राष्ट्रपति से संतुष्ट लोगों की संख्या केवल 44 प्रतिशत ही है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। क्या अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपना पदभार ग्रहण करने के एक वर्ष के भीतर ही मूल विषय से भटक गए हैं? यदि सी.बी.एस. न्यूज/यू. गव. पोल के नए सर्वेक्षण पर गौर किया जाए तो इसका उत्तर ''हाँ'' में हैं।

सर्वे से पता चला चलता है कि अधिकांश अमेरिकी ऐसा मानते हैं कि बाइडन सरकार ने अर्थव्यवस्था और महंगाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है और 50 प्रतिशत प्रतिभागियों का यह कहना है कि नए राष्ट्रपति के प्रथम वर्ष के कार्यकाल ने ही उन्हें ''कुंठाग्रस्त'' कर दिया है। गत 12 से 14 जनवरी तक हुए इस सर्वेक्षण में 2 हजार 94 वयस्कों ने भाग लिया।

''ध्यान केन्द्रित करना'' एक ऐसी प्रक्रिया है जो स्थायी रहती है। लेकिन अधिकांश प्रतिभागियों का कहना है कि बाइडन ना तो अर्थव्यवस्था पर और ना

- **पिछले छः राष्ट्रपतियों, जिनमें डॉनल्ड ट्रम्प शामिल नहीं हैं, को उनके शासन काल के प्रथम वर्ष में इतनी कम रेटिंग नहीं मिली है।**
- **50 प्रतिशत जनता महसूस करती है कि, वह राष्ट्रपति के कामकाज से कुण्ठित है, 49 प्रतिशत लोग उनके कामकाज से निराश हैं, 40 प्रतिशत जनता उनके कामकाज से चिंतित (नर्वस) है।**
- **जनता की इन ''नैगेटिव भावनाओं'' का कारण है, जनता का मानना है कि राष्ट्रपति का फोकस महत्वपूर्ण मुद्दों पर नहीं है, वे महत्वहीन मुद्दों पर ऊर्जा व समय बर्बाद कर रहे हैं।**
- **जनता की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैंः इकॉनमी व महंगाई।**

ही महंगाई पर पर्याप्त ध्यान दे रहे हैं, जबकि केवल कुछ ही लोग ऐसा मानते हैं कि बाइडन और उनके साथी डैमोक्रेट्स का ध्यान कुल मिलाकर सही विषयों पर केन्द्रित है। यहां तक कि उनकी खुद की पार्टी के भीतर महंगाई ही वह विषय है जिसमें उनके साथी डैमोक्रेट्स उन्हें अन्य विषयों की तुलना में सबसे कम अंक देते हैं।

58 प्रतिशत का कहना है कि बाइडन का वाइट हाउस अर्थव्यवस्था पर उचित ध्यान नहीं दे रहा है जबकि उनकी सरकार के महंगाई प्रबंधन को लेकर 65 प्रतिशत भी ऐसी ही राय रखते हैं।

जब यह पूछा गया कि बाइडन के राष्ट्रपति कार्यकाल में आप कैसा महसूस करते हैं? तो 50 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा ''हताश'' और 49 प्रतिशत ने इसे ''निराशाजनक'' तथा 40 प्रतिशत ने ''बेचैन'' बताया, जबकि 25 प्रतिशत ने ही इसे ''शांत'' और ''संतुष्ट करार दिया।

एक वर्ष में उनकी उन्हें पसंद करने वोल लोग मात्र 44 प्रतिशत ही रह गए हैं और अगस्त 2021 से यह 40 प्रतिशत के आसपास रही है। कार्यकाल की शुरूआत में उनकी रेटिंग 60 प्रतिशत से ऊपर थी और इसका कारण यह आशावाद था कि वे वैश्विक महामारी को नियंत्रित कर रहे हैं, हालांकि यह आशावाद अगली गर्मियों तक फीका पड़ गया।

राष्ट्रपति कार्यकाल के प्रथम वर्ष में जो उनकी अप्रूवल रेटिंग है वह उनके छह पूर्ववर्तियों की तुलना में कम हैं। इस मामले में पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प एक अपवाद है जिन्हें वर्ष 2018 में 37 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया।

लेकिन 55 प्रतिशत अमेरीकियों का कहना है कि बाइडन अपने आप को जिस तरीके से संभाल रहे हैं, वे उसे पसंद करते हैं, जबकि 62 प्रतिशत उनके आर्थिक प्रबंधन को लेकर नाखुश हैं, और 70 प्रतिशत का कहना है कि महंगाई के प्रबंधन के उनके तरीके को वे नापसंद करते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हृदय की विशालता ही उन्नति की नींव है। –जवाहरलाल नेहरु

जीवन कौशल को नई शिक्षा के विमर्श में शामिल करना जरूरी

जीवन को ठीक से जीना भी कौशल होता है और आजीविका पाना और उसे बनाए रखने का भी कौशल होता है। अमूमन दोनों को एक ही मान लिया जाता है। परंतु ऐसा है नहीं। आजीविका का कौशल आय के अर्जन का संबल देता है। वह जीवन के आर्थिक पहलू से जुड़ा कौशल होता है। उससे व्यक्ति को अपने स्वयं की और अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। यह व्यवसाय के हुनर की शिक्षा होती है जिसमें वह ऐसे कौशल प्राप्त करता है जो उसकी कमाई में इज़ाफ़ा करे, उसके लिए बेहतर रोजगार के अवसर मुहैया कराये। जबकि जीवन कौशल में मानव जीवन के सभी पक्ष चाहे वो आर्थिक हो, सामाजिक हो या मनोवैज्ञानिक हो, उसमें शामिल होते हैं। जीवन कौशल का फ़लक अत्यंत व्यापक होता है। इसमें व्यक्ति सबसे पहले तो ज्ञान को अर्जित करना सीखता है। फिर उस ज्ञान का उपयोग करना सीखता है। जीवन कौशल के ज्ञान का उपयोगजीवन के अनेक आयामों में होता है। उसका उपयोग आजीविका के हुनर हासिल करने के लिए के लिए भी होता है तो उससे मनुष्य अपनी क्षमताओं और संभावनाओं को समझने और उन्हें विस्तार देने, अपने जीवन को आनंददायी, संतोषपूर्ण और अर्थवान बनाने तथा अपने व्यावहारिक आचरण तथा रचनात्मकता से अपने को समाज के लिए उपयोगी बना पाने के लिए भी होता है। जीवन कौशल व्यक्ति के अपने दृष्टिकोण को सही करने और अपने नैतिक चरित्र को तराशने में भी मदद करता है। जेंण्डर की समझ और महिला व पुरुष के बीच की गैर बराबरी के आयामों को समझ कर दोनों के बीच के सदियों पुराने शोषणपूर्ण संबंधों को सुधारने की भी राह जीवन कौशल से सीखी जा सकती है। इसीलिए अब जीवन कौशल की शिक्षा की बात की जाती है।

हर युग का अपना समय होता है। हर समय की अपनी मांग होती है। इसीलिए समय के साथ मानव की आवश्यकताएं, अपेक्षाएं और आकांक्षाएं भी बदलती रहती हैं। इक्कीसवीं सदी का मौजूदा समय यंत्र तकनीक के जबर्दस्त फैलाव का युग है। हम पाते हैं कि यंत्र तकनीक में तेजी से आ रहे निरंतर बदलाव हमारे आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर गहन रूप से असर डाल रहे हैं। इसी कारण जीवन कौशल के भी नए-नए आयाम हमारे सामने खुलते जा रहे हैं। इसके मूल में बेहतर जीवन जीने की कला हासिल करना जीवन कौशल की शिक्षा है। एक प्रकार से जीवन की समठा समझ को आत्मसात करना ही जीवन कौशल की शिक्षा का उद्देश्य होता है। इक्कीसवीं सदी के जीवन कौशल के प्रमुख घटक हैं आलोचनात्मक सोच का विकास, स्थितियों का विश्लेषण, उनकी विवेचना और समस्याओं के हल की योग्यता, विवेकशीलता तथा सूचनाओं का संश्लेषण करने की क्षमता, प्रश्न करने का उत्साह, और नया खोजने की ललक। इनके अलावा रचनात्मकता, कलात्मकता, जिज्ञासा, कल्पनाशीलता, नवोन्मेष, अभिव्यक्ति की क्षमता, दृढ़ता वाला धीरज, अपनी राह चुनने की कुव्वत,स्व-अनुशासन, परिस्थितियों के अनुरूप अपने को ढालने का लचीलापन और पहल करने की इच्छाशक्ति भी जीवन कौशल के ही घटक हैं। इनमें मौखिक और लिखित संवाद, सार्वजनिक रूप से अपनी बात कहना और रखना तथा दूसरे की बात सुनने का धैर्य भी जीवन का कौशल होता है। साथ ही एक टीम के रूप में काम करना, नेतृत्व देना, आपसी सहयोग और सहकार भी इसनें शामिल होते हैं। जीवन कौशल में नागरिक दायित्व, नैतिक चरित्र, अहिंसा, और सामाजिक न्याय की शिक्षा भी शामिल होती है। इसमें आर्थिक और वित्तीय साक्षरता, उद्यमशीलता के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच और मनोवृत्ति के साथ वैश्विक जागरूकता, बहुसांस्कृतिक समझ और मानवीयता भी शामिल हैं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के संरक्षण और पारिस्थितिक की समझ भी स्वाभाविक रूप से जीवन कौशल में शामिल होती है। कुल मिला कर कह सकते हैं कि जीवन कौशल की शिक्षा मनुष्य के जीवन को आनंदमय और प्रेममय बनाती है जिसमें बंधुत्व की भावना अंतर्निहित होती है। ऐसे जगत की रचना होती है जहां संघर्ष न हो, एक दूसरे के नज़रिये को सुनने, समझने और अपने से भिन्न के अस्तित्व की स्वीकार्यता हो।

जिस प्रकार से सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां बदल रही हैं, जिसमें यंत्र तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव बढ़ा है, उससे जीवन की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं भी समग्र रूप से बदल रही हैं। यह बदला हुआ परिदृश्य नई चुनौतियां उपस्थित कर रहा है।

किशोर-किशोरियों की जीवन कौशलकी शिक्षा के लिए पाठ्य पुस्तकों का उपयोग हो सकता है और वह वांछनीय भी है। परंतु जीवन कौशल की शिक्षा अनुभवजनित हो तो वह अधिक प्रभावी होती है क्योंकि अनुभव से प्राप्त हुआ ज्ञान ही वास्तविक शक्ति है। वह टिकाऊ होता है। शिक्षा मात्र उपदेश नहीं होती। ज्ञान और व्यवहार में सामंजस्य बिठाना ही शिक्षा का कौशल है। असली शिक्षा वह है जो न केवल जीवन के संघर्षों से रूबरू कराए बल्कि उन पर विजय पाने की राहें खोजने में मदद करे। जीवन कौशल की शिक्षा औपचारिक शिक्षण की सीमाओं के परे जाकर होती है। वह व्यावहारिक होती है। इसलिए औपचारिक शिक्षा की मूल्यांकन प्रक्रिया से उसे नहीं आंका जा सकता। जीवन कौशल की शिक्षा मानव के रूपान्तरण का काम भी करती है। इसमें उसकी चेतना को उत्प्रेरित करना पड़ता है। जीवन कौशल की शिक्षा मनुष्य को स्वतंत्र करती है। इसके लिए पहले वह उस व्यक्ति की चेतना से, तब तक के उपार्जित ज्ञान को पौंछती है जिसके चलते वह रूढ़ियों और अवैज्ञानिक सोच और व्यवहार की जकड़न में होता है तथा नए समय की चुनौतियों से मुक़ाबला कर पाने में सक्षम नहीं हो पाता। जीवन कौशल पाना एक व्यवस्थित वैचारिक परिघटना है जिसे व्यक्ति प्रयास और अभ्यास से अर्जित करता है। किसी नए अनुभव को अपने पुराने अनुभवों और ज्ञान से जोड़ कर समझने की सामर्थ्य भी एक प्रकार का कौशल ही है। कौशल की शिक्षा सिखाती है कि क्योंकि अंतरवैयक्तिक रूप से वह स्वयं भी जुड़ा होता है इसलिए आवश्यक है कि वह तटस्थ तथा भावनाओं से निरपेक्ष रह कर चीजों को देखे, समझे और उनका विश्लेषण करे। जीवन कौशल की शिक्षा रोज़मर्रा के सरोकारों, खानपान, सेहत, सौंदर्यबोध और मानवीय व्यवहार को भी छूती है। वह व्यक्ति को अज्ञान के अंधेरे से ज्ञान के उजाले की ओर ले जाती है।जीवन कौशल की शिक्षा ज्ञान की उजास को व्यक्ति के व्यवहार में लाती है। यह व्यवहार सकारात्मक होता है नकारात्मक नहीं। वास्तव में जीवन का कौशल वही है जिसमें ऐसी सकारात्मक ऊर्जा संचारित होती है जो उस व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके परिवेश को भी सुहासित करती है क्योंकि वह सामाजिक रूप से वांछित होती है। जीवन शिक्षा में भौतिक कौशल से भी बढ़ कर विचार की अहमियत होती है। ऐसा इसलिए कि मनुष्य का व्यवहार ही उसके जीवन की राहें तय करता है। जीवन कौशल सिखाता है कि मनुष्य एक वृहद मानव समाज का ही नहीं सम्पूर्ण प्रकृति का हिस्सा है और अस्तित्व का एक धागा है जो समस्त चराचर जगत को एक सूत्र में जोड़ता है। वह जान पाता है कि प्रकृति की हर चीज का अपना अस्तित्व है जिस पर कोई आंच समूचे जगत के अस्तित्व पर असर डालती है।

पिछली सदी में जिन कौशल से हमारा काम चल जाता था वे अब पुराने पड चुके हैं। वे तब के समय की मांग थे। आज का समय अलग भांति के जीवन कौशल की जरूरत व्यक्त करता है। यह समय अधिक जटिल और अधिक प्रतियोगी है। यह ज्ञान आधारित सूचना का युग है जो यंत्र तकनीक से संचालित हो रहा है, वह चाहे समाज हो या अर्थ व्यवस्था हो। जीवन कौशल व्यवहार का हुनर होता है। सिर्फ मानव ऐसा प्राणी है जो प्रयास करके अपने पुराने विश्वासों की जकड़न से बाहर आ सकता है। यह उसकी विशेष क्षमता होती है। असली जीवन कौशल यही होता है कि व्यक्ति अपनी इस क्षमता को पहचाने और विगत के बंधनों को तोड़ कर वर्तमान में आ सके। या कहें कि नई-नई संभावनाओं को रचना ही असली जीवन कौशल है। वह जान सके कि जीवन का हेतु क्या है? इस प्रकार जीवन कौशल मनुष्य को अपूर्णता के एहसास से बाहर निकालता है। जीवन अनंत काल का नहीं होता। उसकी एक सीमा है। जीवन कौशल सिखाता है कि मृत्यु और दुःख सर्वव्यापी है और जीवन की सच्चाई है, मगर वे जीवन को अर्थ भी देते हैं। जीवन कौशल पुराने विश्वासों को नए सकारात्मक विश्वासों में रूपांतरित करने की कला सिखाता है। नई संभावनाओं को देखने का आकाश खोलता है।

जीवन कौशल किशोर और किशोरियों के लिए अलग-अलग नहीं होता। जीवन कौशल दोनों को पूर्व धारणाओं से मुक्त करता है ताकि दोनों समान रूप से अपनी संभावनाएं खोज सकें। अनुभव बताता है कि स्कूल आधारित एकरूप शिक्षा जीवन के यथार्थ से सामना करने में छात्रों को मदद नहीं करती। जिस प्रकार से सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां बदल रही हैं जिसमें यंत्र तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव बढ़ा है उससे जीवन की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं भी समग्र रूप से बदल रही हैं। यह बदला हुआ परिदृश्य नई चुनौतियां उपस्थित कर रहा है। एक तरफ नई आकांक्षाओं, परम्पराओं और सामाजिक बंधन हैं तो दूसरी तरफ आर्थिक दबाव हैं और व्यक्ति को दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रबल चुनौती है। इस प्रमुख मुद्दे का हल खोजनाही आज शिक्षा के संवाद की आवश्यकता है। जीवन कौशल में वे सभी चीजें शामिल हैं जो मानव के जीवन को उपयोगी, आनंददायी और सुखदायी बनाने के लिए आवश्यक हैं। इसमें सतत शिक्षा अति महत्वपूर्ण हो जाती है। तेजी से बदल रहे ज्ञान से अपने को अध्यतन रख कर तथा विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान का आपसी मिलाप करके कोई अपनी अनंत संभावनाओं के नए क्षितिज पा सकता है। यह हमारी नई शिक्षा के विमर्श का आवश्यक अंग होना चाहिए।

– अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

दुख बांटने का सुख

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

लाइलाज हुए कैंसर रोगियों की सेवार्थ बने अवेदना आश्रम के कमरे में चटाई बिछाये बैठी श्रीमती अग्रवाल। सामने धर्म की कोई किताब खुली है, जिस में से पढ़ कर वे अपने पति को सुना रही हैं। भगवान के चित्र के सामने दीपक जल रहा है, अगरबत्ती महक रही है। पाठ के पश्चात वे आरती करेंगी, अपने पति को आरती देंगी और फिर चली जायेंगी आश्रम के अन्य रोगियों की देखभाल करने।

श्रीमती अग्रवाल विलक्षण महिला हैं। उनके पति जो सामने बैठे हैं समृद्ध व्यापारी हैं। उनको नाक के पास एक घाव हुआ था। इलाज से ठीक नही हुआ तो जांच करवाई, कैंसर निकला। शल्य चिकित्सा कर उसे हटाया गया। सेक हुआ, दवायें दी गई। लेकिन कैंसर वहीं वापस आ गया। लाइलाज था। कैंसर धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था। नाक के एक ओर का भाग, ऊपर का ओंठ और गाल पर फैल गया। अग्रवाल साहब अपने घर में रह कर अपने कमरे से ही व्यापार चलाते। दुर्भाग्य से कभी जब वे सोये हुए थे, घाव पर मक्खी ने बैठ कर अंडे दे दिये। अंडो से निकल कर छोटी-छोटी लटे घाव में फैल गई, घाव में इधर-उधर छुप कर कुलबुलाने लगी। चेहरा विकृत तो पहले से ही था अब तो स्थिति असहनीय हो गई। बेचैनी, नीद नहीं, असहनीय व्यथा।

अग्रवाल साहेब अवेदना आश्रम आ गये। श्रीमती अग्रवाल साथ थी। आश्रम की नर्सो के अथक परिश्रम से स्थिति संभली। नर्सें घाव को साफ करती, दवा लगाती जिसके प्रभाव से हो लटे बाहर आती और वे उन्हे चुन-चुन कर हटाती। ऐसी कोई दवा नहीं थी जिसको लगाने से सारी लटे एक बार में ही मर जाती, कारण जो दवा लटों को मारती वह घाव के नाजुक तंतुओं को भी नष्ट कर देती। दो दिन लगे घाव को लटे मुक्त करने में। इसके पश्चात ही अग्रवाल साहेब चैन से सो सके। श्रीमती अग्रवाल वहीं रहीं, सतत उनकी देखभाल करने के लिए। अग्रवाल साहेब सामान्य हो गये तो भी न तो वे स्वयं घर जाने को तैयार हुए और न ही उन्हें छोड कर जाने को श्रीमती अग्रवाल।

बढ़ते कैंसर के घाव से चेहरा कितना विकृत हो गया था इसका अंदाज आप इससे लगा सकते हैं कि एक संभ्रात आंगतुक आश्रम में इनके कमरे में गये। कमरे में जाने से पहले बड़े वचाल थे। लाइलाज कैंसर के रोगियों के बारे मे बोले जा रहे थे। कमरे में घुसने पर एक नजर अग्रवाल साहेब के चहरे पर पड़ी और जैसे उन्हे काठ मार गया। फटी आंखे से उन्हे देखते रह गये। तो समझ में ही नहीं आया कि यह आदमी कैसे शांत चित बैठा है। श्रीमती अग्रवाल को शांत चित बैठे देख कर तो वे बौखल से गये। हाथ जोड़ कर नमस्कार किया और कमरे से बाहर निकल आये। ऐसी ही एक संभ्रात महिला तो कमरे से निकल कर फूट-फूट कर रोने लगी। जरा सोचिये, श्रीमती अग्रवाल जो दिन रात वहां रहती थी, उन पर क्या गुजरती होगी। वे घर भी नही जाती थी। अग्रवाल साहेब ने भी उन्हे घर जाने को कहा था। अग्रवाल साहेब की देखभाल के लिए इनका यहां रहना आवश्यक भी नहीं था। लेकिन वे नहीं गई- आखिर तक नहीं गई।

अग्रवाल साहेब और श्रीमती अग्रवाल ने आश्रम को अपना घर बना लिया और आश्रम वासियों को अपना परिवार। आश्रम वासियों ओर उनकी सेवारत सभी के खाने पीने का सामान अब अग्रवाल साहेब की तरफ से आता। स्वयं श्रीमती अग्रवाल रसोई में जाती, वहां खाना बनाने में भाग लेती, आश्रम वासियों को खाना खिलाने जाती। आश्रम की कैंसर ग्रस्त महिलाओं के बालों में तेल लगाते, कंघी करते, बाल संवारते, उनसे बतियाते, उनकी सेवा करते उनका दुख दर्द बांटते, उन्हे रोज देखा जा सकता था।

अग्रवाल साहेब का खाना लेकर खुद जाती। उन्हें अपने हाथ से खिलाती। खाना खिलाते हुऐ आश्रम वासियों के दुख दर्द के बारे में बताती। आश्रम में अधिकांश गरीब तबके के लोग होते थे जो दूर दराज गांवों से आते थे। आश्रम रोगियों की हर ऐसी आवश्यकता जो आश्रम पूरा नहीं कर पाता, उसके बारे में अपने पति को बताती। किसी को अपने परिजन के इलाज के लिए रूपयों की आवश्यकता होती, किसी को अपने बेटे बेटी की फीस के लिए पैसे की, किसी को विपदा से उबरने के लिए आवश्यकता। अग्रवाल साहेब ने जैसे इन सब को सहायता करना अपना मक्सद बना लिया था। अग्रवाल साहेब ने मुझसे कहा था, ''जानते हैं गांवो में कर्ज के बोझ का एक प्रमुख कारण होता है गंभीर रोग के लिए अकस्मात आवश्यक खर्चा। इस खर्च के लिए कर्ज के अलावा चारा नहीं होता, खास कर आज कल जब चिकित्सा इतनीं मंहगी हो गई है। कर्ज से उभरना मुश्किल हो जाता है। कर्ज परिवार को तोड देता है। आत्महत्या करने पर बाध्य कर देता है।''

अग्रवाल साहेब कभी अपने कमरे से बाहर नही निकले थे। न अन्य किसी रोगी से मिलने जाते थे। वे किसी को नगद रूपया भी नहीं भिजवाते थे। खाना खाने के बाद वे एक कागज लेकर श्रीमती अग्रवाल द्वारा बतायी गई आवश्यकताओं को कागज पर लिखते और फिर मोबाइल उठा कर अपने मातहत को विस्तृत निर्देश देते कि वह स्वयं जाकर, आवश्यक हो तो आश्रमवासी रोगी से मिल कर, उनकी आवश्यकता पूरी कर कर आये। आश्रम की रोज की आवश्यकता के लिए तो निर्देश होते ही थे।

श्रीमती अग्रवाल स्वयं मैस में जाकर सब कर्मचारियों के साथ वहीं खाना खाकर आतीं। वापस लौट कर आतीं तो अग्रवाल साहेब अपने बिस्तर पर बैठे हुए मिलते। श्रीमती अग्रवाल अलमारी से सिगरेट का पैकेट और माचिस लाती और एक सिगरेट उनके होठों के बीच अटका देती। उनके कैंसर से गले चहरे पर होठो के बीच जलती हुई सिगरेट बड़ी विकृत लगती, मन में जुर्गुप्सा जगाती। ऐसे ही समय जब मैं एक बार उनके कमरे में पहुंचा तो मैने कहा, ''अग्रवाल साहेब, यह क्या? अब तो छोडिये इसे।''

अग्रवाल साहेब ने एकटक मेरी ओर देखा, आंखों में एक चमक सी आ गई। कागज कलम उठाये और उस पर लिखा, ''नहीं, यह ठीक है। अब ज्यादा ठीक है। जो सिगरेट पीते हैं ओर जो पीना चाहते है उन्हे यह देखने दीजिए कि उन्हे किस स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।''

कैंसर धीरे-धीरे बढ़ता गया। नाक, आंख, गाल और नीचे होठों की ओर बढ़ता गया। अगवाल साहेब नित एक शीशे में उस निर्मम प्रसार को देखते। उनके हाथ में छोटे से शीशे में अपने विकृत चहरे को देखते हुए देख कर विचित्र लगता था। लेकिन आखीर तक उनका जीने का क्रम वही रहा। श्रीमती अग्रवाल उन्हें छोड कर कभी नहीं गई। शांत चित उनका सहारा बनी रही, सब कुछ स्वयं सहा, उनको कभी विचलित नही होने दिया, कभी स्वयं विचलित नही हुई। अन्य अंतः स्थित कैंसर रोगियों के दुख बांट कर नहीं, उनके दुख-दर्द बटोर कर, उनके लिए सार्थक कुछ कर उन्हें शक्ति मिलती थी; सहने की सामर्थ्य, जीने का संबल।

अग्रवाल साहेब को तो अपना रोग भुगतना था जो उन्होने साहस से किया। लेकिन जिस समर्पित भाव से श्रीमती अग्रवाल ने उनके साथ रह कर, उनका संबल बन कर, उस स्थिति को स्वयं जिया, वह विलक्षण था। जिस भगवान के चित्र के सामने श्रीमती अग्रवाल पूजा करती थी वह अब भी उस कमरे में लगा है। भारतीय महिला के सात्विक संस्कार को नमन। श्रीमती अग्रवाल को शत शत नमन।

डॉ. श्रीगोपाल काबरा
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

उत्सवधर्मिता के कारण चुनाव आयोग का बदला निर्णय

राजेन्द्र जोशी

हिन्दुस्तान में लोकसभा और विधान सभाओं के चुनावों करवाने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। भारतीय संविधान के अनुसार हर पांच साल बाद नयी सरकार का गठन किया जाता है । चुनाव आयोग पूरी तरह से स्वतंत्र ईकाई है, उस पर किसी भी प्रकार का सरकारी नियंत्रण नहीं होता । लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाये रखने की जिम्मेदारी लगभग चुनाव आयोग की होती है । दशकों पहले देश के मतदाताओं को चुनाव आयोग का महत्व टी.एन.शेषन ने समझाने की कोशिश की थी , जिसमें कुछ हद तक वें सफल भी रहे परन्तु फिलहाल उनके बाद चुनाव आयोग को फिर से अपनी पहचान बताने की जरुरत है । उत्सवधर्मिता को जीवित रखने वाला भारत दुनिया में जाना जाता है, विभिन्न रंगों से सराबोर रही है इसकी संस्कृति, यहाँ अलग-अलग प्रदेशों में वर्ष भर त्योहार मनाये जाते हैं।

चुनाव में मतदाताओं के साथ-साथ मतदान दलों के लोग भी उसी संस्कृति में रचे-बसे होते हैं। चुनावों के दौरान सैकड़ों लोगों को रोजगार भी मिलता है, गाडियां किराये पर लगना , पोस्टर, बैनर, पेम्पलेट इत्यादि छपायी का सीजन बन जाता है इन कामों में लगे स्थानीय लोगों के लिए उत्सव मनाने में अधिक रूचि रहती है। चुनावों की तारीखों के ऐलान करने से पहले उस प्रदेश की कानून- व्यवस्था के साथ ही वहां के इतिहास, संस्कृति और स्थानीय लोगों के तीज-त्यौहार के अवसरों को पहचानने की कोशिश करते हुए मतदान दिवस की घोषणा करनी चाहिए । इन दिनों पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का उत्सव के रंग देखे जा सकते हैं । चुनाव आयोग को पंजाब में अपनी ही तारीखों को बदलना पड़ा है, यह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है । तारीखों की घोषणा से पहले संत रविदास की लोकप्रियता को चुनाव आयोग को रेखांकित करना चाहिए, उसे पंजाब के तीज-त्यौहारों की पुख्ता जानकारी स्थानीय प्रशासन से लेनी चाहिए । बात केवल मतदान तिथि को परिवर्तित करने तक सीमित नहीं है परन्तु एक बड़े कृषि प्रधान प्रदेश की आस्था का भी है जिसकी वजह से चुनाव आयोग को अपने ही फैसले पर प्रश्न चिह्न लगा है । पंजाब सरकार और वहाँ के राजनैतिक दलों को सलाम करना चाहिए जिन्होंने चुनाव आयोग को उनकी भूल को समय रहते जगा दिया जिससे वहां की स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी अवश्य होगी।

राजेन्द्र जोशा
वरिष्ठ साहित्यकार, कवि कथाकार

जैसलमेर वायुशक्ति में पहली बार महिला पायलट शौर्य दिखाएंगी

जैसलमेर, (नि.सं.)। देश के उत्तरी मोर्चे पर चीनी सेना और पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान की चुनौती का सामना कर रही भारतीय वायु सेना राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग में अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास करने जा रही है। फाइटरों के हिस्सेदारी , ट्रेनिंग कॉम्बैट उड़ानों और हवाई ताकत के प्रदर्शन के मॉडलों के हिसाब से इसे सबसे व्यापक और अभूतपूर्व वॉरगेम बताया जा रहा है। मिग -21 बाइसन लड़ाकू विमान की उड़ान के साथ पहली बार वायु शक्ति में महिला पायलट शौर्य दिखाएंगी। वायु सेना अब तक 10 महिला पायलट लड़ाकू भूमिका में शामिल हो चुकी हैं। इनमें से कम से कम तीन पायलट इस बार के बड़े अभ्यास में शामिल हो सकती हैं। इसके साथ ही रफाल के सभी 36 विमानों की आपूर्ति फरवरी के पहले सप्ताह में पूरी हो रही है।

सूत्रों के अनुसार वायु शक्ति के 10 से 12 फरवरी के पूर्ण अभ्यास में इन सभी की एक्टिव हिस्सेदारी होगी। तीन साल में एक बार होने वाले वायु शक्ति अभ्यास में देशभर में वायु सेना की यूनिटें सक्रिय हिस्सेदारी कर रही है। पिछले 20 महीने से उत्तरी मोर्चे पर चीन के साथ तनातनी के कारण वायु सेना अतिरिक्त अलर्ट है। वायु शक्ति में करीब 140 विमानों की हिस्सेदारी होगी। करीब 100 फाइटर प्लेन लेंगे।

पोकरण रेंज में बनाए गए दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने के अभ्यास में अनेक तरह की मिसाइलों और फाइटरों का इस्तेमाल होगा। रफाल की अत्याधुनिक मिका मिसाइल इसका विशेष आकर्षण होगी। सुखोई 30 एमकेआई, मिग 29, एलसीए तेजस, मिराज 2000, मिग 21 बाइसन, हॉक और जगुआर विमान भी अपने इसमें शामिल होंगे। अपाचे हेलीकॉप्टर और शिनूक के साथ भारत के ध्रुव भी नाइट आपरेशंस में हिस्सा लेंगे। रात के आपरेशन में लड़ाकू हेलीकाप्टरों से टारगेट्स पर राकेटों की बौछार दिखेगी । वायु शक्ति मे डीसीए-डिफेंसिव काउंटर एयर , ओसीए -ऑफेंसिव काउंटर एयर , सीएएस -काउंटर एयर स्ट्राइक , सीईएडी -सप्रेस एनिमी एयर डिफेंस , टीओओ टारगेट ऑफ अपार्चुनिटी आदि ऑपरेशन होंगे।

मेधावी छात्रों को 3 साल से लैपटॉप वितरण करना भूली राज्य सरकार

- **शिक्षक संघ ने छात्रों को लैपटाप वितरण की मांग`की**

चाकसू, (निसं)। पिछले करीब दो साल से स्कूलों पर ताले लटक रहे हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई पर पूरी तरह से निर्भर हैं, लेकिन ये ऑनलाइन पढ़ाई भी दूर-दराज स्थित गांवों तक नहीं पहुंच पा रही है।

इसी समस्या में कोढ़ में खाज का काम कर रही है शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी लैपटॉप वितरण योजना, राजस्थान सरकार की स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और डिजीटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई लैपटॉप वितरण योजना पिछले तीन सालों से ठंडे बस्ते में पड़ी है। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ जिला शाखा जयपुर ने राज्य सरकार से मेधावी छात्रों के लिए बनी लेपटॉप योजना को गति देने का आग्रह किया है। संघ के जिलाध्यक्ष रामस्वरूप गुर्जर एवं स्थानीय अध्यक्ष गणेश नारायण यादव ने मेधावी छात्रों को कक्षा 8 ,10 व 12 वीं में मिलने वाले लैपटॉप दिलाने की मांग की है । यह योजना एक लाख से कम आय वाले अभिभावकों के मेधावी छात्रों के लिए है। जब राज्य सरकार विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें स्कूलों में उपलब्ध करवा सकती है तो लैपटॉप क्यों नहीं । राजस्थान के अधिकांश निर्धन बच्चे सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत हैं यदि उन्हें लैपटॉप मिल जाता तो ऑनलाइन शिक्षण में उन्हें सुगमता होती। इस संबंध में ग्रामीण छात्र-छात्राओं का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में शिक्षा विभाग से समय से लैपटॉप दिया जाता तो ऑनलाइन क्लास लेने में आसानी रहती।

सालों बाद अब बदलेगा आपके घर के सिलैण्डर का रंग-ढंग

- **इंडियन ऑयल ने फाइबर के गैस सिलेंडर किए लॉन्च,**
- **पहले के सिलेंडर के बजाय सेफ रहेगा नया सिलेंडर**

झुंझुनूं,(निसं)। आपने होश संभाला तब से आपने लोहे के, लाल रंग के वजनी गैस सिलेंडरों को ही देखा है। लेकिन अब यह सिलेंडर अपना रंग, रूप और काफी कुछ बदल रहा है। पहले सिलेंडर की गैस खत्म होने की बाद ही पता चलता था कि अब गैस खत्म हो गई है लेकिन नए सिलेंडर में यह भी आसानी से पता चलेगा कि कितनी गैस और सिलेंडर में शेष है। ताकि हम दूसरे सिलेंडर की व्यवस्था कर सकें ।

झुंझुनूं में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से इंडेन उपभोक्ताओं के लिए फाइबर के नए रसोई गैस सिलेंडर लॉन्च किए गए । नगर परिषद में हुए लोकार्पण समारोह की मुख्य अतिथि सभापति नगमा बानो थी और अध्यक्षता जिला रसद अधिकारी कपिल झाझड़िया ने की। शेखावाटी गैस सर्विस के संचालक रामसिंह कुमावत तथा क्षेत्रीय बिक्री अधिकारी किरण बुडानिया ने बताया कि इसमें 5 किलो और 10 किलोग्राम वेट में सिलेंडर जारी किए है। कार्यक्रम में सभापति नगमा बानो व अन्य अतिथियों ने फाइबर सिलेंडर का लोकार्पण किया और पहले ग्राहक को सिलेंडर कनेक्शन प्रदान किया। इस दौरान भाजपा युवा नेता राजेश बाबल समेत अन्य मौजूद रहे।

10 किलोग्राम कंपोजिट सिलेंडर हुआ लॉन्चः सिलेंडर को आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस सिलेंडर से ऐसी दुविधा नहीं रहेगी। उपभोक्ता पुराने गैस सिलेंडर को गैस एजेंसी में जमा करवाकर और डिफरेंस राशि जमा करवाकर बदले में नया सिलेंडर ले सकते हैं।

झुंझुनूं में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से इण्डेन उपभोक्ताओं के लिए फाइबर के नए रसोई गैस सिलेंडर लॉन्च किए गए

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 जनवरी, 2022

माघ मास कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2078, अश्लेषा नक्षत्र गुरूवार प्रातः 8:24 तक, प्रीति योग सायं 4:05 तक, तैतिल करण सायं 7:29 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में। शनि अस्त पश्चिम प्रातः 7:33 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:59 तक, शुभ 11:18 से 12:17 तक, चर 3:14 से 4:35 तक, लाभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:25, सूर्यास्त 5:54

मेष
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रहेगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मिथुन
व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन-मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे।

सिंह
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मीन
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

नगर निगम की लड़ाई के जरिए जयपुर की कांग्रेस में वर्चस्व साबित करने की होड़

इस जंग में जयपुर जिला कांग्रेस का अध्यक्ष पद भी दाव पर है

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर जिला कांग्रेस में इन दिनों वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो चुकी है और पिछले दिनों जयपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर जो दौड़ शुरू हुई थी, वह वर्चस्व की लड़ाई में बदल चुकी है। जिलाध्यक्ष की यही लड़ाई अब नगर निगम की समितियों के जरिए लड़ी जा रही है। हालांकि जयपुर के विधायकों में जयपुर नगर निगम हेरिटेज में समितियां बनाने को लेकर बातचीत का रास्ता तो निकाला गया है, लेकिन यहां मजेदार बात यह है कि इसके जरिए अब लड़ाई बेहद दिलचस्प होती दिख रही है।

पिछले दिनों काबीना मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जिस तरह से निर्दलीय पार्षदों को लेकर हमदर्दी दिखाने का प्रयास किया है, वह भी उसी लड़ाई का हिस्सा है। एक ओर तो जयपुर में कांग्रेस सरकार में पिछले तीन साल से जयपुर के एकमात्र काबीना मंत्री रहे प्रताप सिंह खाचरियावास कहते हैं कि महापौर को निर्दलीय पार्षदों की बात सुननी पड़ेगी और महापौर पद कांग्रेस के चेहरे पर मिला है, खुद के चेहरे पर नहीं। यहां वे महापौर को निशाना बनाते हैं लेकिन दूसरी ओर सवाल यह उठ रहा है कि जिस महिला को पार्षद का टिकट खुद प्रताप सिंह खाचरियावास ने दिया था, आखिरकार ऐसा क्या हो गया कि सार्वजनिक रुप से खाचरियावास को उसी अपने क्षेत्र की पार्षद के महापौर बनने के बाद शिकायतें होने लगी हैं।

दूसरी ओर इस लड़ाई का एक हिस्सा हाल ही काबीना मंत्री बने महेश जोशी हैं। महेश जोशी भी अपने नजदीकी समर्थक को जयपुर का अध्यक्ष बनवाने को लेकर दिल्ली तक जा चुके हैं। अब लड़ाई इस बात की है कि जयपुर नगर निगम हेरिटेज और जयपुर नगर निगम ग्रेटर दो हिस्सों में बांटने के बाद जयपुर के दो जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले हैं! ऐसे में अब महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास दोनों के ही विधानसभा क्षेत्र जयपुर हेरिटेज में आते हैं। अब दोनों नेता चाहते हैं कि जो भी जिला कांग्रेस का अध्यक्ष जयपुर हेरिटेज में बने, वह उनका समर्थक हो।

अब यह लड़ाई सीधी नहीं लड़ी जा सकती है। ऐसे में नगर निगम की लड़ाई को माध्यम बनाया जा रहा है। माध्यम इस तरह से कि प्रताप सिंह खाचरियावास कहते हैं कि 1 साल होने के बावजूद नगर निगम की समितियां नहीं बनी, तो सवाल यह उठता है, जो खुद कांग्रेसन पूछते हैं कि आखिरकार समितियां बनाने से रोका किसने है। सरकार कांग्रेस की, नगर निगम का बोर्ड कांग्रेस का, चार विधायक कांग्रेस के, तो फिर आखिरकार इन निगम की समितियों के आड़े कौन आ रहा है। जबकि दूसरी ओर जयपुर ग्रेटर निगम बोर्ड का गठन होने के कुछ दिनों बाद ही समितियों का गठन कर दिया गया था। ऐसे में जयपुर के कांग्रेसजनों की उंगलियां दोनों काबीना मंत्री और दो विधायकों पर ही उठती है कि इनमें एक राय नहीं होने का खामियाजा नगर निगम के पार्षदों को भुगतना पड़ रहा है और समितियों का गठन नहीं होने से कार्यों का बंटवारा भी नहीं हो पा रहा है। अब सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस के साथ में 8 निर्दलीय विधायकों का समर्थन है। अब यह सभी अपने लिए चेयरमैनशिप मांग रहे हैं लेकिन यदि इन सभी को चेयरमैन बना दिया जाता है तो फिर कांग्रेस के टिकट पर जीत कर आने वाले पार्षद क्या इन सभी को स्वीकार कर लेंगे। इस उधेड़बुन का नतीजा है कि नगर निगम में समितियों का गठन नहीं हो पा रहा है।

- जयपुर में दो काबीना मंत्रियों में वर्चस्व की लड़ाई रोक रही है निगम समितियों का गठन, पार्षदों का मनोनयन
- खाचरियावास निर्दलीय पार्षदों की सहानुभूति बटोरना चाहते हैं, तो महेश जोशी चुप्पी साधे इंतजार में हैं

कांग्रेसजनों का सवाल तो यह भी है कि जब पूरे राजस्थान में सरकार की ओर से मनोनीत होने वाले पार्षद बनाए जा चुके हैं तो आखिरकार क्या कारण है कि जयपुर के 2 नगर निगमों में अभी तक पार्षदों का मनोनयन नहीं हो पा रहा है। इसके पीछे भी इन विधायकों की आपसी तनाव की स्थिति को ही जिम्मेदार बताया जा रहा है। दरअसल जयपुर में कांग्रेस के जीते हुए विधायक अपने ज्यादा समर्थकों को मनोनीत पार्षद बनाना चाहते हैं। वहीं हर विधायक चाहता है कि उसके क्षेत्र से ज्यादा चेयरमैन बने। यह लड़ाई भी नगर निगम में हिस्सेदारी बांटने से रोक रही है।

अब क्योंकि जिला कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला आने वाले दिनों में होना है, तो नगर निगम के जरिए दोनों काबीना मंत्री अपना वर्चस्व साबित करना चाह रहे हैं। हालांकि यह सही है कि पिछले दिनों हुए मंत्रिमंडल फेरबदल में महेश जोशी ज्यादा ताकतवर बनकर उभरे हैं। इसका कारण यह है कि महेश जोशी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे विश्वस्त नेताओं में माने जाते हैं। वहीं कभी सचिन पायलट के नजदीकी माने जाने वाले और बाद में मुख्यमंत्री के नजदीक आ गए प्रताप सिंह खाचरियावास अपना मंत्री पद तो बचाने में सफल रहे, क्योंकि फेरबदल में किसी मंत्री को नहीं हटाया गया, लेकिन उनके विभाग के बंटवारे में स्पष्ट हो गया कि वह अब पहले की तरह जयपुर में ताकतवर नहीं रहे। ऐसे में अब एक बार फिर जयपुर में नगर निगम की समितियों और जयपुर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष की लड़ाई में वर्चस्व साबित करने के लिए अपनी ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। अब देखना यह है कि इस वर्ष की लड़ाई में शह-मात का खेल कहां तक जाता है।

रामू शर्मा के नेतृत्व में बांटे सचिन पायलट के फोटो छपे शॉल

प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए राजस्थान राज्य पंचायत परिषद के संयोजक रामू शर्मा ने गरीब, असहाय और फुटपॉथ पर खुले में गुजर-बसर करने वाले लोगों को शॉल वितरित किए। उन्होंने इस सहायता के माध्यम से पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के प्रति अपना समर्थन भी जताया है। उन्होंने मंगलवार को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फुटपाथ पर रहने वाले करीब 2100 लोगों को सचिन पायलट की फोटो छपी शॉल वितरित की, ताकि वो लोग इस शीतलहर में ठंड से बच सकें। इस दौरान उनके साथ जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व महामंत्री नीतू सैनी, कांग्रेस कार्यकर्ता गुड्डी पंडित, वार्ड 81 से पार्षद जय वशिष्ठ और रामजीलाल आदि भी मौजूद थे।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या नौ हजार से ऊपर ही बनी हुई है

राज्य में मंगलवार को 9711 नए संक्रमित मिले, इससे पहले सोमवार को 9236 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या पिछले कई दिनों से नौ हजार से ऊपर बनी हुई है। मंगलवार को राज्य में थोड़ी और वृद्धि के बाद 9711 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच सात हजार से अधिक लोग ठीक भी हुए हैं। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 9 और लोगों की मौत हो गई है।

- राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 2358 नए संक्रमित मिले हैं।
- जोधपुर में 801, उदयपुर में 677, पाली में 569, अलवर में 568, कोटा में 563, भरतपुर में 536 और हनुमानगढ़ में 426 नए मरीज सामने आए हैं।
- दुखद बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से 9 और लोगों की मौत हो गई है।

प्रदेश में करोना की तीसरी लहर का व्यापक असर देखा जा रहा है। राज्य के 33 जिलों में फिलहाल करोना के 69 हजार 388 सक्रिय मरीज मौजूद है। इनमें सबसे ज्यादा 19 हजार 686 रोगी जयपुर जिले में हैं। वहीं अलवर में 6169, जोधपुर में 4851, उदयपुर में 4065, बीकानेर में 3145, कोटा में 3123, भरतपुर में 3122, बाड़मेर में 2341, पाली में 2247 और अजमेर में 2201 तथा शेष जिलों में इससे कम सक्रिय मरीज हैं।

प्रदेश में मंगलवार को 9711 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 9236 रोगी पाए गए थे। राज्य में पिछले कई दिनों से नए संक्रमितों की संख्या 9 हजार के ऊपर ही बनी हुई है। इधर राजधानी जयपुर में आज कुछ और मामले बढ़ने के साथ 2358 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 801, उदयपुर में 677, पाली में 569, अलवर में 568, कोटा में 563, भरतपुर में 536, हनुमानगढ़ में 426, चित्तौड़गढ़ में 380, बीकानेर में 358, अजमेर में 270, चूरू में 252, बाड़मेर में 239, सवाई माधोपुर में 205 और सीकर में 204 नए संक्रमित मिले है। वहीं प्रतापगढ़ में 125, टोंक में 121, जैसलमेर में 117, धौलपुर में 115, बारां में 101, झालावाड़ में 94, भीलवाड़ा में 90, दौसा व नागौर में 85-85, श्रीगंगानगर में 84, सिरोही में 68, बूंदी में 53, डूंगरपुर में 47, झुंझुनूं 38, राजसमंद में 31, जालौर में 25, करौली 17 और बांसवाड़ा में 9 नए मरीज पाए गए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक 10 लाख 56 हजार 606 संक्रमित मिल चुके हैं। इधर राज्य में पिछले 4-5 दिन से रिकवरी में सुधार हो रहा है। इसके चलते मंगलवार को 7 हजार 56 और मरीज ठीक हुए हैं। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9 लाख 78 हजार 199 संक्रमित इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि दुखद बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से 9 और लोगों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर और जोधपुर में 2-2 जबकि अजमेर, अलवर, बीकानेर, दौसा तथा करौली में 1-1 मरीज की मौत हुई है। राज्य में तीसरी लहर के दौरान जनवरी के 18 दिनों में ही करोना से 55 लोगों की मौत हो चुकी है। एक जनवरी को प्रदेश में करोना के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 8964 जो अब बढ़कर 9019 हो गई है।

इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि आमजन के साथ-साथ विशेषज्ञों की राय बनती जा रही है कि ओमक्रॉन डेल्टा के जितना खतरनाक नहीं है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। जिन लोगों के कोई लक्षण नहीं हैं वो डॉक्टर की सलाह से घर पर ही ठीक हो सकते हैं। हालाकि जिनके बुखार, सिरदर्द, खांसी-जुकाम व बदन दर्द जैसे लक्षण हैं उन्हें बेहद सावधानी बरतनी चाहिए।

जनजाति बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्रों का हो सर्वांगीण विकास : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने जनजाति बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें तात्कालिक और दीर्घकालिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों के सभी परिवारों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रारम्भ कैशलेस उपचार की सुविधा का सुरक्षा कवच प्रदान किए जाने की भी आवश्यकता जता। उन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पंजीकरण कार्य में तेजी लाते हुए योजना से नहीं जुड़ पाए परिवारों को जल्द से जल्द पंजीकृत किए जाने पर भी जोर दिया।

मिश्र मंगलवार को राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र में जनजाति विकास एवं कल्याण हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति एवं समस्याओं के संबंध में विशेष समीक्षा बैठक में ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में वंचित समूहों को हर सम्भव सहायता प्रदान किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में विद्यार्थियों की कोचिंग, शिक्षा छात्रवृति समय पर मिले, इसकी व्यवस्था प्रभावी रूप में सुनिश्चित हो।

उन्होंने छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं भुगतान की ऐसी आदर्श व पारदर्शी व्यवस्था अपनाए जाने पर जोर दिया जिसमें यथासंभव वित्त वर्ष समाप्त होने के साथ ही राशि विद्यार्थी के खाते में जमा हो जाए। उन्होंने कहा कि यदि आवेदन पत्र को कमी या त्रुटि हो तो उसे निरस्त करने के स्थान पर उसकी पूर्ति करवा शीघ्र विद्यार्थी को लाभान्वित करने का प्रयास होना चाहिए।

राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्र में जनजातियों के समग्र विकास के लिए योजनाओं का व्यावहारिक क्रियान्वयन किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि नवाचार अपनाते हुए ऐसे स्थानों पर अधिकाधिक आदर्श गांव बने। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को सी.एस.आर. के तहत उच्च पदों पर चयन के लिए बेहतर से बेहतर कोचिंग सुविधा दिए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित क्षेत्र के 5 हजार 696 गावों में से 49 गाँवों को मॉडल विलेज बनाने के बारे में जिलेवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों के छात्रावासों में स्वच्छता की प्रभावी व्यवस्था के साथ वहां रहने की अच्छी सुविधाओं का विकास किए जाने के भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श गावों की प्रगति की मासिक सूचना राजभवन को मिले।

दस महीने में ही गणगौरी अस्पताल के अधीक्षक को हटाया

इससे पहले जनस्वास्थ्य निदेशक के.के. शर्मा व औषधि नियंत्रक राजाराम शर्मा को भी बदला गया था

जयपुर,(कासं)। चिकित्सा विभाग में पूर्व चिकित्सा मंत्री के निर्णयों को बदलने का काम लगातार जारी है। इसके तहत उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों में अहम पदों पर की लगाए गए अधिकारियों और डॉक्टरों अब हटाने का सिलसिला जारी है।

विभाग के नए मंत्री परसादी लाल मीणा ने कार्यभार संभालने के बाद पूर्व मंत्री डॉ.रघु शर्मा की अधिकांश नियुक्तियों को बदल दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को गणगौरी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रामबाबू शर्मा को भी महज दस महीनों में ही पद से हटाया गया है। डॉ. रामबाबू शर्मा के स्थान पर कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एल. हर्षवर्धन को लगाया गया है और उन्हें कांवटिया अस्पताल का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है।

- चिकित्सा विभाग में पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा के निर्णयों को बदलने का सिलसिला जारी

चर्चा है कि गत सप्ताह चिकित्सा निदेशालय में शीर्ष पदों में हुए बदलाव के बाद डॉ. रामबाबू शर्मा की विदाई तय मानी जा रही थी। चिकित्सा महकमें में उनका हटाए जाने को लेकर कई दिनों से चर्चाएं चल रही थी। बताया जा रहा है कि डॉ. शर्मा को इस पद पर जलदाय मंत्री महेश जोशी की सिफारिश पर लगाया गया था। वहीं गणगौरी अस्पताल महेश जोशी के निर्वाचन क्षेत्र में है। इसके चलते उन्हें पहले पद से नहीं हटाया गया। सूत्रों के अनुसार डॉ. शर्मा अधीक्षक के लिए हुए साक्षात्कार में चयनित होने के बाद इस पद पर लगाए गए थे। नियमानुसार अधीक्षक का कार्यकाल तीन साल का होता है। लेकिन उन्हें मात्र दस महीने में ही इस पद से हटा दिया गया।

अनियमितता की मिली थी शिकायत : चिकित्सा मंत्री

इस मामले में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बताया कि महिलाओं को दिए जाने वाले सेनेटरी नेपकीन के मामले में चिकित्सा अधीक्षक की शिकायत मिली थी। इस बारे में क्षेत्र के लोगों ने अपनी शिकायत में कहा था कि स्टोर में नेपकीन होने के बाद भी मरीजों को वितरित नहीं किए जाते और उन्हें बाहर दुकानों से नेपकीन लाने के लिए मजबूर किया जाता है। इस मामले में जांच के लिए कमेटी भी बनाई थी और उसकी रिपोर्ट में डॉ. रामबाबू शर्मा को दोषी माना गया था। इस मामले में ही उन्हें हटाया गया है।

मेरी कोई गलती नहीं : डॉ. रामबाबू शर्मा

वहीं डॉ. रामबाबू का कहना है कि इस मामले में मेरी गलती बताई जा रही है उसमें तो मेरा कोई हस्तक्षेप ही नहीं है। नेपकीन देने का कार्य अस्पताल के गायनिक विभाग का है, इसमें चिकित्सा अधीक्षक क्या काम करेगा।

गौरतलब है कि इससे पहले चिकित्सा मंत्री ने गत सप्ताह ही जनस्वास्थ्य निदेशक के.के. शर्मा को हटाकर उनके स्थान पर वी.के. माथुर को लगाया था। साथ ही उसी दिन औषधि नियंत्रक राजाराम शर्मा के स्थान पर अजय फाटक की नियुक्ति की थी। ये दोनों ही अधिकारी पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा के नजदीकी माने जाते थे।

इस माह के अंत तक छह प्रधान खनिजों की नीलामी प्रक्रिया होगी शुरू : डॉ. अग्रवाल

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि इस माह के अंत तक कॉपर, मेग्नेसाइट, लाईमस्टोन, मेंगनीज और गारनेट के छह प्रधान खनिजों की नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस समय एक कॉपर व छह लाईम स्टोन प्रधान खनिजों की ई नीलामी की प्रकिया आरंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस साल राज्य में खनन क्षेत्र में नीलामी प्रक्रिया में तेजी लाई गई है।

एसीएस माइंस, पेट्रोलियम एवं एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल मंगलवार को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से माइंस विभाग की वर्चुअल बैठक ले रहे थे। झुंन्झुनूं व नागौर के दो दो लाईम स्टोन ब्लॉकों का नीलामी नोटिस जारी किया जा चुका है और 24 जनवरी से 28 जनवरी के दौरान इस चारों ब्लाकों की भारत सरकार के ई पोर्टल पर नीलामी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह से एक कॉपर व दो लाईम स्टोन ब्लाको की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरु की जा चुकी है और आगामी 7 से 9 फरवरी के दौरान इन ब्लाकों की भी भारत सरकार के ई नीलामी पोर्टल पर नीलामी होगी।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समय-समय पर आयोजित माइंस विभाग की समीक्षा बैठकों में खनिज खोज व खनन गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए जाते रहे है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री गहलोत खनन क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों से भी समय-समय पर रुबरु होते हुए फीडबेक लेते रहे हैं। उन्होंने बताया कि खान व गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया नियमित रुप से विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर निर्देश व मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। खनन क्षेत्र में यह वर्ष विशेष उपलब्धियों का रहेगा। उन्होंने बताया कि खनन गतिविधियों में और अधिक तेजी लाने के लिए केन्द्र सरकार की संबंधित संस्थाओं से भी समन्वय बनाया हुआ है जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

नरसी का पीडीएफ में चयन हुआ

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व महासचिव नरसी किराड़ को पोस्ट डॉक्टरेट फेलोशिप(पीडीएफ) के लिए चयन हुआ। आइसीएसएसआर की ओर से जारी इस सूची में नरसी सहित देश भर से 200 लोगों का चयन हुआ। देश भर के 75 हजार छात्रों ने इसके लिए आवेदन किया था। जिसमें राजस्थान से नरसी सहित 4 लोग शामिल हैं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मेरी 10वीं की अंक तालिका में मेरा नाम मानवेन्द्र सिंह अंकित है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजों आधारकार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, पेनकार्ड में मेरा नाम मानवेन्द्र सिंह राव है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे हैं। अत भविष्य में मुझे उपरोक्त दोनों नामों से जाना जाए। पता- 06, मां करणी नगर-ए, वैशाली, जयपुर, राजस्थान

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 143/2022
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री ताराचन्द चौहान निवासी मकान नम्बर 9/135 सिन्धी सागर, कुंऐ के सामने, सांगानेर जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत रजत चौहान स्पोर्टस फाउण्डेशन ट्रस्ट जिला जयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 22.03.2022
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक- 14529 **जाहिर आम सूचना** दि. 17.01.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास संख्या 85/188 (EWS), (एरिया 36.00 वर्गमीटर), प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री अन्जना कुमारी पुत्री श्री कोडूमल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 610 दिनांक 04.06.1996 के द्वारा जारी किया गया था। श्री किशन सोमाणी पुत्र श्री नारायण के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 195 दिनांक 04.05.2001 के द्वारा किया गया एवं श्री किशन सोमाणी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 15.05.2001 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री किशन सोमाणी द्वारा श्री कैलाशचंद पुत्र श्री गणेश नारायण शर्मा को दिनांक 31.07.2006 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री कैलाशचंद द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 02.02.2007 के द्वारा श्री देवराज शर्मा पुत्र श्री रामनिवास शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री देवराज शर्मा द्वारा श्री दीपक शर्मा पुत्र श्री राधेश्याम शर्मा को दिनांक 21.05.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री दीपक शर्मा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 01.10.2008 के द्वारा श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री कोटूमल को विक्रय कर उप पंजीयक-द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री अश्वनी कुमार द्वारा उक्त आवास का विक्रय दिनांक 06.05.2009 को श्रीमती शुभांगना राज सावलानी पत्नी श्री राजकुमार सावलानी के नाम किया जाकर विक्रय पत्र सब रजिस्ट्रार-जयपुर-पंचम, में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती शुभांगना राज सांवलानी की मृत्यु दिनांक 26.08.2017 को हो जाने के कारण अपने वारिसान श्री मिहिर सावलानी पुत्र श्री राजकुमार द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहरताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री मिहिर सावलानी पुत्र श्री राजकुमार का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबंधक, वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर।

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 42/21
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी-नाम राजू देवी पत्नि रामचन्द सैनी जाति माली विवाद स्थान बोरडी की ढाणी, मान्यावास, मानसरोवर तहसील सांगानेर, जयपुर
मृतक रामचन्द सैनी सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 2.2.22
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम रामचन्द सैनी पुत्र सीताराम सैनी जाति माली निवासी 69, तौजा विहार, मान्यावास, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 02 माह 02 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 20 माह 12 सन् 2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

खोया पाया

मकान नम्बर 65/176 एलआईजी का मूल अदेय प्रमाण पत्र गिर गया है। मिलने पर सूचित करें। सुनील नागर- मो. 6367644689

मैं मुकेश कुमार जैन पुत्र श्री दशरथ कुमार जैन पता-3च17, सेक्टर-3, जवाहर नगर, जयपुर। मेरे प्लॉट नं. 30ए, मां हिंगलाज नगर सी, गांधी पथ, जयपुर के मूल दस्तावेज कहीं गिर गए है। मिलने पर सूचित करें। मो. 9214820897

मकान 173/261 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का ओरिजनल अलाटमेन्ट लैटर, पजेशन लैटर, भौतिक कब्जे कि प्रति, अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गये है मिलने पर सम्पर्क- जगदीश प्रसद बैरवा-9829284582

उदघोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
45/2021
विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ इडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
श्रीमती मन्जू अग्रवाल पत्नि सतीश कुमार जाति महाजन
विवाद स्थान- 79, रामनगर A, टोल टैक्स, टोंक रोड़, प्रताप नगर, जयपुर,
मृतक सतीश कु. अग्रवाल की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक 03.03.2022
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम सतीश कुमार अग्रवाल पुत्र दूलीचन्द जाति महाजन निवासी- 79, रामनगर ए, टोल टैक्स, प्रताप नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोवेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जाये।
अत: उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 03.03.2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 17.12.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
अपर जिला एवं सेशन न्यायालय संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-14550 दिनांक-18.01.2022
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना ने आवास संख्या 36/103 (HIG), (एरिया 144.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री विष्णु वल्लभ सुखवाल पुत्र श्री कन्हैया लाल सुखवाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 464 दिनांक 24.05.2002 को जारी किया गया। श्री विष्णु वल्लभ सुखवाल की मृत्यु दिनांक 24.01.2020 को हो जाने के कारण इनके उत्तराधिकारी पुत्र श्री अभिषेक सुखवाल पुत्र स्व. श्री विष्णु वल्लभ सुखवाल द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री अभिषेक सुखवाल पुत्र स्व. श्री विष्णु वल्लभ सुखवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, राजस्थान आवासन मण्डल
वृत प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत भगवतगढ पंचायत समिति
चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर (राज.)
क्रमांक/ग्रा.पं./2021-22/58 दिनांक 17.01.22
संशोधित ई-निविदा सूचना संख्या-01/2021
ग्राम पंचायत भगवतगढ में वित्तीय वर्ष 2021-22 में स्वीकृत निर्माण कार्यो हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति/ निर्माण उपकरण/ निर्माण मशीनरी सेवाओं इत्यादि हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
सरपंच, ग्राम पंचायत भगवतगढ, पं. स. चौथ का बरवाड़ा (स.मा.)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत भगवतगढ, पं. स. चौथ का बरवाड़ा (स.मा.)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जान जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जान जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	28773667	गृह ऋण	1. रीतिका जैन 2. दीपक प्रकाशचंद	05.01.2022	5,51,661.32/-	फ्लैट नं. ई.बी. 212, दूसरी मंजिल, टावर बी, सुपर बिल्ट अप ऐरिया 458.49 वर्गफिट तथा बिल्ट अप एरिया 349.20 वर्ग फिट, रिहायशी प्रोजेक्ट "गोविन्दम जयसिंहपुरा" खसरा नं. 682, 683, 685, 686, पार्ट-684, पार्ट-687, पार्ट-688/1147, ग्राम जयसिंहपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-अन्य भूमि, पश्चिम-अन्य भूमि, उत्तर-प्रस्तावित रोड-200' तथा अन्य भूमि, दक्षिण-रोड-60'
2	33014248	गृह ऋण	1. संजीव कुमार 2. हेमा गुर्जर	05.01.2022	22,30,402.44/-	रिहायशी प्लाट नं. 22, क्षेत्रफल 90 वर्गगज, अर्थात 75.25 वर्गमीटर, गोविन्द नगर एक्स, कालवाड रोड, हाथोज, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग तथा सीमायें है-पूर्व-अन्य प्लाट, पश्चिम-रोड 30 फिट चौड़ी, उत्तर-प्लाट नं. 23, दक्षिण-प्लाट नं. 21

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ एकीकृत हुआ हो वर्तमान में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ एकीकृत हुआ हो वर्तमान में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
दिनांक- 19.01.2022
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

डूंगरपुर में एसपी कार्यालय के कार्मिकों की करोना जांच हुई

मंगलवार को जिले में 96 नए करोना संक्रमित मिले

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में मंगलवार को 96 नए कोरोना पॉजिटिव केस आए है। शहर के साथ अब गांवों में भी कोरोना फैलने लगा हैं। 15 दिन में 990 केस मिले हैं। अब तक 28 6 मरीज रिकवर हुए है।

डूंगरपुर में राहत की बात है कि रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में भी उतना ही इजाफा हो रहा है। सीएमएचओ डॉ. पंकज कुमार खांट ने बताया कि मंगलवार को 96 नए पॉजिटिव केस आए हैं। मेडिकल कॉलेज के आईएलआई ओपीडी से सबसे ज्यादा केस आए है। शहर के हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री कॉलोनी, न्यू कॉलोनी, रामनगर, प्रतापनगर, आदर्शनगर कॉलोनियों से भी लोग संक्रमित मिले हैं।

जिले में समय-समय पर फ्रंट लाइन कार्मिकों के साथ अन्य लोगों की सैम्पलिंग का कार्य किया जा रहा है। एहतियात तोर पर सीएमएचओ कार्यालय, न्यायालय कार्यालय, कलेक्टेट कार्यालय व अन्य कार्यालयों के कार्मिकों की सैम्पलिंग करवाई गई थी। डॉ खाट ने यह भी बताया कि मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एतियात के रूप से 69 कार्मिकों के सैम्पल लिए गए। वही बुधवार को आईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज डूंगरपुर में स्टाफ के साथ छात्र-छात्राओ की सैम्पलिंग की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सैम्पलिंग करते स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक।

उदयपुर में मिले 677 पॉजिटिव, 403 रिकवर भी हुए

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में मंगलवार को 677 पॉजीटिव मिले है। जिले में 403 संक्रमित रिकवर हुए है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि संक्रमितों में शहरी क्षेत्र में मिले 494 में 77 कोरोना वॉरियर्स, 276 नए संक्रमित, 139 क्लॉज कांटेक्ट व 02 माइग्रेंट है।

ग्रामीण क्षेत्र में मिले 183 संक्रमितों में 31 कोरोना वॉरियर्स, 35 क्लॉज कांटेक्ट व 117 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंड़ा 62454 हो गया है। इनमें से 57632 रिकवर हो चुके है।

भीलवाड़ा तहसीलदार सहित चार को जयपुर एसीबी ने गिरफ्तार किया

दलाल के घर पर कार्यवाही करते जयपुर एसीबी की टीम।

आरोपी तहसीलदार

भीलवाडा, (निसं)। सूत्र सूचना के आधार पर जयपुर एसीबी की टीम ने भीलवाडा में प्रदेश की सबसे बडी कार्रवाई को अंजाम दिया है। भीलवाडा तहसीलदार, दलाल सहित रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। इस मामले में एसीबी ने घूस देने वाले युवक को भी गिरफ्तार किया है।

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की एस.यू प्रथम, जयपुर इकाई ए एस पी राजेंद्र नैन के नेतृत्व में विभिन्न टीमों सहित कार्रवाई करते हुये लालाराम यादव, तहसीलदार भीलवाडा, दलाल कैलाश धाकड और मनोज घाकड और रिश्वत देने वाले दीपक चौधरी के 4 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी ली गई। एएसपी नैन ने बताया की एक महत्त्वपूर्ण सूत्र सूचना मिलने पर ब्यूरो मुख्यालय द्वारा लालाराम यादव, तहसीलदार तहसील भीलवाडा एवं उसके दलाल कैलाश धाकड निवासी बिजौलिया पर गोपनीय निगरानी रखी गई। निगरानी से तहसील/उपखण्ड कार्यालय के राजस्व व अन्य मामलों में सांठ-गांठ कर रिश्वती राशि के लेन-देन का मामला बनना पाये जाने पर कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

सर्च के दौरान तहसीलदार यादव के आवास पर जमीनों से संबंधित कई दस्तावेज 5,37,000 की नकदी जबकि दलाल कैलाश धाकड के घर पर 12 लाख से अधिक रुपए की नगदी और प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले हैं। ब्यूरो की प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार लालाराम यादव, तहसीलदार भीलवाडा द्वारा अपने दलाल कैलाश धाकड, मनोज धाकड व पक्षकार दीपक चौधरी से सांठगांठ कर एक मामले में तीन लाख रूपये रिश्वती राशि स्वयं के भाई पूरणमल यादव निवासी सेवापुरा चाकसू के बैंक खाते में डलवाना सत्यापन से पाया गया।

तलाशी में लालाराम तहसीलदार के भीलवाडा स्थित निवास से 5 लाख 37 हजार रुपये नगद तथा उसके दलाल कैलाश धाकड के बिजौलिया निवास से 12 लाख रुपये से अधिक नकद राशि सहित कई महत्त्वपूर्ण दस्तावेज / साक्ष्य मिले हैं। प्रकरण में रिश्वत देने वाले, बिचौलिये दलाल व रिश्वत मांगने व प्राप्त करने वाले लोकसेवक, सभी के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य तलाशी में मिले हैं। एसीबी के महानिदेशक बीएल सोनी, अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन. के निर्देशन में विभिन्न टीमों द्वारा आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी जारी है। संदिग्धों के विरूद्ध दर्ज प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

पाली में मिले 569 करोना मरीज

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में मंगलवार को सुबह 300 सौ से ज्यादा और शाम तक 569 कोरोना मरीज मिले। बांगड़ अस्पताल में सर्दी जुकाम बुखार के मरीजों की कतारें लगी हैं। ऐसे मरीजों को 100 नंबर रूम में भेज आरपीटीसीआर की जांच हर मरीज की जांच करवाएगी। मंगलवार को 47 मरीज रिकवर हुए, रिपोर्ट आने के बाद पॉजिटिव लोगों को दवाई देकर घरों में रहने के निर्देश देते हैं। चिकित्सकों का कहना है कि करीब-करीब शहर वासियों को डबल दोज लग चुकी है इसलिए कोई खतरा नहीं है।

कोविड का असर: जोधपुर में दो की मौत, 801 संक्रमित मिले

- जोधपुर को 9 जोन में बांटा, मधुबन का क्षेत्र इन दिनों हॉटस्पॉट बना हुआ है
- 591 लोगों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज भी किया गया
- जोधपुर में संक्रमण की दर 40.03 बताई जा रही है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में मंगलवार को दो कोरोना संक्रमितों की मौत हो गई। वहीं आज संक्रमितों का आंकडा आठ शतक के ऊपर रहा। आज 801 संक्रमित मिले। 591 लोगों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज भी किया गया। शहर में लोग कोरोना की तीसरी लहर में संक्रमण को हल्के में ले रहे हैं। बाजारों में वैसे ही भीड़ जुटाते नजर आ रहे हैं। सावों की धूम के चलते लोग बाजारों में भीड करते नजर आ रहे हैं।

शहर में कोरोना संक्रमण की दर का ग्राफ तेजी से चढता नजर आ रहा है। 10 जनवरी को संक्रमण की दर 18.21 थी वहीं अब बढकर सात दिनों में दुगुनी से भी ज्यादा हो गई है। जोधपुर में संक्रमण की दर 40.03 बताई जा रही है। सात दिनों में दर 22 फीसदी बढ गई। शहर को कोरोना के लिहाज से 9 जोन में बांटा गया है। इसमें से मधुबन का क्षेत्र इन दिनों हॉटस्पॉट बना हुआ है। इस क्षेत्र में कुडी भगतासनी, और झालामंड का एरिया आता है। यहां अब तक कुल संक्रमितों का 22 प्रतिशत संक्रमित यानी 1552 संक्रमित अकेले मधुबन में मिल चुके है।

टोंक में 121 नये करोना पॉजिटिव मिले

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय सहित जिले में मंगलवार को आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 121 पॉजिटिव मरीज पाए गए है।

चिकित्सा विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को कोरोना जांच रिपोर्ट में 121 में से टोंक शहर 41, टोंक ग्रामीण 27, देवली 20, निवाई 22, मालपुरा 4, उनियारा 6, टोडारायसिंह 1 कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए गए हैं। अब जिले में 524 कोरोना पॉजिटिव केस हो गए हैं।

पहली निर्यात कंटेनर ट्रेन का शुभारंभ

अजमेर, (कासं)। भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकॉर) द्वारा मांडलगढ़ सीआरटी से पीपावा पोर्ट के लिये मंगलवार को पहली निर्यात कंटेनर ट्रेन का शुभारंभ पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता द्वारा विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। भारतीय कंटेनर निमग लिमिटेड के टर्मिनल प्रबंधक ने बताया कि इस दौरान कॉनकॉर के कार्यकारी निदेशक एरिया 1 कमल जैन एव मडल रेल प्रबंधक पंकज शर्मा व मुख्यालय पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी तथा माण्डगढ़ रेलवे स्टेशन पर सुनिल गुप्ता मुख्य महाप्रबंधक कॉनकॉर, मनोज जैन अपर मंडल रेल प्रबंधक कोटा, अजय कुमार पाल वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक कोटा डिपो प्रबंधक कोटा वैभव वर्मा एवं आयातक निर्यातक निर्यातक शिपिंग लाईंस सीएचए उपस्थित रहे।

आसाराम की सुनवाई अब 20 को

जोधपुर, (कासं)। आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम मामले में आज सुनवाई नहीं हो पाई। अब इसमें बीस जनवरी को सुनवाई हो पाएगी। पीड़िता के वकील पीसी सोलंकी को मंगलवार को इस मामले में बहस करनी थी, लेकिन तबीयत खराब होने के कारण वे पेश नहीं हो पाए। उनकी तरफ से कहा गया कि कुछ समय प्रदान किया जाए। न्यायाधीश संदीप व न्यायाधीश विनोद की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई दो दिन बाद करने का आदेश दिया।

भर्तियों में धांधली के विरोध में शौर्य चक्र विजेता जाखड़ अनशन पर बैठे

झुंझुनूं, (निसं)। रीट समेत सरकारी भर्तियों में हुई धांधली के खिलाफ सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट की नौकरी छोड़कर आवाज उठाने वाले शौर्य चक्र विजेता विकास जाखड ने कल से अपने गांव जाखडों का बास में आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनके साथ धरने पर कई युवा भी शामिल हुए।

वहीं सवाई माधोपुर से आई संजू भी अनशन पर बैठी है। बीती रात भी भयंकर सर्दी के बावजूद विकास जाखड़ और उनके साथियों ने अनशन स्थल पर ही रात बिताई। इस अवसर पर शौर्य चक्र विजेता विकास जाखड़ ने कहा कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों में धांधली व गड़बड़ी के लिए पूरा गिरोह काम कर रहा है। सरकार भर्तियों में धांधलियों से बच रही है। क्योंकि सरकार खुद इन गड़बड़ियों में शामिल है। रीट, एसआई या ग्राम सेवक, लाइब्रेरियन समेत अन्य परीक्षाओं में धांधली की गई। इससे लाखों युवाओं को नुकसान हो रहा है जो दिनरात इनकी तैयारी करते हैं।

उन्होंने कहा कि कहा कि युवाओं के साथ हो रहे अन्याय से आहत होकर ही वे अपने पद से इस्तीफा देकर युवाओं के हक की लड़ाई लड़ रहे है। उन्होंने कहा सरकारी भर्ती में हुई धांधली की जांच सीबीआई से कराने व इसकी रोकथाम के लिए एक कमेटी के गठन के लिए वे अनशन कर रहे है। सरकार के दमन से भी युवाओं के हक की आवाज दबने वाली नहीं है। प्रदेश के युवा इसमें जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि पुलिस दमन के मामले की जांच कराकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। सीकर से आए सुमित शर्मा ने कहा कि पिछले कुछ समय में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में जमकर धांधली हुई पेपर आउट हुए। इसका नुकसान मेहनती व ईमानदार युवाओं को हो रहा है। इससे युवाओं में आक्रोश है। मुकेश कुमार, सोनू लता मीणा सवाईमाधोपुर, योगेश जालौर समेत अनेक युवाओं ने सरकारी भर्ती में हो रही गडबड्डी की निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा इस मामले में विकास जाखड़ की बातों से सहमत है। धरने पर रूपसिंह, राजेश, अर्जुन, हरकेश आदि मौजूद थे।

असिस्टेंट कमांडेंट के पद से इस्तीफा देकर अनशन पर बैठे विकास।

दस हजार कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती होंगे, विज्ञापन जल्द

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर (अनुदेशक) के दस हजार पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन एक-दो दिन में जारी हो जाएगा। शिक्षा विभाग ने नियुक्ति प्रोसेस के अंतिम चरण के रूप में कर्मचारी चयन आयोग को रिक्वेस्ट भेज दी है। इसके बाद अब सीधे विज्ञापन जारी होना है। विभाग ने बेसिक व सीनियर कंप्यूटर के पदों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश भेजी है।

इसके तहत बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक पदों पर तथा वरिष्ठ कंप्यूटर अनुदेशक के 295 पदों पर भर्ती की आवश्यकता बताई गई है। टीएसपी एरिया के लिए बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के 888 पद होंगे, जबकि सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के 13 पद होंगे। अब इसी पत्र के आधार पर कर्मचारी चयन आयोग समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी करेगा। भर्ती एक परीक्षा के माध्यम से होगी, जिसका सिलेबस पहले ही जारी किया जा चुका है। साथ ही भर्ती के लिए योग्यता भी तय हो चुकी है।

प्रदेश के सभी स्कूलों में फिलहाल कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर नहीं पहुंच रहे हैं बल्कि सभी महात्मा गांधी स्कूलों में एक-एक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर जरूर पहुंच जाएगा। बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर की पोस्ट इन्हीं महात्मा गांधी स्कूलों को आवंटित की जाएगी। राज्य के सभी महात्मा गांधी स्कूल में एक-एक कंप्यूटर लैब भी स्थापित करने का प्लान चल रहा है। इसके अलावा प्रदेश के बड़े स्कूल में भी कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर दिए जाएंगे। ये सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर होंगे। लगभग सभी बड़े शहर व कस्बों में दो-तीन सीनियर इंस्ट्रक्टर के पद होंगे, जबकि शेष बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के पद होंगे।

शिक्षा विभाग का प्रयास होगा कि नए सेशन में महात्मा गांधी स्कूल में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर पहुंच जाएं। नया सेशन अगर अप्रैल में शुरू होता है तो ये मुश्किल प्रतीत हो रहा है।

- मार्च-अप्रैल में हो सकता है एग्जाम, विभाग ने कर्मचारी चयन आयोग को भेजी रिक्वेस्ट

राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन स्थगित

बीकानेर, (कासं)। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के चलते राज्यभर में होने वाले राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन स्थगित कर दिए गए है। अब 21 व 22 जनवरी को होने वाले सम्मेलन फिलहाल नहीं होंगे। सम्मेलन की नई तारीखें भी तय नहीं की गई है। इसके अलावा भी शिक्षकों के लिए दिशा निर्देश शुरू दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कानाराम ने राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। दो दिन के राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के कारण स्कूल में अवकाश था लेकिन अब इन दो दिनों में अवकाश भी नहीं होगा। सम्मेलन की नई तारीखें भी तय नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि अब कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने के बाद ही ये सम्मेलन हो सकेंगे। बच्चों के लिए पहले से स्कूल में अवकाश ही है लेकिन टीचर्स को अब स्कूल आना होगा। विभाग की ओर से पूर्व में भी एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें टीचर्स को कोरोना गाइड लाइन की पालना के निर्देश दिए गए हैं।

- कोरोना के चलते अब नए सत्र में होंगे सम्मेलन

आरटीपीसीआर सैंपल मामले में पीएमओ ने कार्मिकों के बयान लिये

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा से टोक भेजे गए आरटपीसीआर जांच के सैंपल के गबन मामले की जांच में मंगलवार को नया मोड आ गया। सीएमएचओ ने मामले में सैम्पल दोबारा से लिये जाने के लिए बीसीएमओ व सीएचसी प्रभारी को निर्देश दिये हैं तो अब मालपुरा सीएचसी सहित ब्लॉक के पीएचसी सेन्टरों पर तैयार की गई ऑनलाइन सूची से कार्मिक दुबारा आरटीपीसीआर लेने की तैयारी में जुट गये हैं।

टोंक पीएमओ बीएल मीणा ने मालपुरा सीएचसी के दो कार्मिक व बीसीएमओ कार्यालय में आरबीएस के टीम के वाहन चालक सहित टोंक लैब टैक्नीशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित कुल आधा दर्जन कार्मिकों के बयान कलमबद्ध कर सैम्पल गबन की जांच शुरू की है। सीएमएचओ यादव ने बताया कि अब तक के घटनाक्रम की गई जांच पड़ताल में मालपुरा बीसीएमओ डॉ. संजीव चौधरी की घोर लापरवाही सामने आई है। जिसमें बीसीएमओ ने इतनी बड़ी संख्या में संग्रह किये गये आरटीपीसीआर सैम्पलों को लैब टैक्नीशियन या जिम्मेदार कार्मिक के साथ भेजे जाने के बजाय एक वाहन चालक के साथ टोंक भेज एक सप्ताह तक उनकी रिपोर्ट नहीं मिलने के बावजूद टोंक पीएमओ से सम्पर्क साधना मुनासिब नहीं समझा।

सैम्पल गबन को लेकर राष्ट्रदूत के मुख पृष्ठ पर प्रमुखता से समाचार प्रकाशित होने के बाद जिला कलेक्टर व जिला चिकित्सा अधिकारी को मामले की भनक लगी। यादव ने बताया कि अब तक की जांच में संदेह के घेरे में आये मालपुरा के वाहन चालक घासी चौधरी व टोंक लैब टेक्नीशीयल को जल्द ही टर्मिनेट कर चार्जशीट दी जायेगी तथा मालपुरा बीसीएमओ की सामने आई लापरवाही की रिपोर्ट स्वास्थ्य निदेशालय व सरकार को भेजी जायेगी। घटनाक्रम में बयान लिये गये कर्मचारियों व अधिकारियों की कॉल डिटेल के साथ-साथ टोंक लैब के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

अलवर: बेटियों ने कलेक्टर निवास पर चस्पा किये फोन नम्बर

कलेक्टर निवास पर चस्पा की गई बेटियों के फोन नम्बर की सूची।

अलवर, (निसं)। 4 दिन पहले अलवर कलेक्टर नन्नूमल पहाडिया ने विरोध जताने आई छात्राओं से उनके पिता के नंबर पूछे और कहा था कि राजनीति करने आती हो या पढ़ने। मंगलवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के आवास पर कुछ मोबाइल नंबरों की सूची लगा दी। यह भी लिखा कि कलेक्टर महोदय ये नंबर उन बच्चियों के पिता के हैं, जो न्याय और सुरक्षा मांग रही हैं।

पिछले 3 दिनों से कलेक्टर आवास और कलेक्ट्रेट पर भी युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। एक तरफ पुलिस की नाकामी के खिलाफ विरोध जारी है। वहीं दूसरी तरफ कलेक्टर को इस बात के लिए घेरा जा रहा है कि नाबालिग के साथ हुई घटना के प्रति विरोध जताने पहुंची छात्राओं से कलेक्टर ने उनके पिता के नंबर मांगे। धमकी भरे लहजे में कहा कि पढने आती हो या राजनीति करने। उसके बाद से मामला तूल पकडता गया। अब तक विरोध जारी है।

कार्यवाहक तहसीलदार पर जांच दबाने का आरोप

टोंक, (निसं)। जिले की टोडारायसिंह नगर पालिका में एक निर्दलीय पार्षद द्वारा अपने संतान संबंधी झूठी घोषणा का शपथ पत्र देकर चुनाव जीत लिया। जिसकी शिकायत कस्बे के ओमप्रकाश, प्रभू, हेमेन्द्र सैनी, राहुल, अशोक, हीरा, रामदेव सहित दर्जनभर व्यक्तियों ने संभागीय आयुक्त व जिला कलेक्टर को 14 अक्टूबर को लिखित शिकायत की थी। संभागीय आयुक्त व जिला कलेक्टर ने इन समस्त दस्तावेजों की जांच के लिए उपखंड अधिकारी निर्वाचन अधिकारी को भेजकर सात दिवस में जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए।

उपखंड निर्वाचन एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने उक्त जांच तहसीलदार को सौंपते हुए शिकायत के साथ संलग्न दस्तावेजों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जांच अधिकारी तहसीलदार सीताराम लक्ष्कार ने उक्त संतान संबंधी दस्तावेज में जन्म तिथियों की जांच करने बजाए निर्दलीय पार्षद इस्लाम मोहम्मद से सांठ-गांठ कर अपनी स्वार्थसिद्ध करते हुए शिकायतकर्ताओं से दो-तीन व्यक्तियों को फोन पर समझाने का प्रयास कर उनको उक्त शिकायत को उठाने का दबाव बनाया। शिकायककर्ताओं ने मामले में कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका की जांच की मांग की है।

तेज सर्दी में भी खुले परिसर में ठण्डे फर्श पर बैठने को मजबूर बच्चे

भीण्डर के भोपाखेडा स्कूल का मामला, टीनशेड में चलती हैं कक्षाएं, ना खेल मैदान ना कक्षा-कक्ष

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर पंचायत समिति के भोपाखेडा गांव में सरकार ने 6 वर्ष पहले स्कूल क्रमोन्नत करके उच्च माध्यमिक विद्यालय बना दिया हैं लेकिन भवन आज भी प्राथमिक स्कूल जैसा है। जिसके चलते टीनशेड में कक्षाएं चल रही हैं और बच्चों को कडकडाती सर्दी में खुले और ठण्डे फर्श पर बैठना पड़ रहा है। वहीं खेलने के लिए मैदान भी नहीं है। विद्यालय भवन में वर्तमान में केवल 5 कमरे हैं जबकि 1 से 12 तक पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 243 है।

शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी केवल अपने नामांकन बढाने पर ध्यान देते हैं बच्चों के अनुकुल शिक्षा के वातावरण पर किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जाता है। शिक्षा विभाग को नये कमरे बनाने के लिए पत्र भेजा जा रहा है। लेकिन विभाग द्वारा इस विद्यालय को नये कमरे बनाने का बजट स्वीकृत नहीं कर रही है।

प्रकाश कुमार, विद्यार्थी का कहना है कि हमारे विद्यालय में कक्षा-कक्ष नहीं होने की वजह से सर्दी, गर्मी, बरसात में टीनशेड में खुले में बैठना पडता है। इससे परेशानी होती हैं विद्यालय में कमरे बन जाएं तो हम भी कमरों में बैठ करके आराम से पढ सकें हमारे यहां तो फर्नीचर भी नहीं है।

किशनलाल अहीर का कहना है कि हमारा विद्यालय प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक पहुंच गया, लेकिन भवन आज भी प्राथमिक स्कूल जैसा ही है। यहां तो बैठने के लिए कमरे तक भी नहीं है। खेलने के लिए मैदान भी नहीं है। मुकेश टांक, प्रधानाचार्य राजकीय उमावि भोपाखेडा का कहना है कि हमारे यहां सबसे बडी समस्या हैं कक्षा-कक्ष की, वर्तमान में केवल 4 कमरे ही उपलब्ध हैं। स्टॉफ के साथियों ने राशि एकत्रित करके टीनशेड लगवाया ताकि बच्चों को सुविधा मिल सके। विभाग में कई बार पत्र भेज चूके हैं लेकिन कोई स्वीकृति नहीं मिल रही है।

महेन्द्र जैन, सीबीईओ भीण्डर का कहना है कि भोपाखेडा विद्यालय में कमरों की कमी हैं, इसके लिए प्रस्ताव बनाकर भेज रखें है। बजट स्वीकृत होने पर कक्षा-कक्ष का निर्माण हो सकेंगा। भीण्डर ब्लॉक में जिन विद्यालयों में कक्षाकक्षों की कमी हैं उनको प्राथमिकता पर लेकर हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।

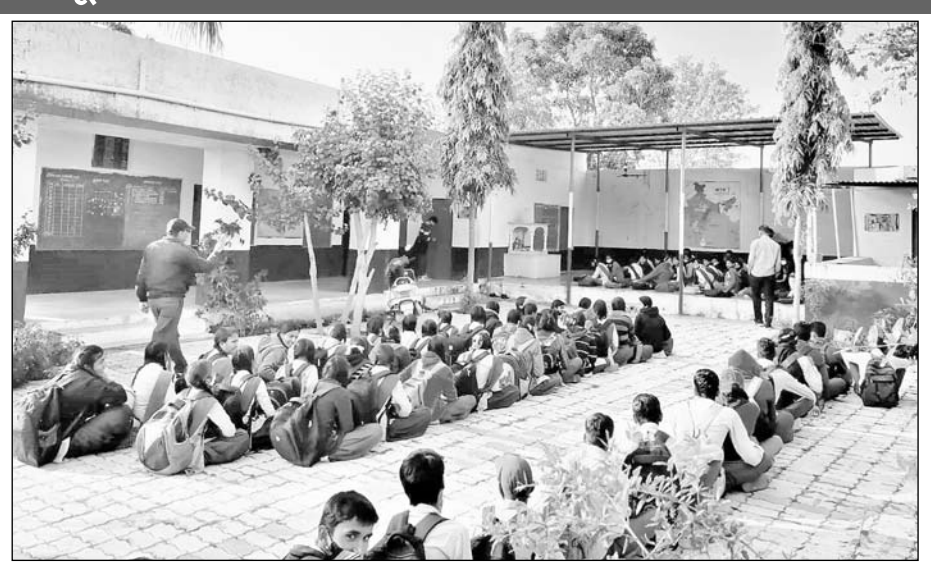

भीण्डर के भोपाखेडा गांव के उच्च माध्यमिक स्कूल में बाहर खुले में प्रार्थना करते बच्चे।

- भोपाखेड़ा गांव में सरकार ने 6 वर्ष पहले स्कूल क्रमोन्नत कर उच्च माध्यमिक विद्यालय बना दिया था

सड़क सीमा में बनी 9 दुकानों और दो अवैध कॉलोनियों पर गरजा जेडीए का बुलडोजर

कालवाड़ रोड पर खंडाका हॉस्पिटल के सामने ''राधा विहार-5'' और सरदारपुरा गांव में ''रामेश्वर धाम'' के नाम से 4-4 बीघा कृषि भूमि पर काटी गई थी अवैध कॉलोनी

जयपुर (कासं)। जेडीए के बुलडोजर मंगलवार को सड़क सीमा में बनीं 9 अवैध दुकानों और दो अवैध कॉलोनियों में गरजा। कालवाड़ रोड पर खंडाका हॉस्पिटल के सामने ''राधा विहार-5'' तथा सरदारपुरा गांव में ''रामेश्वर धाम'' के नाम से अवैध कॉलोनी काटी गई थी। जल्द ही यहां प्लॉट बेचकर बिल्डर फरार होने की फिराक में थे। दोनों कॉलोनियां 4-4 बीघा कृषि भूमि पर काटी गई थी।

जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि हाथोज-लालचंदपुरा लिंक रोड पर पीथावास में खसरा नम्बर 213/3 में रातोंरात टीनशैड डालकर 9 अवैध दुकानें बना ली गई थी। जो कि प्रस्तावित 60 मीटर सेक्टर रोड की सीमा में थी। इन्हें गत 10 जनवरी को नोटिस देकर अवैध निर्माण हटाने को कहा था, इसके बावजूद दुकानों पर टीनशैड और शटर डाल लिया गया था। इस पर मंगलवार को जेसीबी की मदद से इन्हें ध्वस्त किया है।

इसी प्रकार कालवाड़ रोड पर ही खंडाका हॉस्पिटल के सामने करीब 4 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर ''राधा विहार-5'' के नाम से अवैध आवासीय कॉलोनी तैयार करके यहां ग्रेवल रोड व निर्माण कार्य कर लिये गये थे। पहले भी दो बार यहां पर अवैध निर्माण ध्वस्त किये जा चुके है, इसके बावजूद भूमाफिया पुन: निर्माण कर लेते है। मंगलवार को इस अवैध कॉलोनी में बनी ग्रेवल रोड, बाउण्ड्रीवाल, मकान व अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया है। इसी प्रकार रोज दा रोड ग्राम सरदारपुरा में भी करीब 4 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर ''रामेश्वर धाम'' के नाम से अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के लिए निर्माण कर लिये गये थे, इन्हें भी हटाया है। काश्तकार ने ना तो भू-रूपांतरण कराया और ना ही कॉलोनी बसाने की कोई इजाजत जेडीए से ली थी। ऐसे में अब दोनों निजी खातेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जोन उपायुक्त-12 को पत्र लिखा गया है। अवैध कॉलोनी बसाने वाले वाली सोसायटी के खिलाफ कार्रवाई के लिए सहकारिता रजिस्ट्रार को पत्र लिखा जायेगा। इसके अलावा न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन के पास भी द्रव्यवती नदी के किनारे 40 फीट सैक्टर रोड सीमा में आ रहे करीब 2 किलोमीटर तक 6 टीनशैडनुमा कमरे, 3 कोठरी, 3 बाउण्ड्रीवाल, पिल्लर, लोहे-लकड़ी की 6 थड़ियों समेत कई अवैध निर्माण हटाये गये है।

जेडीए टीम ने मंगलवार को हाथोज-लालचंदपुरा लिंक रोड पर सड़क सीमा में बनी 9 दुकानों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया।

- बिल्डरों ने ना तो कृषि भूमि का रूपांतरण करवाया और ना ही जेडीए से कोई परमिशन ली, फिर भी 4-4 बीघा जमीन पर काट रखी थी यह कॉलोनियां

लैब मालिक ने महिला कर्मचारी की अस्मत लूटी

जयपुर (कासं)। शास्त्रीनगर थाना इलाके में एक मालिक ने महिला कर्मचारी की अस्मत लूटी। जब युवती ने जॉब छोड़ दी तो वह उसे मिलने के लिए धमकाने लगा। बात नहीं मानने पर आरोपी ने युवती के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि 24 वर्षीया पीड़िता शादीशुदा है। वह वैशाली नगर में किराए से रहती है। उसका आरोप है कि साल 2019 में इलाके में रॉयल हाउस, शास्त्रीनगर शॉपिंग सेंटर स्थित सेफ लैब एंटरप्राइजेज में काम करती थी। कंपनी का मालिक शंकर शर्मा है, जोकि शाम को छुट्टी होने के बाद कार्यालय में रोककर दुष्कर्म करता था। वह तभी से देहशोषण करता आ रहा है। कुछ दिन पहले पीड़िता ने इसका विरोध किया तो शंकर शर्मा ने उसकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। पीड़िता के बयानों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मेडिकल कराया गया है। वहीं मामले की जांच की जा रही है।

वहीं सांगानेर थाना पुलिस ने 16 वर्षीया किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपित शैतान मीणा उर्फ़ टिल्लू (24) गांव सूरवाल जिला सवाई माधोपुर का रहने वाला है।

20 महीनों से बंद मुहाना मंडी का गेट लाहोटी ने खुलवाया

मंडी समिति ने बंद किया था गेट नं. 2, आवाजाही थमने से कई कॉलोनियों के लोग और मजदूर-किसान परेशान थे

मुहाना मंडी में गेट नंबर 2 पर ताला जड़ देने के विरोध में मंगलवार को स्थानीय पार्षद और लोगों ने प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे विधायक अशोक लाहोटी ने मंडी समिति से बात करके ताला खुलवाया।

जयपुर (कासं)। सांगानेर क्षेत्र की मुहाना मंडी में गेट नंबर 2 पर ताला जड़ देने को लेकर मंगलवार को स्थानीय पार्षद और लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे विधायक अशोक लाहोटी ने मंडी समिति से बात करके ताला खुलवाया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंडी समिति ने गेट नंबर 2 पर ताला लगाकर आवाजाही बंद कर दी थी। यह गेट कीरो की ढाणी, हाजावाला आदि कॉलोनियों की ओर खुलता है। करीब 20 महीनों से गेट पर ताला लगा होने के चलते स्थानीय लोगों के साथ ही मजदूर और किसान परेशान हो रहे थे। आमजन को 2 से 3 किलोमीटर लंबा चक्कर कटाकर मुहाना मंडी आना पड़ता था। गेट का ताला खुलवाने के लिए स्थानीय लोग और वार्ड 91 पार्षद कई बार मंडी समिति पदाधिकारियों से बात कर चुके थे, लेकिन उन्होंने बात नहीं मानी। जिसके बाद मंगलवार को गेट खुलवाने की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी मौके पर पहुंचे। लाहोटी ने मंडी समिति के पदाधिकारियों से गेट का ताला खुलवाने को लेकर समझाइश की। मुहाना फल-सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष राहुल तंवर ने बताया कि मंडी समिति ने सुरक्षा को देखते हुए गेट पर ताला लगाया था। विधायक से समझाइश के बाद निर्णय लिया गया कि गेट नं. 2 का बड़ा गेट सुबह 3 से 10 बजे तक और छोटा गेट 24 घंटे खोला जाएगा। सुरक्षा को लेकर यहां गार्ड तैनात किए जाएंगे।

- कीरो की ढाणी और हाजावाला समेत कई कॉलोनियों के लोगों को 2-3 कि.मी. चक्कर काटकर मंडी में आना पड़ता था

जयपुर में करोना से फिर दो लोगों की मौत हुई

जयपुर। राजधानी जयपुर में मंगलवार को थोड़ी और वृद्धि के बाद 2358 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा वैशाली नगर और सोडाला में 99-99 नए मरीज पाए गए हैं। हालाकि इस बीच जिले में करोना से फिर दो लोगों की मौत हो गई है।

जयपुर में मंगलवार को करीब 100 इलाकों में नए संक्रमित मिले है। इसमें सबसे ज्यादा 99-99 मरीज वैशाली नगर और सोडाला इलाके में सामने आए हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 78, जवाहर नगर में 75, झोटवाड़ा में 72, गोपालपुरा में 71, सी स्कीम में 67, विद्याधर नगर में 62, प्रतापनगर में 59, टोंक रोड इलाके में 58, जगतपुरा में 54 और सीतापुरा में 51 नए संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही आज 40 ऐस मरीज मिले है जिन्होंने अपना नाम व पता गलत बताया है।

इस बीच जिले में 2346 मरीज ठीक हुए हैं। मंगलवार को रिकवरी में सुधार होने से एक्टिव केस घटकर 19 हजार 686 रहे गए हैं। हालाकि राजधानी में मंगलवार को करोना से 2 और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही इस बीमारी अब तक जिले में 1990 लोगों की मौत हो चुकी है।

- सबसे ज्यादा वैशाली नगर और सोडाला में 99-99 नए मरीज पाए गए हैं।

राजस्थान सरकार दलितों, महिलाओं और वंचितों को सुरक्षा देने में असफल रही है : सतीश पूनिया

'गैंगरेप, महिला अत्याचार के ऐसे वीभत्स कांड को देखते हुए गृह मंत्री होने के नाते अशोक गहलोत पूर्ण रूप से जिम्मेदार'

जयपुर। अलवर में नाबालिग बच्ची के साथ हुई बर्बरता मामले को लेकर भाजपा का विरोध-प्रदर्शन जारी है। पिछले दो दिन से प्रदेश के 1100 मंडलों पर विरोध-प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया।

भाजपा द्वारा अलवर में हुए निर्भया कांड को लेकर पूर्व में हुए आंदोलन के समय पहले ही राज्य सरकार को चेतावनी दी गई थी कि यदि दो दिन में अलवर गैंगरेप के आरोपियों को नहीं पकड़ा गया तो भाजपा द्वारा बड़े आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके चलते आज भाजपा जयपुर शहर द्वारा शहर के 33 मंडलों और राजस्थान के 1100 मंडलों में कोरोना गाइडलाइन का ध्यान रखते हुए राज्य सरकार के खिलाफ कहीं पर पुतला दहन विरोध प्रदर्शन और आंदोलन किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा तीन वर्षों में जब से राज्य में कांग्रेस की सरकार है अपराधों की गति बढ़ती ही जा रही है। जिस राज्य में पूर्ण रूप से शांति रहती थी उसको राज्य की गहलोत सरकार ने अपराधों की राजधानी बना दिया है। पूनिया ने कहा ऐसा कांड सिर्फ अलवर में ही नहीं बल्कि कई जगह, कई जिलों में उदयपुर, जालौर, भीलवाड़ा और अन्य कई बार दर्ज किए गए हैं। शहर अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा आखिरकार फाइनली राज्य की कांग्रेस सरकार फेल हो गई है। मुख्यमंत्री यदि आपसे गृह मंत्री का पद नहीं संभलता है तो इस्तीफा दे दीजिए। इसके तहत मंगलवार को जयपुर शहर में भी विरोध-प्रदर्शन हुए। हालांकि यहां भी पार्टी की अंदरूनी खींचतान की बानगी साफ तौर पर नजर आई।

शहर भाजपा की ओर से जवाहर नगर स्थित मामा की होटल पर धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया इसमें शामिल हुए। लेकिन आदर्श नगर के पूर्व विधायक अशोक परनामी और उनके गुट के लोगों ने कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। परनामी ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम के लिए न्यौता नहीं दिया गया। अगर बुलाते तो जरूर आता। परनामी को न्यौता नहीं देने के मामले में शहर भाजपा अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा कि मैंने तो मंडल अध्यक्ष को सूचना दे दी थी। सभी मंडलों पर अलग-अलग स्तर पर मंडल अध्यक्षों को आंदोलन करना था। हालांकि कार्यकर्ताओं में यही चर्चा है कि क्या राघव शर्मा और परनामी में कोई संवाद नहीं है? यह पहला मामला नहीं है। सोमवार को भी मालवीय नगर में भाजपा शहर युवा मोर्चा का हस्ताक्षर अभियान था। इसमें भी विधायक कालीचरण सराफ और महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा को न्यौता नहीं दिया गया। दोनों की टीम से जुड़े नेता इस प्रदर्शन से नदारद नजर आए थे।

अलवर में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना देकर राज्य सरकार का विरोध जताया।

- आदर्श नगर के जवाहर नगर मंडल में विरोध-प्रदर्शन, मगर अशोक परनामी ने बनाई दूरी, बोले मुझे नहीं बुलाया गया

महापौर पर सफाई कर्मचारियों को डराने-धमकाने का आरोप

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम में सफाई कर्मचारियों और मेयर मुनेश गुर्जर के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। क्योंकि सफाई कार्मिकों ने अपनी मांगों को लेकर 20 जनवरी को हड़ताल और विरोध करने का ऐलान कर दिया है। इसी बीच संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने आरोप लगाया है कि मेयर मुनेश गुर्जर ने मंगलवार को सफाई कर्मचारियों, स्वास्थ्य निरीक्षक और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों को डरा-धमकाकर हड़ताल में शामिल नहीं होने के लिए कहा है। यहां तक कि इन कार्मिकों को नौकरी खतरे में पड़ने का डर तथा कई तरह का प्रलोभन दिया जा रहा है। डंडोरिया का कहना है कि कुछ कार्मिकों ने इस बारे में उन्हें शिकायत दी है, मेयर मुनेश गुर्जर की यह हरकत बेहद निंदनीय है। मेयर सफाई कर्मचारियों की जायज मांगें पूरी करने के बजाय वन टायर सिस्टम लागू करना चाह रही है, लेकिन सफाई कर्मचारी एकजुटता दिखाएंगे। हमारी मांग है कि किशनपोल जोन में कर्मचारियों का स्थानांतरण रुके, ऑफिसों में लगे कर्मचारी सफाई के कार्य पर जाएं। बीवीजी से टर्मिनेट वाल्मीकि समाज के युवकों को रोजगार मिले।

सार-समाचार

लावारिस महिला का पुनर्वास करवाया

जयपुर। हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ने मंगलवार को खासा कोठी स्थित रैन बसेरे के पास 5 दिन से रह रही लावारिस विमंदित महिला की फरियाद सुन अधिकारियों को तत्काल स्थाई पुनर्वास करने के निर्देश दिए। महापौर को लावारिस महिला की आसपास के लोगों व रैन बसेरे के कमचारियों से जानकारी मिली थी। इस पर तत्काल महापौर ने संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को लावारिस महिला की चिकित्सा व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के साथ विमानदित गृह में शिफ्ट करने के निर्देश दिए। जिसके बाद स्वास्थ्य सलाहकार अमिताभ कौशिक व उपायुक्त अनीता मित्तल ने तत्काल चिकित्सा वेन मंगवाकर स्थानीय थाने के सहयोग से महिला का स्वास्थ्य परीक्षण कर स्थाई पुनर्वास की कार्रवाई शुरू की गई। वहीं दूसरी ओर दोनों पैरों से दिव्यांग विजय कृष्ण शर्मा की ऑफिस के बाहर आकर समस्या सुनी। शर्मा त्रिपोलिया बाजार के रहता है और मकान बनाने की अनुमति लेने के लिए आवेदन पत्र देने आए थे।

जगतपुरा में चार संपत्तियां कुर्क

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम के जगतपुरा जोन ने मंगलवार को यूडी टैक्स बकायादारों पर कार्यवाही करते हुए चार सम्पत्तियों पर कुर्की की कार्रवाई की। उपायुक्त ममता नागर ने बताया कि 4 सम्पत्ति धारकों पर 2 लाख 97 हजार 345 रुपए का नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) बकाया चल रहा था। बकायदारों को नोटिस देने के बावजूद भी उन्होंने टैक्स जमा नहीं करवाया। इसके चलते मंगलवार को कुर्की की कार्यवाही की गई। इस दौरान एक सम्पत्ति धारक ने कुर्की की कार्यवाही के दौरान तथा अन्य 3 ने कुर्की के बाद जोन कार्यालय में बकाया राशि जमा करवा दी।

संपत्तियां नीलाम करेगा ग्रेटर निगम

जयपुर। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहा ग्रेटर नगर निगम अपनी संपतियों को नीलाम करके राजस्व अर्जित करने में जुटा हुआ है। जानकारी के अनुसार ग्रेटर निगम जल्द ही शहर की प्राईम लोकेशनों पर आवासीय व व्यावसायिक भूखण्डों, दुकानों एवं कियोस्क की ई-नीलामी करेगा। जिसमें वर्ल्ड ट्रेड पार्क के पास जेएलएन मार्ग पर निर्मित 72 दुकानें और 10 कियोस्क, गांधी विहार योजना खोकावास एयरपोर्ट के पास 12 आवासीय भूखंड तथा गांधी एनक्लेव योजना सिवाड़ सिरसी रोड पर 26 आवासीय भूखण्ड और 2 व्यावसायिक भूखण्ड की ई-नीलामी एक फरवरी से शुरू करेगा।

संस्कृत विवि. का दीक्षांत समारोह आज

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह 19 जनवरी को होगा। कुलपति डॉ. अनुला मौर्य ने बताया कि दीक्षांत समारोह राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में होगा। समारोह में राज्यपाल 16 हजार 851 डिग्रियों का वितरण करेंगे। प्रतिभावान विद्यार्थियों को 30 स्वर्ण पदक प्रदान करेंगे। संस्कृत भाषा में महिलाओं की भागीदारिता बढ़ाने के लिए पहली बार शुरु किए गए प्रो. बी.पी. मौर्य पुरस्कार एवं सागरमल जूनीवाल पुरस्कार भी समारोह के दौरान दिए जाएंगे। शैक्षणिक सत्र 2019 की 8629 एवं 2020 की 8222 डिग्रियों का वितरण होगा। शैक्षणिक सत्र 2019 के 15 एवं 2020 के 15 स्वर्ण पदक विद्यार्थियों को प्रदान किए जाएंगे। पुरातन शास्त्र में शोध कर चुके 23 शोधार्थियों को भी राज्यपाल विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान करेंगे। समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र दीक्षांत भाषण प्रदान करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला होंगे।

कैंसर जागरुक का पोस्टर जारी

जयपुर, (का.सं.)। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर की ओर से मंगलवार को सरवाईकल कैंसर जागरूकता विषय पर पोस्टर जारी किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश की ओर से जारी इस पोस्टर के जरिए सरवाईकल कैंसर के जांच, पहचान और उपचार के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर चिकित्सालय की वरिष्ठ उपाध्यक्षा अनिला कोठारी, चिकित्सालय के अधिशाषी निदेशक मेजर जनरल एस.सी. पारीक और कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ निधि पाटनी भी मौजूद थी। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि पोस्टर के जरिए आमजन तक इस कैंसर के बारे में जागरूकता पहुंचाने का प्रयास बहुत ही सराहनीय है। चिकित्सालय की ओर से कैंसर उपचार प्रदान करने के साथ ही इस रोग के बचाव और शुरूआती स्तर में पहचान के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जागरूकता के इस मिशन में चिकित्सालय के साथ हूं। इस मौके पर कैंसर केयर की अध्यक्षा अनिला कोठारी ने बताया कि महिलाओं में होने वाले स्तन और सरवाईकल कैंसर की पहचान के लिए चिकित्सालय की ओर से प्रतिमाह निशुल्क जांच कैंप आयोजित किया जाता है।

'अब क्या जिन किसानों की जमीन नीलाम हुई, उनकी रोजी-रोटी चलाएंगे राहुल?'

जयपुर। राजस्थान में किसानों की कर्जमाफी को लेकर एक बार फिर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सवाल पूछे हैं। शेखावत ने पूछा कि कहां गए किसानों की कर्जमाफी का वादा करने वाले राहुल गांधी और अशोक गहलोत?

थानागाजी में बकाया न चुकाने पर छह किसानों की जमीन नीलाम होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि ये नीलामी कांग्रेस की नीतियों का नतीजा है। अब क्या राहुल इन किसानों की रोजी-रोटी चलाएंगे? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जमीन और कर्जमाफी पर कांग्रेस पर भरोसा कभी न करें। ये नामदार लोगों की पार्टी है जमीन के जिसके खेल छिपे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये सत्ता में आकर किसानों की जमीन भूमाफिया और रिश्तेदारों के लिए हड़पते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में धोखे के बाद इनके झूठे वादों का पुलिंदा पंजाब के किसानों के लिए तैयार है।

- थानागाजी में छह किसानों की जमीन नीलाम होने पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूछे तीखे सवाल

सीटें कम तो छात्रों की इंजीनियरिंग में ब्रांच बदली, आयोग ने कॉलेज पर लगाया हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग प्रथम ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सीटें कम होने की वजह से छात्रों की ब्रांच बदलकर सिविल इंजीनियरिंग करने के मामले में रीजनल कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक व अन्य पर ढाई लाख रुपए का हर्जाना लगाते हुए दस हजार रुपए परिवाद व्यय के अतिरिक्त अदा करने को कहा है। आयोग ने यह आदेश विपिन कुमार व अन्य के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि उन्होंने सितंबर 2011 में तीस हजार रुपए जमा करवाकर इंजीनियरिंग की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लिया था। इसी ब्रांच की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने मिड टर्म की परीक्षा भी दी, लेकिन राजस्थान तकनीकी शिक्षा बोर्ड, जोधपुर में उनकी ब्रांच को मैकेनिकल की जगह सिविल इंजीनियरिंग की दिखाई। परिवाद में आरोप लगाया गया कि प्रवेश पत्र बदलकर उनके हस्ताक्षर भी फर्जी किए गए हैं। वहीं कॉलेज प्रशासन की ओर से कहा गया कि मामला उपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आता है। यदि परीक्षा फार्म में गलत ब्रांच दर्ज हो गई तो उसे बोर्ड के सामने उठाना चाहिए था और उन्हें भी पक्षकार बनाना चाहिए था। परिवादी ने जानबूझकर एक हजार रुपए का डीडी जमा नहीं कराया, जिसके चलते वे परीक्षा में नहीं बैठ सके। ऐसे में उन्होंने बनावटी परिवाद दायर किया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद आयोग ने कॉलेज पर हर्जाना लगाया है।

तत्परता-संवेदनशीलता से काम करे पुलिस : सीएम

'पीड़ित को हर हाल में न्याय दिलाना हो उद्देश्य'

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और अपराधों की प्रभावी रोकथाम राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधिकारी इस दिशा में पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ काम करें। पुलिस का प्रयास हो कि किसी भी अपराध में कम से कम समय में गहनता से तफ्तीश हो और अपराधी को सजा एवं पीड़ित को जल्द से जल्द से न्याय मिले। पुलिस अपना काम बिना किसी दबाव के निष्पक्षता और सकारात्मक सोच के साथ करे।

गहलोत मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से गृह विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस की कार्यशैली को आधुनिक, पब्लिक फ्रेंडली एवं प्रो-एक्टिव बनाने के उद्देश्य से थानों में स्वागत कक्ष, महिला अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी अनुसंधान के लिए हर जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद का सृजन, अनिवार्य एफआईआर रजिस्ट्रेशन, जघन्य अपराधों के लिए अलग इकाई का गठन, महिला एवं बाल डेस्क का संचालन, सुरक्षा सखी, पुलिस मित्र, ग्राम रक्षक, महिला शक्ति आत्मरक्षा केंद्र जैसे नवाचार किए गए हैं। इनका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। गहलोत ने इस पर संतोष जताया कि महिला अपराधों पर प्रभावी रोकथाम की दिशा में कार्य करते हुए पुलिस ने वर्ष 2021 में पॉक्सो एक्ट के 510 प्रकरणों में अपराधियों को सजा दिलवाई है, जिनमें से 4 प्रकरणों में मृत्यु-दण्ड तथा 35 प्रकरणों में आजीवन कारावास की सजा मिली है। गहलोत ने कहा कि यह संतोषजनक है कि प्रदेश में अनिवार्य एफआईआर रजिस्ट्रेशन की नीति के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2018 में दुष्कर्म के 30 प्रतिशत से अधिक मामले कोर्ट के इस्तगासे के माध्यम से दर्ज होते थे, इनकी संख्या घटकर अब 16 प्रतिशत रह जाना यह बताता है कि हमारी नीति सफल रही है।

मुख्यमंत्री ने दबंगों द्वारा बिंदोरी के दौरान दूल्हे को घोड़ी से उतारने, पुलिस हिरासत में मौत, क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटियों द्वारा ठगी व गिरोहों के द्वारा संगठित अपराधों के मामलों में प्रभावी कार्रवाई करें। गहलोत ने कहा कि पुलिस कार्मिकों को पदोन्नति सहित अन्य सेवा लाभ समय पर मिलें। गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव और अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह अभय कुमार ने बताया कि आईपीसी के लंबित प्रकरणों के मामले में राजस्थान का प्रतिशत राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले काफी कम रहा है। पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने बताया कि संगठित अपराधियों, माफियाओं आदि पर भी शिकंजा कसने में पुलिस को सफलता मिली है। एडीजी आरपी मेहरड़ा, अशोक राठौड़ स्मिता श्रीवास्तव, सुनील दत्त, एस सेंगाथिर ने नवाचारों, उपलब्धियों, चुनौतियों एवं विभागीय गतिविधियों के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

मिशन कम्पाउंड कॉलोनी में सड़क धंसी

चौमूं हाऊस सर्किल के नजदीक मिशन कम्पाउंड की आवासीय कॉलोनी में सड़क के बीच में बड़ा गढ्ढा बन गया है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में सीवरेज लाइनें बेहद पुरानी है, जो कि जगह-जगह से जर्जर है। ऐसे में यहां आये दिन मिट्टी कटाव होने से सड़क धंसने जैसी स्थिति बनती है। पिछले वर्ष भी ऐसा ही बड़ा गढ्ढा चौमूं हाउस सर्किल पर हुआ था, जिसमें एक टैक्सी गिर जाने से उसमें सवार युवती घायल भी हो गई थी। हालांकि ऐहतियात के तौर पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर यहां आवाजाही बंद कर दी है, लेकिन कॉलोनी के लोगों में दहशत व्याप्त है। फोटो-राष्ट्रदूत

International Creativity Month

Never underestimate the power and importance of creativity in your life, or in business for that matter. While sometimes doing what's familiar work best, it's important to remember that thinking outside the box is just as important (if not more important) than simply following established procedure. After all, new problems require new solutions, and in fields like various forms of media and design, creativity is paramount to success. Perhaps you should definitely acknowledge the creativity around you during International Creativity Month.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
19 January 2022
A-B

#ART-EXHIBITION

Understanding Gaze Through Evocative Sculptures

The 5-day solo exhibition of LN Naga's sculptures at Jawahar Kala Kendra, 'Gaze: Every Stare is an Event' explores the nuances of the male gaze and objectification of women. The exhibition is on till 19th of January.

The Ramp

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

If one visited the Sukriti Art Gallery at Jawahar Kala Kendra over the last five days, it would have been impossible to leave without introspecting the reason for the despicable way women are treated in our society. Not only in terms of the atrocious crimes committed against them but also as everyday victims of the atrocious male gaze. The 5-day ongoing exhibition of LN Naga's sculptures, 'Gaze: Every Stare is an Event', poignantly explores this theme through as many as eighteen evocative artworks. "Art does not get created in a vacuum, but society generates art out of an artist. I am a member of this society, and my observations were inside the fortress-palace of Amber prior to Sawai Jai Singh II's own times, the Maharaja probably took inspiration, both from his ancestral Amber and from the architecture of various parts of the Indian sub-continent that he became familiar with in his long military and administrative career, when he made his new city of Jaipur.

Artist LN Naga

tions propelled me to bring the daily human and social struggles of a woman in my works. Crime against women is the foremost issue for contemporary India and this is what I have tried to showcase through this exhibition", says the artist.

LN Naga works with materials as diverse as metal, stone, and terracotta. However bronze is the artist's preferred medium, as it gives him the advantage of exploring the relationship of heaviness and delicacy, which further suggests the paradox of the world: fragile yet everlasting. "The female figure is my primary form as a woman's body is the targetted object by the male mentality and victim of the male gaze. Being a male, I try to find answers from the side of the criminal community. As gender and sexuality are the principal reasons for discrimination, I bring symbolism of leaf and banana fruits for the sexual organs. My female forms are voluptuous as they represent gender objectification and widespread voyeurism," shares Naga.

On being asked if one can really make a difference to these problems in the society with art, Naga points out: "Art can lead to questionings and discussions. It provides me with the most inventive ways of presenting crucial issues to the viewers and I have faith that it will gradually lead to reformations in society. My artwork is not only about highlighting the adversities faced by women, but they is also an ode to their strength and determination."

The exhibition, which will be on till 19th of January, has been curated by Aayushi Soni, with the collective efforts of the team members; Ravi Thakur, Hem Rana, Tara, Alok, Ajay Meghana, Siddhant, and Pramod. Explaining why the exhibition has been titled 'Gaze', Aayushi says: "When a woman walks down the road, she is not just passing a road but passing through several gazes. To gaze implies more than to look at - it signifies a psychological relationship of power, in which the gazer is superior to the object of the gaze. It is viewing a relationship characteristic, of a particular set of social circumstances. On the other hand, a supermodel walking down a ramp is a contrary analogy of objectification and visual pleasure for the male gaze. The male gaze describes a way of portraying and looking at women that empowers men while sexualizing and diminishing women. The influence of the male gaze is not limited, but it also reflects on the female self-perception, self-esteem and confidence. In essence, the male gaze discourages female empowerment and self-advocacy while encouraging self-objectification and deference to men and the patriarchy, at large. This despicable disposition of our patriarchal society is the seed for gender inequality and crime against women."

The Flexible Mother

The central personality of the family; a mother, devotes her time, labour and thought to the welfare of all the family members. 'The Flexible Mother ' represents the resilience and versatility of a woman. Seen here is a feminine figure balancing a scale on her foot in an acrobatic posture and the head held high, making it seem easy and effortless.

Victory

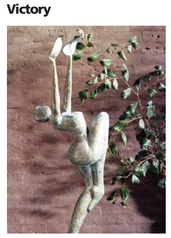

Through this artwork, the artist wants to give the message: "When women win, we all win". She is the source of life, yet her life is endangered. She is fearless yet always alarmed. She is supposed to be protected but perpetually harmed.

The Ramp

The Ramp is an amalgamation of three life-size bronze sculptures of women displayed on a catwalk. The artist is wondering about the gaze that transforms women into an object of desire and pleasure.

#PLACES-N-PALACES

Rima Hooja
An archaeologist, historian, writer & a distinguished academician

Jhotwara River was channelised and a number of canals were brought in through 'Brahmapuri' and 'Jai-Niwas' to supply water to the new city. One of the maps has a canal constructed of bricks, shown near the Man-Sagar dam and Jai-Niwas garden, which also supplied water to nearby villages. According to the Ardasht record of Shravan Vadi 13, Vikram Samvat 1783, corresponding to 16the of July 1726, (and now in the Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur, archives), Anand Ram, who was commissioned to survey the sub-region, reported that a canal from Bandi river, 9 kos from Jai-Niwas, would be more difficult than from Jhotwara river, which was only about 2 kos or four miles north-west of the new city, and where sand dunes were low. Vidhyadhar was awarded a Sirapao honour by Maharaja Sawai Jai Singh II after Anand Ram's report was submitted.

Jaipur's Water Systems Through The Ages...

The ubiquitous Thar-Parkar desert, the Aravalli hill range and water are three crucial factors that have shaped the culture, cultural landscapes and the tangible and intangible heritage of Rajasthan. Crafts, industries, agriculture, pastoralism, rituals and most other human activities have always needed water, and thus, the modern-day State of Rajasthan - with its many erstwhile kingdoms and chiefdoms, cities, hill forts, towns, villages and small settlements - has seen the construction and conservation of many human-made wells, reservoirs, step-wells, ritual-related water-bodies, agricultural tanks, earthen dams, and irrigation tanks across different periods of history.

The range of geographical conditions led to different water-related solutions across Rajasthan. Some examples of this being the various Baori, Kund, Beri, Bera, Johad, Johara, Nadi, Tanka, Jhalara etc. Where ever there were habitations of some size - be they forts, small towns or rural settlements, attention was paid to wells that tapped natural aquifers, or to making reservoirs and tanks, as well as underground collection and storage methods. In addition, all parts of Rajasthan tried incorporating natural and artificially-created lakes and reservoirs in cultural landscapes.

The City of Jaipur & Its Founder

In context of the city of Jaipur and its traditional water systems, much has been written about Maharaja Sawai Jai Singh II (r. 1700-1743) of the kingdom of Dhoondhar (with its original capital at Amber) that he founded and gave his name too in 1727. During the first half of the 18th century Sawai Jai Singh II was amongst the most influential figures in India. His views carried weight not just at the Mughal Court, but also with various other Indian chiefs and rulers, including the Peshwa, and his fellow rulers in Rajasthan; who either valued his opinion, or vehemently resented his position and power.

Sawai Jai Singh II was a shrewd statesman and capable commander. He was also an astronomer, mathematician, scientist and planner, and in common with most rulers and chiefs of the era, a patron of art, architecture and literature. According to one local tradition Jai Singh improvised an irrigation system to water some of the gardens at Amber when he was about thirteen years old. Much was carried over from the older capital of Amber, in fact. As water-related bathing structures, including hammam baths with inter-connected pipes, water-heating areas, and other drains, channels and water-lifting mechanisms played mounds of colourful articles of sale), and numerous deliberately planned public areas that have continued to be used as public spaces. Sawai Jai Singh II's vision was not just to create a show-case plan of an antiseptic city of well laid-out buildings, but also the home of its inhabitants, and a place for them to work and earn their respective livelihoods in dignity. Thus, the newly built Jaipur was meant to shelter and nourish its citizens - and its life-stock - while allowing its inhabitants full scope to develop their trades, crafts, creative pursuits, and chosen activities; due attention was paid to the crucial issue of water in the city of Jaipur. The city developed into a vibrant living space, with its share of trade, specialist crafts and local industries, markets and residential areas serviced by basic provisions for water and sanitation.

Water Outlets of 18th century Jaipur – Near Barah Mori area inside Walled City.

City's Culture Landscape

The overall water management system of the new city of Jaipur was based on surrounding canals, ponds, reservoirs, dams, tanks, kunds, wells, step-wells, channels, rain-water collection and storage, and even an aqueduct. Needs of cattle and other animals were obviously catered too. An elaborate supply system also brought water into the city from inlet channels, and used water tanks, filtration chambers as distribution net work, and finally outlet channels to release excess water into outlying water-bodies like Raja Mal ka Talab.

The 'Catalogue of Historical Documents in Kapad-Dwara Jaipur', Vol.II, Maps and Plans, Jaipur, 1990, lists Map or 'Tarah' Nos. 116, 119, 214, 232, 300, 301, indicate that water was a crucial issue for Maharaja Sawai Jai Singh II and his team in planning the city of Jaipur. The maps and plans show the heights of various pillars and depth-soundings of water at different distances.

The extant water management systems at Amber, and the systems put into place at Jaigarh and Nahargarh etc. by Maharaja Sawai Jai Singh II's water-specialists were a background to, and corollary of, Jaipur city's water systems. Amber's large 'Sagar' water-body, with its lifting platforms, water-inlets, and 'Fil-dandi' path for elephants carrying water loads, and the Nahargarh and Jaigarh water related systems including aqua-ductd and tanks are now well known. In addition, there were smaller systems using wells, tank-reservoirs, and streams across the kingdom of Dhoondhar. Some stressed aspects were like the overall ingress of rain-water to collection points, with outflow systems, water harvesting and conservancy systems, step-wells & tanks, lakes and water architectural features.

> The issue of sustainable development, climate change, depleting resources, receding ground-water etc. has revived an interest in traditional water-related cultural landscapes. Many step-wells, wells, reservoirs etc. are being cleaned and made operational again through community involvement. But it may be too late for reviving some still relevant parts of the former Water Management system of old Jaipur – Or, then again, maybe not. Are we willing to re-look at the subject with fresh eyes today?

The Maota water body at the base of Amber, and water-lifting structures associated with the Amber palaces were also features the builders of Jaipur were familiar with. In addition, Maharaja Sawai Jai Singh II built Jal Mahal in the middle of Man Sagar Lake, in the 1730s. The Man Sagar lake had been created by the damming of the river Darbhavati (Dravyavati) between the Khilagarh hills and the hilly areas of Nahargarh in the late 1500s by Raja Man Singh I, the ruler of Amber, to conserve water. Jai Singh II reworked the damming structure of Man Sagar, changing it from a dam of earth and quartzite materials to a stone masonry structure.

For Maharaja Sawai Jai Singh II's planned city of Jaipur, sections of the rivers Jhotwara, Banganga, Banas, and Darbhavati (Dravyavati) were surveyed by his staff before construction began in 1727. Documents re-iterate that the river Jhotwara was to the north-west of the proposed new city, river Banganga was beyond the eastern range of hills, to the south-east of Jaipur, and river Banas was to the south. River Darbhavati is central to several maps and documents related to Jaipur City's foundation. According to the Kapad-Dwara record of maps dating between 1725 and 1750, water for Jaipur City could be collected from the confluence of the rivers Darbhavati and Bandi.

Jhotwara River was channelised and a number of canals were brought in through 'Brahmapuri' and 'Jai-Niwas' to supply water to the new city. One of the maps has a canal constructed of bricks, shown near the Man-Sagar dam and Jai-Niwas garden, which also supplied water to nearby villages. According to the Ardasht record of Shravan Vadi 13, Vikram Samvat 1783, corresponding to 16th of July 1726, (and now in the Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur, archives), Anand Ram, who was commissioned to survey the sub-region, reported that a canal from Bandi river, 9 kos from Jai-Niwas, would be more difficult than from Jhotwara river, which was only about 2 kos or four miles north-west of the new city, and where sand dunes were low. Vidhyadhar was awarded a Sirapao honour by Maharaja Sawai Jai Singh II after Anand Ram's report was submitted.

The new city of Jaipur was also accompanied by the enlargement of natural and human-made lakes situated near the new city, re-working, enhancing water structures around Jaipur, Amber, Sanganer etc. and the construction of a dry moat or ditch around a part of the city. The early water supply system of Jaipur relied upon groundwater, with drainage and groundwater recharge taken into account. The Ramchandrapura Dam. The Dhund River in the east is mainly ephemeral and flows from north to south. The Dhund River and the Amanishah-ka-Nala form a fork-like drainage pattern in the confluence zone, on which the major part of Jaipur is situated.

Westerly flowing streams drain the western part of Jaipur, the Bandi River in the northwest and Sadruya in the west, as well as their lower order streamlets. There were four natural drainage patterns in Jaipur. Two of these flowed to the southwest to meet the Amanishah-ka-Nala, and the other two to the northeast to meet Man Sagar Lake.

Kapad-Dwara map No. 29 and 61 shows a canal joining the river Banganga. The length and height of pillars at certain points, depth of water etc. are also marked. There is a mention of water tank built in front of the river Banganga. The canal of 'Sawai Jai-Sagar' is also shown on the map, which apparently originates from the Banganga. The length from Ramgarh to Dhund was described as 6800 yards and the height 45 yards, the slope (dhal) was 9 yards. Till the gate and wall (motia-kot), the length was 1400 yards and the slope 4 yards. At the 'Pitambar Bohra-ki-Baoli', the distance from the mud-wall to big gate (bada-darwaza) was 1650 yards in length, and slope 19 yards. From the Big Gate to the opening (mori) for Jai-Sagar, the length is detailed as being 480 yards and the slope 19 yards, culminating in a raised edge (or pali).

City landscape of Jaipur had community wells in public spaces, and there were wells and channels for the city's gardens, memorials, structures with water-bodies. The first public water supply involving transportation of water was built in the mid-1700s for those who could not afford their own wells and consisted of a canal supplied with water from the Amanishah Nala that was built from Surajpole Gate to Chandpole Gate with three reservoirs at Chhoti Chaupar, Bari Chaupar, and Ramganj. A major inlet system brought water from Jhotwara/Darbhavati/Dravyavati. The water came through tunnels into the city centre and connected first with the stepped tanks at Chhoti Chaupar, then Badi Chaupar and Ramganj in sequence, with the walled city was originally located on a rocky street to provide an easy drainage system on either side of the city.

Barah Mori – An 18th century water acquaduct in Jaipur.

The natural drainage of Jaipur is along the Amanishah-ka-Nala, which originates from the highest point of the Nahargarh hills, and flows in the west from north to the south. The drainage first flows northward in the upper reaches, turns south and southwest in the middle of its course, and then flow towards the east in a broad semi-circle until the drainage meets the Dhund River downstream. The length of Amanishah-ka-Nala is about 48 kilometres. Some of the channels (nala), like Nahri Ka Naka Nala, Ganda Nala, and Jawahar Nala, also merge with the Amanishah-ka-Nala. Small dams were made on the Amanishah Nala - still can be seen at Mazar, Sikar Road, Goolar Dam and Shri overflow being directed north-eastwards towards Talkatora, on to Raja-Mal-Ka-Talab, Jal Mahal /Man Sagar. Sites like Barah Mori are still visible, and during recent construction work of the Metro, arched masonry and lime plaster-lined walls of 500 mm thickness, large enough for humans to walk were noted.

The Anand Ram Report

A moat wall was constructed along the foothills of Nahargarh both for keeping wild animals away from the city and diverting rainwater to Man Sagar Lake. This served as a source of groundwater recharge and allowed the water in the hills to percolate into the wells. Raja-Mal-ka-Talab also provided recharge for the northern part of the city.

One hundred open wells were constructed over the time. The first water supply system involving the transportation of water was initiated for the City Palace and involved lifting water by oxen at a well near Balandji's Temple and transporting it to the City Palace through a canal. Maharaja Sawai Jai Singh II had also attempted to bring in water through a 16-mile long canal from River Bandi. Within the palace area of Chandra Mahal and the gardens one can see the use of clay and metal pipes and spouts for the creation of fountains, pools and water-walkway channels. In the context of fountains (or Pustara), the Arsatha Imarati for Vikram Samvat 1793 to 1794 notes the purchase of different stone slabs to construct area to install fountains at Jai Niwas garden.

In 1868, the then ruler of Jaipur, Maharaja Sawai Ram Singh II installed a piped water system in the city, and converted the step-wells at Chhoti Chaupar, Badi Chaupar and Ramganj into built-up public squares. In 1876, marble fountains and balustrades were added. In 1874, piped water supply to Jaipur began through a 12-inch iron pipe connected to branch pipelines in all of the principal streets with stand posts installed at every street corner from one of the reservoirs. The other reservoir supplied water to Hathroi Fort through 6-inch delivery lines.

Meanwhile, in 1844, a dam had been constructed across Amanishah-ka-Nala, which was breached in 1853. At the time of the dam construction, Amanishah-ka-Nala was perennial and provided a surface water source involving the transportation of water through a canal and the collection of this water into kunds, though groundwater supplied the majority of areas. Later, the inflow of water into the Amanishah Nala became less. Heavy silting also contributed to a reduction in the capacity of Amanishah-ka-Nala.

Colonel Swinton Jacob, the Executive Engineer of Jaipur State from 1867, oversaw the completion of the Nayasagar Bund (or dam) at Mozamabad in 1872, which was built at the cost of Rs. 20,000 at the time. This was followed by the construction of two service reservoirs in 1874. These utilized steam engines to pump water at the height of 110 feet into these reservoirs, and to supply Jaipur through a pipeline network. Pani-pench soon became the term for this machinery. Both reservoirs were 150 feet by 100 feet, and 15 feet deep. In 1884-85, an 800-foot long and 61-foot high dam was constructed across the Amanishah-ka-Nala, along with a steam engine pumping station. Open wells and tube wells were subsequently sunk into this reservoir, and water was pumped from these wells to maintain water supply. This Amanishah water system did away with the earlier system of water canals and the collection of water in kunds.

In the reign of Maharaja Sawai Madho Singh II, a number of irrigation works were taken up under the supervision of first Sir Swinton Jacob and afterwards CE Stotherd, especially during the severe famine (Chhapaniya Akal) of 1899-1900. In 1903, a large reservoir and dam, named Ramgarh Dam, was constructed 30 kilometers northeast of Jaipur. This depended on the inflow of water from Banganga River. Ramgarh was initially used for irrigation purposes in the surrounding villages. By 1931, Ramgarh Dam supplied water to Jaipur, although household piped water supply was not common and was only available for well-to-do families. Many localities did not have a public distribution system, and thus reliance on wells was still extremely common.

By early 20th century, the Walled City had pumping stations located at Amanishah, Ramniwas Garden and Laxman Doongri Head works. In 1918, the water system of Jaipur was augmented by 16 large wells on the bed of Amanishah-ka-Nala. Tapped water was available at some locations. By 1952, 7.0 MLD water added to supply from surface source at Ramgarh dam.

Conservation and Continuity

As Jaipur city grew, water remained central to it. The older reservoirs/lakes of Talkatora, Mansagar, Maota, Raja-Mal-ka-Talab were in use till the mid 20th century. (In fact, by 1935, the State of Dhoondhar/Jaipur had over 240 irrigation tanks and reservoirs, with the total irrigated area of the State placed at around 50,000 acres according to the Jaipur Album published in 1935. In the later part of the 20th century, traditional sources of water came to be ignored in Jaipur and across Rajasthan. Out of about 518 rivulets originating from the Aravalli Hills (398 1st order streams, 92 2nd order stream, 25 3rd order streams, and 3 4th order streams), many began to be used for dumping garbage. By now, 150 are blocked or have been filled for construction purposes.

The issue of sustainable development, climate change, depleting resources, receding ground-water etc. has revived an interest in traditional water-related cultural landscapes. Many step-wells, wells, reservoirs etc. are being cleaned and made operational again through community involvement. But it may be too late for reviving some still relevant parts of the former Water Management system of old Jaipur – Or, then again, maybe not.

Are we willing to re-look at the subject with fresh eyes today?

writetoarbit@rashtradoot.com

Water-related bathing structures inside the fortress-palace of Amber, with inter-connected pipes, water-heating areas, drains, channels and water-lifting mechanisms.

Dravyavati river

THE WALL

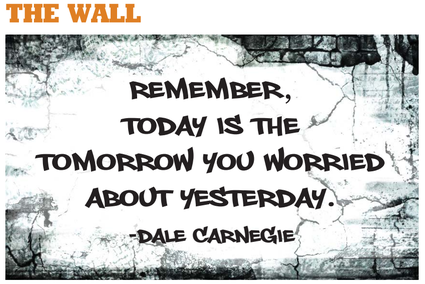

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

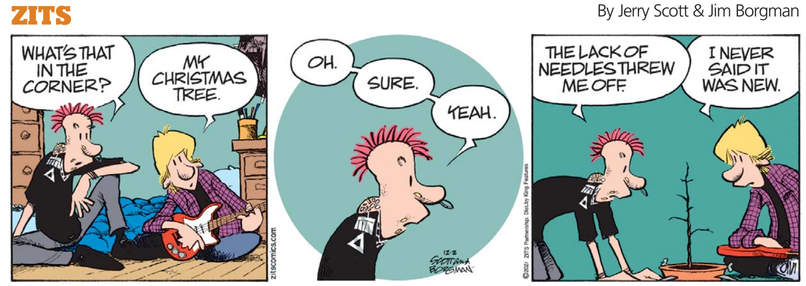

राजसमंद में छह बच्चों सहित दो पुलिसकर्मी की रिपोर्ट पॉजिटिव

जिले में मंगलवार को 31 नये संक्रमित मिले, जिलें में घटकर 626 हुए एक्टिव मामले

राजसमंद, (निसं। मंगलवार को प्राप्त कोरोना सेम्पल की ताजा जांच रिपोर्ट में संक्रमितों की संख्या में आई कमी जिले के लिए एक बारगी तो राहत की खबर है। मंगलवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 1075 लोगों के सेम्पल लिए गए जिसमें 31 नये कोरोना संक्रमित सामने आए है। पिछले दो दिनों से राजसमंद में कोरोना संक्रमण के मरीजों में कमी देखने को मिली है। जबकि बच्चों के संक्रमित आने का क्रम लगातार अब भी जारी है।

मंगलवार को प्राप्त रिपोर्ट में 6 और बच्चे संक्रमित पाए गए। जिसमें आमेट में 10 साल का बच्चा, चारभुजा में 12, देलवाडा दामावाडी में 14 साल की बालिका, केलवा में 10 साल का बच्चा और कांकरोली जल चक्की क्षेत्र में 8 साल का बच्चा कोरोना पोजिटिव मिला है। सीएमएचओ डॉ. प्रकाशचन्द्र शर्मा के अनुसार प्राप्त रिपोर्ट में आमेट में 2, भीम में 1, केलवाडा में 1, खमनोर में 10, रेलमगरा में 1, राजसमंद में 2, नाथद्वारा शहरी ब्लॉक से 10 एवं राजसमंद शहरी ब्लॉक से 4 कुल 31 नये पोजिटिव सामने आए। जबकि देवगढ ब्लॉक में एक भी संक्रमित नहीं पाया गया। ईधर, सीएमएचओ ऑफिस में तीसरी बार फिर से एक 57 वर्षीय कर्मी के साथ ही पुलिस थाना नाथद्वारा में 43 और 27 साल का जवान संक्रमित पाए गए।

278 की आरएटी व 787 सेम्पल की आरटीसीआर जांच :- मंगलवार को आमेट ब्लॉक से 110 व्यक्तियों, भीम से 46 व्यक्तियों, देवगढ ब्लॉक से 108 व्यक्तियों, खमनोर से 129 व्यक्तियों, केलवाडा से 173 व्यक्तियों, रेलमगरा से 164 व्यक्तियों, राजसमंद से 128 व्यक्तियों, नाथद्वारा शहरी ब्लॉक से 76 व्यक्तियों, राजसमंद शहरी ब्लॉक से 93 व्यक्तियों एवं अनंता चिकित्सालय से 48 व्यक्तियों कुल 1075 व्यक्तियों के सेम्पल लिए गए। जिसमें से 278 सेम्पल की आरएटी जांच की गई। जबकि 797 व्यक्तियों के सेम्पल की आटीपीसीआर लेब जांच की गई है। जबकि अन्य दिनों में लगभग 900 लोगों के सेम्पल लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे है। ऐसे में सेम्पलिंग के कम होने से पोजिटिव मरीजों की संख्या में भी कमी आई है।

राजसमंद में संक्रमितों की संख्या में कमी आने के साथ ही जिले में एक्टिव मामलों में भी कमी आई है। जिले में एक्टिव मामले घटकर 626 रह गए है। जबकि सोमवार तक जिले में कुल 639 एक्टिव मामले थे। वहीं अब तक कुल 17391 मरीज रिकवर हुए तथा अब तक कुल 171 की मृत्यु हो चुकी है।

भीलवाड़ा में 90 पॉजीटिव केस

भीलवाडा, (निसं)। भीलवाडा जिले के लिए मंगलवार का दिन राहत भरा रहा। पिछले कई दिनों से 200 से 400 के बीच चल रही संक्रमितो की संख्या पर ब्रेक लगा हे। आज जिले में 90 संक्रमित मिले हैं। आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि मंगलवार को 1036 लोगो को जांच रिपोर्ट में 90 पॉजीटिव मिले है, अभी तक सुभाषनगर कोरोना हॉटस्पॉट बना हुआ है। यहां 16 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं।

इसके बाद चंद्रशेखर आजाद नगर का नंबर है जहां 14 कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बापूनगर में 7, चपरासी कॉलोनी व सांगानेर में 8-8, आसींद, गंगापुर, गुलाबपुरा व मांडलगढ में 1-1, चद्रशेख आजाद नगर में 14, मांडल 3, सांगोनरी गेट 9, सांगानेर 8, शास्त्रीनगर 11 व सुवाणा में 6 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं।

रावतभाटा उपखंड क्षेत्र में 38 पॉजिटिव मिले

रावतभाटा, (निसं)। कोरोना संक्रमितों की संख्या रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। हर रोज बढ़ी संख्या में लोग कोरोना चपेट में आ रहे है। मंगलवार को प्राप्त जांच रिपोर्ट के अनुसार रावतभाटा उपखंड क्षेत्र में 38 कोरोना पॉजिटिव आने के कारण अब एक्टिव केस की संख्या 154 हो गई है। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकरी डॉ. अनिल जाटव ने बताया कि 38 नए पॉजिटिव में रावतभाटा शहरी क्षेत्र में 29 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 9 व्यक्ति शामिल हैं। रावतभाटा में कोरोना संक्रमण के संदिग्ध व्यक्तियों के अब तक कुल 2309 सैंपल लिये जा चुके है, मंगलवार को 206 लोगों के सैंपल लिये गये। क्षेत्र में अब तक 226 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। तथा 72 केस रिकवर हो चुके है, मंगलवार को 42 केस रिकवर हुए। क्षेत्र में एक्टिव केस 154 हो गए। रावतभाटा में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी होने के बावजूद भी प्रषासन व चिकित्सा विभाग की तरफ से सख्ती नहीं है। क्षेत्र में भीड़ लगी रहती है। दुकानों से लेकर सड़कों व चौराहों पर लोग बेरोकटोक घूम रहे है, न सोशल डिस्टेंसिंग है।

दो गांवों में पाटोर धराशाई, परिवार जन घायल

बयाना उपखंड क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में पाटोर टूटकर धराशाई हो गई।

बयाना, (निसं.)। बयाना उपखंड क्षेत्र के दो अलग अलग गांवों में बीती रात्रि को कडकडाती सर्दी में दो पाटोर टूटकर धराशाई हो गए। जिससे एक पाटोर में सोए परिवार के सभी सदस्य दबकर घायल हो गए। एक पाटोर में बंधे पालतू पशु दबकर घायल हो गए।

गांव धाधरैन में बीतीरात्रि को वहां के सुगरसिंह प्रजापत का पाटौर अचानक टूटकर धराशाई हो गया। जिसके नीचे सुगर सिंह व उसकी दिव्यांग पत्नी गीता और 16 वर्षीय पुत्री हेमलता दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें अन्य ग्रामीणों के सहयोग से उपचार के लिए बयाना के अस्पताल लाया गया। जहां गहन उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल भरतपुर रैफर कर दिया गया। घायल पति पत्नी की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उन्हें जयपुर रैफर किया । जबकि उनकी बेटी का भरतपुर के अस्पताल में उपचार चल रहा है। यह परिवार बहुत ही गरीब बताया और उसे अभी तक किसी भी सरकारी योजना का लाभ नही मिल सका है। सूचना पर हलका पटवारी ने मंगलवार को गांव पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया।

गांव निवासी समाजसेवी अमरलाल मास्टर व गुलषन मीणा ने पीडित परिवार को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाए जाने व प्रधानमंत्री आवास योजना से उनका पक्का आवास बनवाए जाने की भी मांग की है। इसी प्रकार गांव सिंघाडा में वहां के केदार गुर्जर का पाटोर अचानक टूटकर धराशाई हो जाने से एक पालतू पशु की मौके पर ही मौत हो गई व दो दुधारू भैंसो सहित तीन पशु गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोहरे व कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

रावतभाटा, (निसं)। कोहरे व शीतलहर के रूप में प्रकृति कहर बरपा रही है। पिछले 7 दिन से कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। कोहरे के कारण वाहन धीरे चलते नजर आए और हैडलाइटें जलाकर गुजरे। कोहरे व कड़ाके की ठंड के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त रहा। शहर सुबह 12 बजे तक कोहरे के आगोश में लिपटा रहा। क्षेत्र में गिरते तापमान और शीतलहर के प्रकोप के चलते दोपहर तक लोग घरों में ही दुबके रहे।

धुंध की वजह से ज्यादा दूर कुछ नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार को सुबह 12 बजे तक कोहरे की चादर बिछी रही। दोपहर 12 बजे बाद सूर्य देव के दर्शन हुए। धूप निकली तो सर्द हवाओं की वजह से गलन व ठिठुरन के बीच उसका असर ना के बराबर रहा। शीतलहर के चलते कड़ाके की ठंड कम होने का नाम नहीं ले रही है। बाजार और सड़कों पर 10 बजे तक लोगों की आवाजाही बहुत कम रही। दुकानदार दिनभर दुकानों के बाहर अलाव तापते नजर आए।

ट्रेन स्टाफ की सतर्कता से बड़ा हादसा होने से बची नंदादेवी एक्सप्रेस

बयाना/गंगापुर सिटी, (निस)। बीती देर रात्रि को रेलवे ट्रैक पर सरपट दौड़ती नंदादेवी एक्सप्रेस को ट्रेन के स्टाफ की सतर्कता से बर्निंग ट्रेन बनने से बचा लिया गया। अन्यथा इस कड़कड़ाती सर्दी की रात में कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था।

कोटा से बयाना होते हुए देहरादून जा रही नंदादेवी एक्सप्रेस ट्रेन जब दिल्ली की ओर 160 किमी की रफ्तार से जा रही थी तभी उसके ए 2 स्लीपर एसी कोच में अचानक तेज स्पार्किंग हो गई । धूंआ और अलार्म से ट्रेन के यात्रियों में भगदड़ सी मच गई। ऐसी स्थिति में इस ट्रेन में तैनात आरपीएफ के सुरक्षा कर्मियों व डिप्टी सीटीआई रफीक मोहम्मद सहित अन्य ट्रेन स्टाफ ने सतर्कता से इस कोच के यात्रियों को ट्रेन के दूसरे कोचों में शिफ्ट कर दिया। फिर ट्रेन के स्टाफ ने सामूहिक प्रयास कर आग को अग्निशमन यंत्र की मदद से काबू पाया तथा कोच की बिजली सप्लाई को बंद किया।

इस ट्रेन को इस हादसे के चलते बयाना हिण्डौन रेलमार्ग स्थित डुमरिया व बयाना रेलवे स्टेशन के बीच में रात्रि को रोकना पड़ा। इसके बाद बयाना जंक्शन स्टेशन लाकर पूरी ट्रेन की तकनीकी जांच कराई गई और प्रभावित कोच को ट्रेन से अलग कर यहां के रेलवे यार्ड में खडा करवाया। इसके बाद ट्रेन को रात्रि करीब 12 बजे दिल्ली की ओर रवाना किया। तब जाकर रेल यात्रियों व रेलकर्मियों ने राहत की सांस ली। इस हादसे के बाद मंगलवार को कोटा रेल मंडल के मंडल प्रबंधक पंकज शर्मा ने डीआरएम स्पेशल सैलून ट्रेन से बयाना पहुंचकर इस ट्रेन के बयाना में खडे कोच का बहुत ही बारिकी से गहन निरीक्षण किया।

डीआरएम ने मौके पर पहुंच ट्रेन का जायजा लिया।

सट्टा का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। थाना अटलबंद पुलिस ने ऑनलाईन आईपीएल में सट्टा लगाने के मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा है। एसपी देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने बताया थाना अटलबंद पुलिस ने 23 अक्टूबर 2020 को तत्कालीन थानाधिकारी गंगासहाय मीना पुलिस निरीक्षक को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि होटल शालीमार हीरादास भरतपुर में ऑनलाईन आईपीएल टी-20 क्रिकेट मैच पर रूपये पैसे का दांव लगाकर सट्टा लगाया जा रहा है। टी-20 आई.पी.एल. मैच पर सट्टा लगाने की आपराधिक गतिविधि के संबंध में विधिक कार्यवाही संचालित करने के लिए होटल शालीमार की तलाशी लेने के लिए प्राधिकृत किया गया था, होटल के द्वितीय तल पर स्थित रिसेप्शनिस्ट की सहायता से कमरा खुलवाया तो कमरे के अंदर एल.ई.डी. स्क्रीन पर मैच चल रहा था और 9 व्यक्ति आई.पी.एल. मैच पर सट्टा लगाने के लिए मोबाईल व टेबलेट के माध्यम से कई लोगों से संपर्क कर रहे थे और क्रिकेट सट्टा का हिसाब-किताब पर्ची व रजिस्टर में लिख रहे थे।

फर्जी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने वाला दलाल गिरफ्तार

- तीन साल से था फरार, पुलिस जुटी पूछताछ में

अजमेर, (कासं)। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की गई एसएससी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 में फर्जी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलवाने के मामले में तीन साल से फरार चल रहे दलाल अलवर निवासी जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू को अलवर गेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, मंगलवार को गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया।

अलवर गेट थाना अधिकारी रामेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि कर्मचारी चयन आयोग की एसएससी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 में फर्जी अभ्यर्थी को बैठाकर परीक्षा दिलाने के मामले में वर्ष 2019 से फरार चलरहे दलाल को अलवर गेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अलवर थाने के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद जाबिर ने बताया कि एसएससी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 में फर्जी अभ्यथिर्यों को शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल करने के मामले में फरार अलवर के मोधुपुर थाना खुशखेड़ा निवासी जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू को गिरफ्तार किया है, आरोपी की पिछले 3 साल से तलाश जारी थी। जीतू के खिलाफ वर्ष 2019 में एसएससी कांस्टेबल (जीडी) अभ्यार्थियों में बायोमेट्रिक का मिलान नहीं होने पर ग्रुप केंद्र संख्या प्रथम में बोर्ड के पीठासीन अधिकारी द्वितीय कमांडेंट अजयकुमार रजनीकर की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज करवाया था, पुलिस ने बायोमेट्रिक का मिलान नहीं होने पर परीक्षा में बैठे अभ्यथिर्यों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि प्रकरण में आरोपी दलाल फरार चल रहा था। आरोपी दलाल ने 2 लाख 90 हजार रुपये में फर्जी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने का जिम्मा लिया था। आरोपी को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से आरोपी को रिमांड पर लेकर मामले में पूछताछ की जा रही है।

बाइक चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, 5 बाइक जब्त

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने बाइक चोरी करने वाली गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 5 बाइक बरामद किया। पुलिस अधीक्षक जिला चित्तौडगढ , राजेन्द्र प्रसाद गोयल आई.पी.एस. उपहानिरीक्षक पुलिस के आदेशानुसार थाना कपासन क्षेत्र में मोटरसाईकिल चोरी की हुयी घटनाओ को गम्भीरता से लेते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड्गढ हिम्मत सिह देवल, वृताधिकारी वृत कपासन गीता चौधरी के सुपरविजन में दलपत सिह राठड पु.नि. थानाधिकारी थाना कपासन के नेतृत्व में टीम का गठन कर इन वारदातों को पर्दाफाष करने के निर्देष प्रदान किये गये।

पुलिस थाना कपासन ने अनुसंधान कर आरोपी अयुब खाँ पिता अकबरजी शाह उम्र 38 साल निवासी पुराना मालीखेडा घोटला थाना गंगापुर जिला भीलवाडा, प्रहलाद पिता बद्रीलाल लौहार उम्र 26 साल निवासी पोटला थाना गंगापुर जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर दोनों आरोपियों की सुचना पर उनके कब्जे से चोरी की 5 बाइक बरामद की । बाइक चोरी करने वाले दोनों अभियुक्त स्मैक पीने के आदी होने से नये पते की हालात में बाइक चोरी करते है।

कपासन पुलिस ने दो बाइक चोरों को गिरफ्तार कर पांच बाइक जब्त की।

युवक ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना अन्तर्गत एक डेढ साल की बच्ची के पिता ने फंदे से लटकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी उस समय मिली जब मां चाय पीने बेटे को बुलाने गई। जिस पर उसने शोर मचाया। उसकी पत्नि ने कुल्हाडी से रस्सी भी काटी, मगर बचा नहीं पाई। मौत के कारण का पता नहीं चला है। मृतक के बडे भाई ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया। सदर थाना सीआई हजारीलाल मीणा ने बताया कि सरकन साईं गांव के रहने वाले दीपक रोत (25) ने सुसाइड कर लिया। हादसे में समय उसकी पत्नी संगीता, डेढ साल का बच्चा और उसकी मां घर में ही थे।

फरार पार्षद पति व मुख्य आरोपी शर्मा के खिलाफ नोटिस चस्पा

अजमेर, (कासं)। अजमेर के जौसगंज स्थित भूमि के समतलीकरण की एवज में 50 लाख रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में फरार चल रहे पार्षद पति रंजन शर्मा के खिलाफ अजमेर एसीबी न्यायालय में पेश होने के लिए नोटिस चस्पा करते हुए 24 फरवरी तक पेश होने के आदेश दिए है। मंगलवार को अधिकारियों द्वारा पार्षद के घर पर नोटिस भी चस्पा किया गया। न्यायालय द्वारा फरार पार्षद पति व मुख्य आरोपी रंजन शर्मा को लेकर जो आदेश जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को एसीबी के एएसपी ने यह कर लौटा दिया कि रंजन शर्मा भूमिगत मिल नहीं रहा, जिस पर न्यायालय ने 24 फरवरी तक रंजन शर्मा को न्यायालय में हाजिर होने के आदेश जारी किए हैं।

मालूम हो कि मामले में एसीबी ने न्यू गोविन्द नगर रामगंज अजमेर निवासी किशन खंडेलवाल व सात पीपली बालाजी मंदिर के पास बिहारीगंज निवासी देवेन्द्रसिंह को पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन रंजन शर्मा तब से ही फरार चल रहा है। पार्षद पति रंजन शर्मा ने अपने दो दलाल देवेन्द्रसिंह एवं किशन खंडेलवाल को रिश्वत राशि के संबंध में वार्ता करने एवं रिश्वत लेने के लिए कहा था और 40 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था।

हैड कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। मंगलवार को कोटा एसीबी ने कार्यवाही करते हुए एक हैड कांस्टेबल को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। कोटा एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाकुर चन्द्रशील ने बताया कि मंगलवार को पुलिस चौकी विनायका के हैड कांस्टेबल नाहर सिंह जाट को सात हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार हैड कांस्टेबल धमकी देकर रिश्वत मांग रहा था।

अंतर्राज्यीय डीजल चोरी गैंग का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

भीलवाडा, (निसं)। जिले की प्रताप नगर एवं मांडल थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर हाईवे स्थित होटलों एवं पेट्रोल पंप पर खडी गाडियों से डीजल चोरी करने वाले अंतरराज्य गिरोह का खुलासा कर उसके सरगना सहित 6 बदमाशों को जयपुर में मुहाना इलाके से गिरफ्तार किया है। जिनसे वारदात में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो गाडी भी जब्त की गई है। अभियुक्तों से पूछताछ में जयपुर अजमेर भीलवाडा दौसा टोंक जिलों में की गई कई वारदातों का खुलासा हुआ है।

भीलवाडा एसपी आदर्श सिधु ने बताया कि 11-12 जनवरी की रात मांडल थाना क्षेत्र में दो पेट्रोल पंप पर खडी गाडियों एवं 10 व 13-14 जनवरी की रात प्रताप नगर क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में खडी गाडियों का लॉक तोडकर डीजल चोरी की वारदातें घटित हुई। जिस पर घटना के खुलासे हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रयी व गोवर्धन लाल एवं सीओ माण्डल सुरेंद्र कुमार व सीओ शहर हंसराज बेरवा के निर्देशन में थानाधिकारी माण्डल मुकेश कुमार एवं थानाधिकारी प्रताप नगर राजेंद्र गोदारा की संयुक्त टीम का गठन किया गया।

एसपी सिधु ने बताया कि गठित टीम में शामिल थाना मांडल के कॉन्स्टेबल सोराज व थाना प्रताप नगर के कॉन्स्टेबल महेंद्र कुमार ने आसपास एवं टोल नाका के सीसीटीवी डाटा खंगाल कर वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड्डी की पहचान की। गाडी के बारे में आसूचना संकलन की तो वह गैंग के सरगना जहीर खान की थी। जिसके बारे में मुखबिर एवं तकनीकी सहायता से सूचना मिली की वर्तमान में जहीर खान और उसके साथी जयपुर के मुहाना क्षेत्र में किराए का मकान लेकर रह रहे हैं। सूचना पर दोनों थानों की पुलिस ने मुहाना स्थित मकान पर दबिश देकर गैंग के सरगना जहीर खान एवं उसके पांच अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार सरगना जहीर खान पुत्र फकरु खान (36) यादव मोहल्ला झालरापाटन एवं उसके साथी तौसीब खान उर्फ जैकी उर्फ तौसीफ पुत्र जलील खान (31) जिला आगर मालवा मध्य प्रदेश, अयाज खान उर्फ बबलू पुत्र अजीज खान जिला उज्जैन मध्य प्रदेश, रुस्तम खान पुत्र हसन खान (34) जिला शाजापुर मध्य प्रदेश, जावेद मंसूरी पुत्र असगर मंसूरी (35) जिला शाजापुर मध्य प्रदेश एवं शेरू खान पुत्र भयु खान (38) जिला नागदा मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं।

12 घंटे में चोरी का खुलासा कर महिला को पकड़ा

नागौर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के गोगेलाव गांव में सोमवार दोपहर दिनदहाडे एक घर से 30 तौला सोना और करीब 5 हजार रूपये नकदी चोरी हो गई थी। घटना के दौरान पीडित घर के बाहर आटा चक्की दुकान में था और उसके पिता व बहन अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। वहीं उसकी मां पशुओं को चारा डालने बाडे में गई हुई थी। पीछे से कमरे में पडी आलमारी खोलकर उसमे रखे करीब 30 तौला सोने के जेवरात और करीब 5 हजार रूपये चोरी हो गए।

वारदात के बाद पुलिस टीम ने तुरंत पडताल शुरू करआसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो एक संदिग्ध महिला दिखाई दी जो घटना से कुछ देर पहले घर में घुसती दिखाई दी। पुलिस ने महिला को पकडकर पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। मामले की जांच शुरू की गई तो सीसी टीवी कैमरा से एक संदिग्ध महिला का फुटेज मिला। तस्दीक कर अनिता पुत्री मोहनराम और पत्नी कालूराम जाट निवासी चिताना और हाल गोगेलाव को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर अनिता ने चोरी करना कबूल कर लिया है। पुलिस द्वारा माल बरामदगी के प्रयास किये जा रहे है।

नगरपरिषद की महिला संस्थान रोज बना रही है एक हजार कपड़ों की थैलियां

महिलाएं कपड़ों की थैली बनाकर पॉलिथीन मुक्त अभियान को सहयोग कर रही है

डूंगरपुर, (निसं)। नगरपरिषद की सहसंस्था उन्नति संस्थान जो कि महिलाओ की संस्था है वह अब परिषद के पॉलीथिन मुक्त शहर अभियान को सफल बनाने में लगी हुई है।

परिषद के सभापति अमृत कलासुआ और आयुक्त नरपत सिंह राजपुरोहित के निर्देश पर महिला संस्थान ने शहर को पॉलीथिन मुक्त बनाने हेतु साडियों से कपडों की थैलियां बनाना शुरू किया है। संस्थान की महिलाओ ने रोजाना 2 हजार कपडों की थैलियां बनाने का लक्ष्य रखा था पर वर्तमान में एक दिन में 1 हजार थैलियां संस्थान में बन रही है और महिलाओ को थैलियां बनाने हेतु प्रति थैली आर्थिक सहयोग भी मिल रहा है जिससे महिला स्वरोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर भी बन रही है और साथ ही शहर को पॉलीथिन मुक्त बनाने का कार्य कर रही है।

महिलाओ के इस अभियान में नगरपरिषद ने महिलाओ की संस्था को सिलाई मशीन देकर कपडद्यों की थैलियां बनाने का कार्य दिया गया और संस्थान से जुडी 25 से अधिक महिलाए इस कार्य से जुडी हुई है जो कपडों की कटिंग,थैली का हैंडल बनाना सहित थैली बनाने का कार्य कर रही है और यही महिलाए व्यापारियों की मांग पर उन्हें कपडों की थैली उपलब्ध कराकर शहर में पॉलीथिन मुक्त अभियान को नगरपरिषद का सहयोग कर रही है। परिषद के सहायक अभियंता विकास लेगा ने बताया कि नगरपरिषद सरकार द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथिन केरी बैग्स का विकल्प ढूंढ रही थी और परिषद ने शहर की 50 महिलाओं के समूह को कपडों की थैली बनाने की जिम्मेदारी दी और महिलाओ ने इस अभियान में रोजाना 1 से 2 हजार थैली बनाने का लक्ष्य लिया और आज ये महिलाए नगरपरिषद के सहयोग से प्रतिदिन 1 हजार से अधिक साडियों से थैलियां बना रही है।

उन्होंने बताया कि शहर की नारी शक्ति प्रतिबंधित पॉलीथिन पर भारी पड रही है,निश्चित ही शहर की कुछ महिलाओ द्वारा इन महिलाओ को पुरानी साडिया भेट कर शहर को पॉलीथिन मुक्त बनाने में सहयोग कर रही है । सभापति अमृत कलासुआ ने बताया कि नगरपरिषद की सहसंस्था शहर को पॉलीथिन मुक्त बनाने में पुरानी साडियों से कपडो की थैलिया बना रही है इससे शहर पॉलीथिन मुक्त तो बन ही रहा है साथ ही महिलाओ को रोजगार भी प्राप्त हो रहा है। उन्होंने शहर की महिलाओ से अपील करते हुए कहा कि घरो से निकलने वाली पुरानी साडियों को फेके नहीं उसे संस्था में देवे जिससे उन साडियों से कपडो की थेलिया बनायीं जा सके।

उन्नति संस्थान के पॉलिथीन मुक्त अभियान के तहत कपड़े की थैलियां बनाते हुए महिलाएं।

संक्षिप्त

जूडो व ताइक्वांडो का प्रशिक्षण शुरू

रींगस। क्षेत्र की बहिन बेटियों को आत्म रक्षा के गुर सिखाये जायेंगे। इसके लिए कौशिक आत्मरक्षा एकेडमी ने लाडो को प्रशिक्षण देना भी शुरू कर दिया है। प्रशिक्षक राजीव कौशिक ने बताया की वर्तमान समय में आये दिन बहिन बेटियों के साथ ज्यादती की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसलिये लडकियों व महिलाओं को अपनी रक्षा स्वयं करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके तहत ग्राम कोटडी धायलान में निशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गांव की लडकियों को जूडो, ताईक्वांडो सहित अनेक आत्मरक्षा के प्रशिक्षण दिये जायेंगे।

रोटरी क्लब के प्रांतपाल का सम्मान

रींगस। शहर की स्टैण्डर्ड होटल में रोटरी क्लब के प्रांतपाल का भव्य स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित प्रांतपाल रोटे बलवन्त सिंह चिराना तथा सह प्रांतपाल डॉ. अजय शर्मा ने इस मौके पर कहा कि रींगस रोटरी क्लब को अधिक से अधिक लोगों को शामिल करवाना चाहिए। इससे पहले दीपक बाजिया, डॉ भंवर सिंह ताखर ,महेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर प्रांतपाल बलवंत सिंह चिराना तथा सह प्रांतपाल डॉ अजय सक्सैना ने रींगस में मानव सेवार्थ एक बडा प्रोजेक्ट शुरू करवाने का आव्हान किया। प्रोजेक्ट के लिए वितीय सहायता दिलवाने का भी आश्वासन दिया।

'अकबरपुर चौकी क्रमोन्नत होगी'

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एवं कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव अकबरपुर चौकी को शीघ्र ही क्रमोन्नत कर पुलिस थाना बनाया जाएगा। मंत्री जूली ने कहा कि क्षेत्र में अपराधों पर नियंत्रण एवं नफरी बढ़ाने के उद्देश्य से अकबरपुर चौकी को थाना बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जयपुर सडक मार्ग पर ढाई पैडी से थानागाजी तक कोई अन्य थाना नहीं है। यहां के ग्रामीणों को मालाखेडा थाना जाना पडता है। उन्होंने कहा कि अकबरपुर चौकी को थाना बनाने के लिए वे जल्द ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलेंगे।

बजरी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

निवाई। बरोनी पुलिस ने बजरी से भरे दो ट्रैक्टर जप्त किए हैं। बरोनी थानाधिकारी जगदीश मीणा ने बताया कि पराणा के स्थित तालाब के पास में अवैध बजरी भरकर आ रहे दो ट्रैक्टर दिखाई दिए। जिनको पुलिस ने रूकवाने पर चालक ट्रैक्टरों को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर थाने लाकर खडा दिया। पुलिस ने एमएमआरडी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सांभर में घने कोहरे का असर रहा

सांभरझील,(निसं)। सांभर में सोमवार को सुबह करीब साढे बजे तक जबरदस्त कोहरे का असर रहा। धुंध की वजह से दो सौ मीटर की दूरी तक भी साफ नजर नहीं आ रहा था। सडकों पर सन्नाटा पसरा रहा, हांलाकि दस बजे के आसपास धूप निकलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। पूरे दिन धूप निकलने के बाद शीतलहर का असर कम रहा।

राज्य की गहलोत सरकार में बालिकाएं व महिलाएं असुरक्षित: संजय शर्मा

अलवर। अलवर में मूक बधिर बालिका के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा आरआर कॉलेज सर्किल पर अशोक गहलोत का पुतला फूंक कर प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन के दौरान शहर विधायक संजय शर्मा, जिला अध्यक्ष संजय नरूका सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

शहर विधायक संजय शर्मा ने कहा कि मूक बधिर 16 वर्षीय बालिका के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर 8 दिन हो चुके हैं लेकिन पुलिस ने अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है आज भी पुलिस के पास आरोपियों का कोई सुराग तक नहीं है। उन्होंने कहा पुलिस प्रशासन द्वारा पहले तो दुष्कर्म का मामला बताया और अब पुलिस प्रशासन इस घटना को एक्सिडेंटल का रूप देना चाह रहा है उन्होंने कहा कि बालिका बहुत ही गरीब परिवार से है और जयपुर अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है उन्होंने कहा की इस घटना ने राजस्थान ही नहीं पूरे देश को हिलाकर रख दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय गहलोत सरकार में महिलाएं व बालिकाएं सुरक्षित नहीं हैं दोनों ही अपने आप में असुरक्षित महसूस करती हैं इसलिए सरकार को उनकी सुरक्षा करनी चाहिए आज राजस्थान में महिलाओं व बालिकाओं के साथ दुष्कर्म की घटना देखने को व सुनने को मिलती है इसलिए सरकार को इस तरह के अपराध में लगाम लगानी चाहिए।

- मूक बधिर बालिका के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला फूंक कर प्रदर्शन किया

मूकबधिर बालिका के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलवर शहर विधायक संजय शर्मा, जिला अध्यक्ष संजय नरूका के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

पुलिस कस्टडी से फरार आरोपी पकड़ा

बौंली। क्षेत्र के मलारना डूंगर थाने से सोमवार को सुबह हिरासत से फरार हुए युवक को पुलिस ने 9 घंटे की मेहनत के बाद पकडने में सफलता हासिल की है एवं ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर ड्यूटी पर तैनात संतरी को निलंबित किया गया है।

जानकारी के अनुसार मलारना डूंगर थाने पर रविवार को खोहरी गांव के ग्रामीणों ने एक युवक उदय सिंह मीणा निवासी माणोली को बालिका को भगाकर ले जाने के संशय में पकडकर पुलिस के सुपुर्द किया था। यह युवक सोमवार को सुबह शौचालय जाने का बहाना बनाकर ड्यूटी पर तैनात संतरी को धक्का देकर फरार हो गया था और यह उसी गांव में लोगों को नजर आया इससे ग्रामीण उत्तेजित हो गए और उन्होंने मलारना डूंगर पुलिस थाने पर प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सवाई माधोपुर सीओ सिटी राजवीर सिंह पुलिस बल के साथ मलारना डूंगर थाने पहुंचे एवं आक्रोशित लोगों को समझा कर पुलिस दल गठित कर आरोपी को पकडने भेजा पुलिस दल ने थाना प्रभारी धनराज मीणा के नेतृत्व में 9 घंटे की मेहनत के बाद आरोपी को पकडकर मलारना डूंगर थाने लाए।

ट्रांसफार्मर चोरी की वारदात करने वाली बावरिया गैंग का एक सदस्य गिरफ्तार

पावटा। जिला जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल ने बताया कि पुलिस थाना विराटनगर क्षेत्र में पिछले दिनों से खेतों में लगे ट्रांसफार्मर से तेल व कॉपर के तारों की चोरी व जरनेटर की चोरी की वारदातें हो रही थी। जिनमें अभियुक्तों को ट्रेस कर गिरफ्तार करने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नवाब खां के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त शाहपुरा सुरेंद्र सिंह कृष्णिया के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी रामअवतार मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया।

टीम द्वारा अथक प्रयास, आसूचना संकलन कर मामले का पर्दाफाश करते हुए बावरिया गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी रामअवतार मीणा ने बताया कि 3 जनवरी 2022 को धर्मेंद्र कुमार कोली पुत्र कालूराम कोली निवासी रामनगर मालकी थाना टेहला जिला अलवर हाल जेईएन विराटनगर ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि 16 दिसंबर 2021 को धोली कोठी व भीलवाडी में अज्ञात चोरों द्वारा कृषि उपभोक्ताओं के खेतों में लगे ट्रांसफार्मर के वाइंडिंग तेल चोरी कर ले गए। जिस पर विराटनगर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अभियुक्तों को ट्रेस आउट करते हुए टीम का गठन कर पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास कर संबंधित अभियुक्त को नामजद कर राजू उर्फ कल्ला उर्फ गिर्राज बावरिया पुत्र स्वर्गीय गोपाल उर्फ गंगाधर बावरिया उम्र 19 साल निवासी चांदपुरा उर्फ लालपुरा थाना प्रतापगढ जिला अलवर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त ने इलाका थाना विराटनगर अमरसर, रेनवाल, रायसर, भाबरु से दर्जनों चोरी की वारदात करना कबूल करते हुए वारदात को अंजाम देने का तरीका बताया कि दिन में रहकर खेतों में लगे फव्वारों के जनरेटर व रात्रि से सुनसान जगह पर स्थित ट्रांसफार्मरों की लाइट को फाल्ट कर ट्रांसफार्मरों को नीचे गिरा कर उसमें से तेल व कॉपर की चोरी कर ले जाते हैं।

वहीं दूसरे मामले में पुलिस मुख्यालय के आदेश अनुसार संपूर्ण जिले में लोकल एवं स्पेशल एक्ट में अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में अधिक से अधिक कार्रवाई करते हुए श्यामपुरा तिराए के पास से मुल्जिम रामनिवास मीणा द्वारा अवैध देशी शराब बेचते हुए पाए जाने पर मुल्जिम रामनिवास मीणा पुत्र जगदीश जाति मीणा उम्र 23 साल निवासी बड़ोदिया थाना मनोहरपुर को गिरफ्तार कर 48 पव्वे देसी शराब के जप्त कर अभियोग संख्या 15/2022 धारा 19/54 राजस्थानी आबकारी अधिनियम 1950 पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान जारी है।

- अन्य मामले में अवैध शराब बेचते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर देशी शराब के 48 पव्वे किये जप्त

विराटनगर थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी करने वाली गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया।

सांभर दरबार स्कूल में विकास के लिये भामाशाहों का रूझान बढ़ा

सांभरझील,(निसं)। प्रदेश सरकार की ओर से सांभर ब्लॉक पर राजकीय दरबार उच्च माध्यमिक स्कूल को इंग्लिश मीडियम स्कूल का दर्जा देने के बाद जहां क्षेत्र के अभिभावकों को बहुत बड़ी राहत मिली है, वहीं इस स्कूल की अनेक प्रकार की गतिविधियों को संचालित करने व विकास के लिये खुले मन से भामाशाहों का भी रूझान देखने को मिल रहा है।

प्रिंसीपल टीकमचन्द मालाकार की ओर से उठाये गये बेहतर कदम व स्कूल प्रशासन की पहल पर विद्यालय विकास के लिये क्षेत्र के भामाशाहों की ओर से आर्थिक व अन्य प्रकार के योगदान के लिये कोई कसर भी बाकी नहीं रखी जा रही है। पूर्व सांसद स्व. डॉक्टर हरिसिंह के पुत्र व फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विद्याधर सिंह चौधरी की खास पहल पर प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री की ओर से सांभर ब्लॉक पर उपरोक्त स्कूल को इंग्लिश मीडियम का दर्जा प्रदान करने के बाद क्षेत्र के अभिभावकों का खुद के बच्चों का सरकारी स्कूल में दाखिला दिलवाने के बाद उनको निजी स्कूलों में जाने से बड़ी राहत भी मिली है। विद्यालय विकास के लिये स्थानीय स्तर पर निजी संस्थाओं का योगदान भी अहम रहा है, वहीं भामाशाहों के अलावा इसी विद्यालय के अनेक शिक्षक व शिक्षिकाओं की ओर से भी आर्थिक व अन्य संसाधन भेंट कर इस स्कूल के विकास के लिये नयी राह भी खोली है। क्षेत्र की सबसे पुरानी व विशाल भू-भाग में फैली राजकीय दरबार स्कूल को इंग्लिश मीडियम का दर्जा मिलने के बाद अब नयी पहचान भी स्थापित करने का मौका मिला है। विद्यालय विकास के लिये स्वेच्छा से आगे आकर हर प्रकार का योगदान देने वाले भामाशाहों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। भामाशाहों के इसी क्रम में वर्ष 1996 में इसी विद्यालय में अध्यनरत रहे हितेश शर्मा, अतुल अजमेरा, कृष्णमोहन शर्मा, दीपक गोठरवाल, आशीष शर्मा, आशीष जैन, मनीष सैन, महेश राठौड, सुरेश पारीक, अजय अग्रवाल ने स्कूल प्रशासन की ओर दो कक्षा के विद्यार्थियों के लिये करीब 1 लाख 25 हजार की लागत के डबल सीटर टेबल-बैंच भेंट कर साथ ही इन पूर्व विद्यार्थियों के समूह की ओर से प्रतिवर्ष विद्यालयों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के सहयोग का आश्वासन भी दिया।

- वर्ष 1996 बैच के छात्र समूह ने 1 लाख 25 हजार का फर्नीचर भेंट किया

दिल्ली से गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी पहुंची अलवर

अलवर, (निसं)। नाबालिग से हुई दर्दनाक घटना के विरोध में मंगलवार को दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी का प्रतिनिधि मण्डल अलवर पहुंचा। सबसे पहले टीम घटना स्थल पर पहुंची। इसके बाद चेताया कि सरकार ने नाबालिग के साथ न्याय नहीं किया तो दिल्ली तक आंदोलन किया जाएगा।

दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की मेंबर व शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली प्रेसिडेंट रंजीत कौर ने कहा कि नाबालिग से दर्दनाक घटना हुई है। पहले पुलिस ने गैंगरेप होना बताया। जब सरकार पर दबाव पड़ा तो इसे एक्सीडेंट बताया जाने लगा है। नाबालिग को न्याय मिलना चाहिए। इस मामले में सरकार ने लापरवाही की है। आगे भी लापरवाही की गई तो दिल्ली तक आंदोलन किया जाएगा। सडकों पर आंदालन होगा। सिख समाज ही नहीं सर्व समाज इसके विरोध में उतरेगा।

कौर ने कहा कि विमन विंग की पूरी टीम अलवर पहुंची है। पूरा सिख समाज बेटी के परिवार के साथ है। परिवार को न्याय मिलना चाहिए। ऐसा किसी भी समाज की बेटी के साथ हो सकता है। जब खुद के परिवार पर आती है तब दिल दहल जाता है। वैसे ही इसे अपनी बेटी समझकर न्याय दिलाने आए हैं।

- चेताया-सरकार ने नाबालिग के साथ न्याय नहीं किया तो दिल्ली तक आंदोलन किया जाएगा

मार्बल खान ढहने से डंपर चालक की दर्दनाक मौत

राजगढ़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के टहला दौसा मार्ग पर धोली खान के पास मार्बल खान ढहने से डंपर चालक की दर्दनाक मौत हो गई वहीं मलबे में डंपर भी दब गया।

इस हादसे की सूचना से आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार प्रात: सनसनी फैल गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के धोलीखान के समीप हितेश अग्रवाल की दीपक माइनिंग की खान अचानक ढहने से खान के अंदर डंपर चालक मदन उर्फ बोधन मीना 40 वर्ष पुत्र प्रभाती लाल निवासी बेरली की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं डंपर भी पत्थरों के नीचे दब गया। इस हादसे की सूचना पर एसडीएम राजगढ़ केशव कुमार मीणा एवं लक्ष्मणगढ़ उपाधीक्षक, राजगढ़ एसएचओ सहित आसपास के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। करीब चार-पांच घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी व पोकलेन मशीनों के माध्यम से डंपर में फंसे चालक को बाहर निकाला जा सका।

इसके बाद मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर मुआवजे की मांग को लेकर सड़क मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया।

इस कारण राजगढ़ दौसा सडक मार्ग करीब 2 घंटे तक बंद रहने से वाहनों की कतारें लग गई। इधर पुलिस प्रशासन एवं खनन मालिकों के मध्य आपसी संदेश के बाद परिजन शव को हटाने पर राजी हुए। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को सामुदायिक चिकित्सालय में ले जाकर पोस्टमार्टम कराया एवं लाश परिजनों को सौंप दी। इस मामले की रिपोर्ट मृतक के भाई भोपाल मीणा निवासी बेरली थाना दुंदपुरी ने टहला पुलिस को सौंपी।

- परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर लगाया जाम

राजगढ़ के टहला दौसा मार्ग पर धोली खान के पास मार्बल खान ढहने से डंपर चालक की मौत होने पर परिजनों व ग्रामीणों ने राजगढ़-दौसा सड़क मार्ग करीब 2 घंटे तक जाम किया।

राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मालाखेडा/अलवर। मूक बधिर नाबालिग पीडिता को 7 दिन गुजर जाने के बाद भी अपराधियों को पुलिस प्रशासन द्वारा नहीं पकड़ा गया।

इस संदर्भ में भाजपा मंडल मालाखेडा और उमरैण अकबरपुर मण्डल व एम. आई. ए. गुंदपुर मण्डल के कार्यकर्ताओं द्वारा मण्डल अध्यक्ष मालाखेडा अशोक तिवाडी, उमरैन अकबरपुर मण्डल अध्यक्ष तुलसीदास नवालिया व जिला मंत्री विष्णु शर्मा , पूर्व विधायक अलवर ग्रामीण जयराम जाटव के संयुक्त नेतृत्व में तहसील पर धरना प्रदर्शन किया गया और इसके पश्चात एसडीएम को राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया ।

ज्ञापन में मांग की गई की इस कुक्रत्य में सम्मिलित आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए। जिससे राजस्थान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, बलात्कार व गैंगरेप की घटनाओं को रोका जा सके। इस घटना की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई। इस प्रकार की घटनाओं को उदासीनता से लेने वाले अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को सबक सिखाने का कार्य जनता करेगी।

हल्दीना में सैनिक स्कूल का सपना अब पूरा होने वाला है: जूली

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एवं कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव हल्दीना में सैनिक स्कूल के लिए 23.59 हैक्टेयर जमीन नि:शुल्क मिलने से यहां निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर जिला कलेक्टर अलवर ने जमीन से सम्बन्धी आवंटन के आदेश जारी किए हैं। मंत्री जूली ने बताया कि पूर्व केन्द्रीय जितेन्द्र सिंह के प्रयासों से हल्दीना में सैनिक स्कूल का सपना अब पूरा होने वाला है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर जिला कलक्टर ने सैनिक स्कूल सोसायटी नई दिल्ली को हल्दीना में आरक्षित 23.59 हैक्टेयर भूमि नि:शुल्क आवंटन के निर्देश जारी कर दिए है। उन्होंने बताया कि 6 महिने में स्कूल का निर्माण कार्य शुरू होकर आगामी 2 वर्ष की अवधि में इसे पूरा किया जा सकेगा। सैनिक स्कूल के लिए जमीन आवंटन के लिए ग्रामीणों ने मंत्री जूली का आभार जताते हुए मिठाई बांटकर खुशी व्यक्त की।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने ली बैठक

किशनगढ़ बास। एसडीएम ओम प्रकाश सहारण ने मुख्यालय पर आयोजित होने वाले उपखंड स्तरीय गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पंचायत समिति के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में एसडीएम ओमप्रकाश सहारण ने मुख्यालय पर राजकीय सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होने वाले उपखंड स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर चर्चा की और अधिकारियों को कोविड गाइडलाइन के तहत कार्यक्रम आयोजित कराने के लिए निर्देशित किया।बैठक में ध्वजारोहण वीरांगनाओं का सम्मान सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजकीय कार्मिकों एवं समाजसेवी व्यक्तियों का सम्मान सुरक्षा व्यवस्था आदि को लेकर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी गई। बैठक में थाना अधिकारी अमित कुमार ईओ पवन शर्मा बीडीओ मुकेश माहोर, विद्युत विभाग के सहायक अभियंता दिनेश भडाणा महेंद्र कुमार शिक्षा विभाग, प्रधानाचार्य प्राचार्य गीता देवी डिग्री कॉलेज खैरथल आदि विभागों के अधिकारी गण मौजूद रहे।

सार-समाचार

मां की याद में विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे

सांभरझील। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पीपला की ढाणी तन बरडोटी में सोमवार को नागा परिवार की तरफ से जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर प्रदान किये गये। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य बनवारीलाल यादव ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना भी पुण्य का काम ही होता है उन्होंने कहा कि समाजसेवी पवन कुमार नागा ने अपनी मां की याद में विद्यार्थियों को स्वेटर भेंट किये है। इस मौके पर राजकुमार नागा, शिक्षक सोहनलाल चौधरी, महेशचन्द कुमावत, सुरेश कुमार शर्मा, मेवाराम गुर्जर, बजरंगलाल रैगर, आंबनबाडी कार्यकर्ता ललितादेवी, आशा सहयोगनी पुष्पादेवी उपस्थित रही।

कोविड सहायता सामग्री बांटी

फागी। उपखंड क्षेत्र की हरसूलिया पंचायत मुख्यालय पर संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर में मंगलवार को सेव दा चिल्ड्रन संस्था के बैनर तले एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर सरपंच दयाल सैनी ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोरोना जैसी महामारी में क्षेत्र के लोगों की मदद करने से बड़ा पुण्य कार्य नहीं हो सकता, संस्था प्रतिनिधि रामनिवास राजावत ने बताया कि फागी तहसील के 130 गांव में कोवीड से बचाव में सुरक्षा के लिए ग्राम स्तर पर कोर समिति का गठन किया गया। उन्हें कोराना से बचाओ हेतु प्रशिक्षित किया गया कोविड टीकाकरण से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए टीकाकरण हेतु प्रेरित करने की जानकारी दी, इसके साथ स्प्रे हेतु मशीन डिजिटल थर्मामीटर थर्मल गन प्लस ऑक्सीमीटर साबुन मास्क प्रदान किए जा रहे हैं। सेव द चिल्ड्रन कार्यक्रम के अधिकारी पंकज कुमार तिवारी ने बताया कि इन प्रश्नों का उद्देश्य संक्रमण फैलाने से रोकना है। इस दौरान परियोजना अधिकारी सीताराम शर्मा प्रशिक्षण करता शिव नारायण चौधरी रामनिवास राजावत सरपंच दयाल राम सैनी उर्मिला शर्मा इंदिरा शर्मा बुरी देवी आंगनवाड़ी कार्य में उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मरों से तांबा और तेल चुराया

निवाई। सोमवार की देर रात को गांव बरोनी में चोर ने तीन ट्रांसफार्मरों से तांबा और तेल चुराकर ले गए। जिससे करीब 200 घरों की बिजली गुल रही। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के जेईएन आसिफ खान को ट्रांसफार्मर की चोरी की जानकारी दी। कनिष्ठ अभियंता ने बरोनी पहुंचकर ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी। कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि सोमवार की रात को बरोनी के बैरवा मौहल्ले में पोल पर लगे दो विद्युत ट्रांसफार्मरों तथा शिवाड रोड पर लगे एक ट्रांसफार्मर को चोरों ने चालू लाईन से नीचे गिरा दिया और तांबा और तेल निकाल कर भाग गए। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की रात में तीन ट्रांसफार्मर चोरी होने से गांव के सैकडों घरों में बिजली बंद है। जेईएन आसिफ खान ने बताया कि बरोनी और मोटूका में 5 ट्रांसफार्मर चोरी होने पर मंगलवार को बरोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी है।

राजस्थान सरकार का आभार जताया

बोराज। प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव मुकेश वर्मा के नेतृत्व्य में राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व स्वायत्त शासन मंत्री शान्ति धारीवाल को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कुमावत समाज के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त गौरव गोयल से मुलाकाल की। प्रतिनिधि मण्डल ने कुमावत समाज को मालवीय नगर में भवन हेतु अतिरिक्त दर पर आवंटन करने पर राजस्थान सरकार का आभार जताया। इस अवसर पर समाज भवन के अध्यक्ष हरीश पारमवाल ,उपाध्यक्ष नंदलाल कुमावत ,कोषाध्यक्ष रामगोपाल नीमीवाल ,सचिव सुरेश धुमनिया ,कुमावत युवा शक्ति जयपुर मीडिया प्रभारी नीरज कुमावत ,नवल कुमावत मालवीय नगर निगम विकास समिति अध्यक्ष रमेश गैदर ,सचिव गौरव अजमेरा ,भामाशाह भींवाराम पन्नालाल ,आर्किटेक्ट व सर्वेयर मंगलचन्द कुमावत ,जेडीए उपायुक्त दामोदर कुमावत भी उपस्थित रहे ।

विष्णु मित्तल 5 राज्यों के चुनाव प्रबंधन कमेटी में शामिल

कोटपूतली। देश के 5 राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रबंधन कमेटी में कोटपूतली निवासी एवं दिल्ली भाजपा प्रदेश के कोषाध्यक्ष विष्णु मित्तल को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष सहित पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों ने विष्णु मित्तल पर विश्वास जताते हुये उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, पंजाब और गोवा में होने वाले विधानसभा चुनावों के सफल क्रियान्वयन एवं प्रबंधन को लेकर मित्तल को शामिल किया है। मित्तल को उक्त कमेटी में शामिल किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए आलाकमान का आभार व्यक्त किया।

फरार दो आरोपी गिरफ्तार

निवाई। सदर थाना पुलिस ने दो वांछित फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना अधिकारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश के अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाष चंद्र मिश्रा व पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा के निर्देशन में अवैध बजरी खनन और परिवहन के मामले में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 5 माह से फरार आरोपी सूरजमल बैरवा निवासी त्रिलोकपुरा थाना चाकसू को एएसआई बिरधीचन्द की टीम ने गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार अवैध बजरी खनन परिवहन के मामले में 3 माह से फरार आरोपी रामकरण मीणा निवासी बगरिया थाना शिवदासपुरा को एएसआई सूरजमल की टीम ने गिरफ्तार किया है।

दोपहर बाद धूप निकलने से मिली राहत

निवाई। शहर सहित उपखंड मुख्यालय के गांवों में पिछले एक सप्ताह से हो रहे घने कोहरे के साथ हो रही कडाके की सर्दी से मंगलवार को भी जन-जीवन प्रभावित रहा। पिछले एक समाप्त से पड रही कडाके की सर्दी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। जिससे बचाव के लिए लोग कंबलों के उपयोग करने के साथ दिन भर अलावों पर जमे रहते है। इसी प्रकार सरकारी कार्यालयों में भी सर्दी के चलते कर्मचारी अलावों पर तपते रहते है एवं गरम चाय कोफी, चाट-पकोडी सहित कई गर्म खाद्य पदार्थों का उपयोग कर रहे है। सर्दी के चलते सूर्य देव के दर्शन के लिए लोग तरस गए इस दौरान मंगलवार को शाम करीब 3 बजे सूर्य की किरणें दिखाई दी है। जिससे राहत महसूस की।

कार पलटने से चार घायल, दो रैफर

निवाई। भगवतदास मेमोरियल स्कूल के पास मंगलवार को एक कार पलटने से चार लोग घायल हो गए। लोगों की सूचना पर थानाधिकारी अजय कुमार मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया मंगलवार की शाम करीब पांच बजे एक तवेरा कार से 4 लोग शिवाड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान भगवतदास मेमोरियल स्कूल के पास चलती कार का व्हील निकल गया और कार दो तीन बार पलट गई। जिससे कार में सवार रमेश योगी निवासी शिवाड, फिरोज निवासी जनता कॉलोनी टोंक रोड, चिरंजीलाल निवासी शिवाड और दीपू माली निवासी कस्बा निवाई घायल हो गए। सभी घायलों को एम्बुलेंस से राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया जहां फिरोज व रमेश की हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने उनको जयपुर रेफर कर दिया।

कोटपूतली में 58 पॉजिटिव मिले

कोटपूतली। कोरोना महामारी संक्रमण का खतरा कोटपूतली ब्लॉक में लगातार बढ रहा है। जहां प्रतिदिन लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। वहीं इसको लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन सहित चिकित्सा विभाग भी काफी सतर्क दिखाई दे रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना की तीसरी लहर के बीच मंगलवार को क्षेत्र में 58 मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटीव प्राप्त हुई है। बीसीएमएचओ डॉ. रामनिवास यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्लॉक में तीसरी लहर के दौरान अब तक 382 लोगों की रिपोर्ट पॉजीटीव प्राप्त हो चुकी है। जिनमें से 295 मरीज एक्टिव हैं।

संक्षिप्त

सड़क सुरक्षा अभियान के पोस्टर का विमोचन

मालपुरा। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान व महिला सशक्तिकरण फाउण्डेशन नेहरू युवा केन्द्र टोंक एवं नेहरू नवयुवक मंडल बृजलाल नगर के संयुक्त तत्वाधान में सड़क सुरक्षा जन जागरूकता अभियान चलाये जाने की कार्य योजना को लेकर मंगलवार को एएसपी राकेश कुमार बैरवा ने व्यास सर्किल पर पोस्टर का विमोचन किया। संयोजक नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि अभियान के अन्तर्गत सडक हादसो से वाहन चालको को बचाने के लिए उन्हे जागरूक करने के साथ-साथ यातायात नियमो की जानकारी दी जायेगी। साथ ही जागरूकता को लेकर पोस्टर बैनर के साथ-साथ रैली निकाली।

अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

मालपुरा। डिग्गी थाना पुलिस ने मंगलवार को दौराने गश्त प्रतापपुरा के पास से गुजर रहे अवैध बजरी से भरे ट्रेक्टर-ट्रोली को जप्ती की कार्यवाही की। डिग्गी थानाधिकारी ने बताया कि अवैध बजरी खनन व परिवहन पर रोकथाम को लेकर एसपी के आदेशों पर एवं एएसपी राकेश कुमार बैरवा व डीवाईएसपी सुशीलमान के निर्देशों की पालना में मंगलवार को कार्यवाही करते हुए प्रतापपुरा के पास से अवैध बजरी से भरे ट्रेक्टर-ट्रोली को जप्त कर सुरक्षार्थ थाना परिसर में खडा करवाया गया तथा मौके से शंकर गुर्जर निवासी डेचवास को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया।

पौषबड़ा का आयोजन

पावटा। निकटवर्ती ग्राम पंचायत सुदरपुरा ढाढा की पहाड़ियों के मध्य बियाबान जंगल में स्थित नाडा वाले हनुमान मंदिर में मंगलवार को मंदिर महंत बिहारीदास महाराज के सानिंध्य में पोषबडा के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं नाडा वाले हनुमान मंदिर की विशेष बात यह है कि यहां पिछले पांच साल से अखंड रामायण पाठ अनवरत रूप से जारी है। जिसमें पाठ करने वालों ने बताया कि वैसे तो प्रभु की इच्छा तक पाठ जारी रहेंगे लेकिन भक्तों ने अगले पचास साल तक अपना अपना समय तय कर रखा है। कार्यक्रम में पंगत प्रसादी ग्रहण की।

निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं 21 से

कोटपूतली। स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय में आगामी 21 जनवरी से इतिहास विषय की स्कूल व्याख्याता, (इतिहास) की प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग कक्षाऐं प्रारम्भ की जायेंगी। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ.राजेन्द्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इन कक्षाओं में इतिहास विषय के सहायक आचार्य सज्जन सिंह यादव एवं अशोक सिंह द्वारा अध्यापन करवाया जायेगा। कक्षा का समय प्रति कार्य दिवस दोपहर 2 बजे से सांय 5.00 बजे तक रहेगा।

विद्यालय में कुर्सियां भेंट की

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कायमपुराबास के राजकीय माध्यमिक विद्यालय को भामाशाह सेवानिवृत व्याख्याता कृष्ण सिंह पुत्र नन्नू सिंह द्वारा करीब 20 हजार रूपये कीमत की 10 विजिटर कुर्सियां भेंट की गई। इस मौके पर मनोज कुमार, शिवपाल, रामबीर यादव, सुनील कुमार, अमित सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अलवर गैंगरेप पीड़िता व परिवार को न्याय दिलाने की मांग

पावटा, (निसं)। अलवर में मूकबधिर लडकी से अमानवीय घटना के मामले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के निर्देशों पर कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा व पावटा पंचायत समिति प्रधान पूजा चौधरी के नेतृत्व में प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, पावटा भाजपा बालाजी मंडल अध्यक्ष प्रकाश राठी,

- भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष जयराम सिंह शेखावत, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कैलाश ताखर सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अलवर की पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम पावटा उपखंड कार्यालय तहसीलदार मुकेश अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में दोषियों की जल्द गिरतारी सहित पीड़िता को उचित मुआवजे की मांग रखी। रैली के दौरान पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा ने बताया कि हाल ही में अलवर में मूक बधिर बालिका के साथ हुई अमानवीय घटना मामले में कई दिन निकलने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस द्वारा अब तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है जिस को लेकर लोगों में रोष है। इसके साथ ही दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और पीडिता को उचित मुआवजे की मांग की है। वही पावटा पंचायत समिति प्रधान पूजा चौधरी ने बताया कि प्रदेश में अमानवीय घटनाओं सहित आपराधिक घटनाएं बढ रही हैं। उनको लेकर सरकार को जल्द ही ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। ऐसे में उन्होंने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप राज्य सरकार को जल्द ही इस ओर कार्रवाई करने के निर्देश प्रदान करने की मांग की है। पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी ने बताया कि प्रदेश में अपराध बढ रहा है तथा कानून व्यवस्था फैल होती हुई नजर आ रही है। आए दिन हत्या, लूट, महिला उत्पीडन, दुष्कर्म जैसी घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है लेकिन कांग्रेस सरकार इन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। जल्द ही इस दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। वहीं किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कैलाश ताखर ने साफ शब्दों में कहा कि अगर सरकार इस मामले पर गंभीरता नहीं दिखाएगी तो आने वाले समय में उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर एससी मोर्चा जिला महामंत्री बद्री प्रसाद चौहान, वीरेंद्र राठी, हितेंद्र लाटा, मंडल उपाध्यक्ष मोहन यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रागपुरा शंकर पंडित, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष निधि चौधरी, काशीराम लंबोरा, शिवकुमार शर्मा, राहुल गोयल, बागावास पंचायत समिति प्रत्याशी हरि चोरिया, कृपाल सिंह शेखावत, मनोहर सिंह शेखावत, बूथ अध्यक्ष हरसहाय यादव, सज्जन चौधरी, गिरिराज ओला, कृष्ण ओला, हिमांशु गौड सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व महिला कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पावटा में भाजपाइयों ने अलवर गैंगरेप मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला जलाया।

सुनार की दुकान से सोने चांदी से भरी तिजोरी को पिकअप में लोड कर ले गये चोर

नारायणपुर, (निसं)। इन दिनों उपखण्ड क्षेत्र में चोर इस तरीके से बेखौफ हो रहे हैं कि गत रात्रि को ग्राम पंचायत मुण्डावरा में चोरों ने एक सुनार की दुकान को निशाना बनाते हुए सोने, चांदी के आभूषणों से भरी तिजोरी को पिकअप में लोड कर ले गए।

जानकारी के अनुसार विजय सोनी निवासी कराणा गत 3 वर्षों से गांव मुण्डावरा में किराये की दुकान में सुनार का कार्य करता था बीती रात को चोरों ने उनकी दुकान की शटर के तालों को गैस कटर से काटकर तिजोरी में रखी 3 किलो चांदी व 10 ग्राम सोने के आभूषण तिजोरी सहित पिकअप में सवार कर पार कर ले गए। जिनकी कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रूपये बताई जा रही है।

दुकानदार को चोरी की सूचना सुबह साढे 7 बजे दुकान मालिक द्वारा फोन से दी गई थी। चोरी की सूचना पर नारायणपुर थानाधिकारी अजयसिंह शेखावत सहित थानागाजी सीओ आदित्य पूनिया ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया व अलवर से एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। दुकानदार ने चोरी के संबन्ध में पुलिस में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं, जिसमें सवार लोग रात के करीब ढाई बजे पिकअप में तिजोरी ले जाते दिख रहे हैं।

सार-समाचार

मूकबधिर बालिका को न्याय दिलाने की मांग

टोंक, (निसं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जिला इकाई के कार्यकर्ताओं ने अलवर में दरिंदगी की शिकार हुई मूकबधिर बालिका के प्रकरण में पीड़िया को न्याय दिलाने की मांग को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा, प्रदीप गौरा, दयाराम जाट, लक्ष्मण, कल्याण जाट, गणेश, मुकेश पुनिया आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि अलवर जिले में मूकबधिर नाबालिग के साथ जिस प्रकार दरिंदगी हुई उससे मानवता तार-तार हुई है, इस गंभीर प्रकण में राजस्थान की जनता की जनभावनाओं के अनुसार मांग की है कि प्रकरण में सीबीआई जांच कराने की बात राज्य सरकार ने की हैं, परन्तु सीबीआई जांच आवश्यक रुप से हो, उसकी सुनिश्चितता की जाएं, क्योकि पूर्व में ऐसे कई मामले सीबीआई के पास गए, परन्तु उसकी जांच सीबीआई ने शुरु तक नहीं की। पीडिता के परिजनों को 50 लाख का आर्थिक पैकेज दिया जाए। पीड़िता व उसके परिजनो को उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जाएं। मानसिक विकृति से पीडित अपराधी बालक बालिकाओं के साथ ऐसे कुकृत्यो को अंजाम दे रहे है, ऐसे में इस प्रकार अपराधो की रोकथाम के लिए मनोवैज्ञानिक व मनोचिकित्सकों के मार्गदर्शन में जनजागरण अभियान चलाया जाएं।

पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

चाकसू। उपखंड की ग्राम पंचायत टूटोली में रिया कोचिंग क्लासेज के तत्वावधान में वार्षिक उत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता टूटोली सरपंच राधामोहन शर्मा ने की। समारोह में मुख्य अतिथि माधोराजपुरा पंचायत समिति प्रधान अभिषेक गोठवाल, चाकसू पूर्व सरपंच बद्रीनारायण चौधरी, करेडा सरपंच राजेश चौधरी, के प्रदेशमंत्री बाबूजी रेहडा, डिवाइन चिल्ड्रन अकेडमी बोराज के निदेशक दामोदर शर्मा, डायनेमिक स्कूल ऑफ साइन्स बोराज के निदेशक मुकेश कुमावत रहे। रिया कोचिंग क्लासेज के संचालक कृष्ण कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। जिसमें रिया प्रतिभा खोज परीक्षा 2022 में प्रथम 50 स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कोचिंग के विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। अतिथियों ने रिया कोचिंग क्लास में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया व सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया।

कौशल विकास दिवस मनाया

चाकसू। नेहरू युवा केंद्र जयपुर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ब्लॉक चाकसू में कौशल विकास दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि पार्षद ममता मीणा और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अनिल कुमार शर्मा, स्वामी विवेकानन्द युवा मण्डल के अध्यक्ष कमलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष दीपक शर्मा महासचिव महेश शर्मा सदस्य उमाशंकर शर्मा योगेंद्र शर्मा रूपनारायण शर्मा आदि मौजूद रहे। पार्षद मीणा ने कौशल विकास के बारे में बताया अनिल कुमार शर्मा ने युवा केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी और ग्रामीण महिलाओं और युवतियों को नेहरू युवा केंद्र के होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी। हम किस प्रकार रोजगार पा सकते है ओर अध्यक्ष कमलेश शर्मा ने भी कौशल विकास दिवस के बारे में बताया ओर कहा की आज का दिन युवाओं के लिए बहुत ही मायने रखता है क्योंकि इसे युथ स्किल्ड डे के रूप में पूरे भारत भर में मनाया जाता है। तरह-तरह की स्किल्स के बारे में बात की जाती है उनको आगे बढ़ाने की योजनाओं पर विचार होता है और इससे रोजगार के भी अवसर बढ़ते हैं।

शराब सेल्समैन से लूट मामले में तीन बालक निरूद्ध

पावटा। शहर के प्रागपुरा थाना पुलिस ने गांव सुदरपुरा में शराब ठेके पर लूट मामले का राज पास करते हुए तीन विधि से संघर्षरत बालक निरुद्ध करने में सफलता प्राप्त की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नवाब खां ने बताया की ग्राम सुदरपुरा में शराब ठेके के सेल्समैन की कनपटी पर पिस्टल लगाकर डेढ लाख रुपए व मोबाइल लूट की गंभीर घटना को देखते हुए इस लूट का राज खोलने के लिए अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली सुमित गुप्ता के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली संध्या यादव के सुपरविजन व प्रागपुरा थाना प्रभारी हवा सिंह यादव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने पूर्व में 1 जनवरी को अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र हरिराम जाति गुर्जर उम्र 19 साल निवासी तालवा थाना प्रागपुरा जिला जयपुर को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की थी। वहीं 18 जनवरी टीम ने तीन विधि से संघर्षरत बालक निरुद्ध करने में सफलता प्राप्त की।

मनरेगा कार्य स्थल का निरीक्षण किया

मालपुरा। मंगलवार को अजमेर संभाग स्तरीय टीम ने लाम्बाहरिसिंह पहुंच मनरेगा कार्य स्थल का निरीक्षण किया। टीम के अचानक कार्य स्थल पर पहुंच जांच करने पर कई श्रमिकों के पास औजार नहीं मिलने पर टीम ने श्रमिकों को तत्काल घरों के लिए रवाना किया। जिला परिषद एईएन आरपी शर्मा के साथ मालपुरा एईएन महेन्द्र कुमार जैन, रवि वैष्णव, सरपंच गीता देवी, सीआर रूपचंद आकोदिया, नरेगा सचिव शारदा शर्मा ने ठेकेदार शिवराज चौधरी आदि के साथ मौका निरीक्षण कर श्रमिकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। प्रदेश में सर्वाधिक मनरेगा श्रमिक लाम्बाहरिसिंह पंचायत में कार्य करने व ज्यादा से ज्यादा मस्टरोल स्वीकृतियों को मध्य नजर रखते हुए संभाग स्तरीय दल ने लाम्बाहरिसिंह का दौरा किया।

भीख मांगने वाले 10 बच्चे टीबी से पीड़ित मिले

अलवर, (निसं)। फतेह जंग गुम्बद के पीछे लोहा मंडी में लुहार परिवारों के बीच चल रहे स्कूल में भीख मांगने वाले बच्चों के लिए लगाए चिकित्सा शिविर में 10 बच्चे टीबी संक्रमित मिले।

- लुहार परिवारों के भीख मांगने वाले बच्चों के लिए लगाए चिकित्सा शिविर

आप साथ दो सेवा समिति की ओर से यहां ऐसे बच्चों के लिए चलाए जा रहे स्कूल में नेक कमाई समूह की ओर से नीर फाउंडेशन महाराष्ट्र के सहयोग से चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस शिविर में चिकित्सकों की टीम ने इन बच्चों का पूरा स्वास्थ्य परीक्षण किया व दवाईयां दी। इसमें से गंभीर 10 बच्चों का टीबी का इलाज किया जाएगा तथा अन्य चिह्नित बच्चों की निशुल्क चिकित्सा होगी। इस अवसर पर बच्चों को डॉ. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट की ओर से जर्सियां वितरित की गई और स्टेशनरी प्रदान की।

शिविर का उद्घाटन राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी.यादव ने किया। उद्घाटन समारोह में नीर फाउंडेशन के पदाधिकारी रमेश ओटी, रमेश सिंह और चिकित्सक डॉ. के. पी. सिंह सहित आप साथ सेवा समिति के पदाधिकारियों व शिक्षकों को सम्मानित किया गया। नेक कमाई समूह की ओर से मुख्य ट्रस्टी अभिषेक तनेजा ने बताया कि इन बच्चों के पढ़ने के लिए स्कूल भवन बनाने के लिए जमीन के प्रयास सफल हो गए हैं जो चिह्नित हो गई है। मत्स्य विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव आशुतोष शर्मा ने मंच संचालन करते हुए बताया कि शिविर में 100 से अधिक बच्चों की चिकित्सा की गई। आप साथ दो सेवा समिति की ओर से संरक्षक डॉ.पंकज गुप्ता और कैप्टन उमराव लाल सैनी ने इन बच्चों की समस्याओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सेवा भावी कार्यों के लिए दिनेश किराड, हेमंत यादव, हरविन्द अनेजा और सतीश वर्मा सहित इन जरूरत मंद बच्चों को पढाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में नेक कमाई समूह की ओर से अमित छाबडा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर ज्ञापन दिया

टोंक, (निस)। पं. दीनदयाल उपाध्याय भाजपा शहर मंडल टोंक के कार्यकर्ताओं ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं महिला उत्पीडन की संख्या में बढ़ोतरी के विरोध में राज्यपाल के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

मंडल के अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन के नेतृत्व में शहर महामंत्री, तरुण टिक्कीवाल, रामावतार मेहरा, भाजपा वरिष्ठ नेता जयनारायण वर्मा, तारिक अजीज, विष्णु चावला, अमजद खान पार्षद, नफीस मंत्री, मोसिन खान, मनोज वाल्मीकि पार्षद, सीताराम चावला, विजय चावला आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि अलवर जिले में मूकबधिर बालिका के साथ सामूहिक बलात्कार किया है, जिसकी जांच को जानबूझ कर भटकाया गया और पीड़िता को न्याय दिलाने में सरकार असक्षम रही। देश में सर्वाधिक महिला अपराध राजस्थान में हो रहे हैं, फिर राज्य सरकार अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। भाजपाईयों ने मांग की है कि अलवर जिले में मूकबधिर बालिका के साथ गैंगरेप की घटना की निष्पक्ष जांच की जाएं और अपराधियों को उचित दंड दिया जाएं। संबंधित अधिकारियों को तुरंत बर्खास्त किया जाएं। राज्य सरकार द्वारा प्रशासन शहरो के संग अभियान के तहत टोंक नगर परिषद द्वारा समय पर जनता को पट्टे नही दिए जा रहे है और पट्टे के नाम पर प्रशासन द्वारा खूली लूट की जा रही है। इस मामले में सरकार उचित कार्यवाही कर जनता को राहत प्रदान करें।

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं महिला उत्पीड़न की संख्या में बढ़ोतरी के विरोध में भाजपाइयों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया।

युवक की हत्या कर सरसों के खेत में फेंका शव

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पनियाला में एक युवक की अज्ञात लोगों द्वारा धार-दार हथियार से हत्या कर देने का मामला सामने आया है।

थाना प्रभारी इन्द्राज सिंह ने बताया कि दोपहर बाद सूचना मिली थी कि राजमार्ग स्थित हिरामल बाबा के मन्दिर के पास एक सरसों के खेत में एक युवक का शव पड़ा है जिस पर थाना प्रभारी ने मैय जाप्ता घटना स्थल पहुंच कर मामले की जानकारी पुलिस उच्च अधिकारियों को दी। जिस पर एएसपी नवाब खां, सरूण्ड थाना प्रभारी दिलीप सिंह व प्रागपुरा थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

इधर युवक का शव पड़ा होने की सूचना के बाद बडी संख्या में घटना स्थल पर ग्रामीण इक्ट्ठा हो गये। इस दौरान मृतक की पहचान गिरिराज पुत्र रामशरण पोसवाल निवासी पनियाला के रूप में हुई। पुलिस ने घटनाक्रम का जायजा लेते हुए एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया जहां एफएसएल टीम के घटना स्थल से अहम साक्ष्य जुटाने के बाद मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए यहां के बीडीएम अस्पताल के मुर्दा घर में रखवाया है। मृतक के शरीर पर धार-दार हथियार के निशान मिले है।

मृतक का बुधवार को मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जायेगा। सुत्रों के हवाले से खबर है कि पुलिस ने देर रात तक कई लोगों को हिरस्त में लेकर पुछताछ शुरू कर दी है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए 14 जोड़ों का पंजीयन हुआ

फुलेरा। कस्बे के निकट स्थित धार्मिक स्थल बन्धे बालाजी मन्दिर के पास श्री ब्रह्म प्रजापति समाज धर्मशाला में सोमवार को प्रात: 11 बजे प्रजापति समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति की एक बैठक का आयोजन समिति अध्यक्ष कन्हैयालाल मारवाल की अध्यक्षता में किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष धन्ना लाल प्रजापति ने बताया कि बैठक में आगामी 5 फरवरी बसंत पंचमी को आयोजित होने वाले समाज के आठवें सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर चर्चाएं की गई। गौरतलब है कि वहीं बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को राज्य सरकार की एडवाइजरी के अनुसार आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसकी व्यवस्था को लेकर विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गई। । वहीं आगे जानकारी देते हुए बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन हेतु समिति के द्वारा 14 जोड़ों का पंजीयन किया जा चुका है। जबकि 31 जोड़ों का लक्ष्य लिया गया था। बैठक के दौरान धन्ना लाल प्रजापति, हुक्माराम, गोपाल लाल, रामअवतार, बाबूलाल प्रजापति, कैलाश चन्द, कालूराम, ओमप्रकाश सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

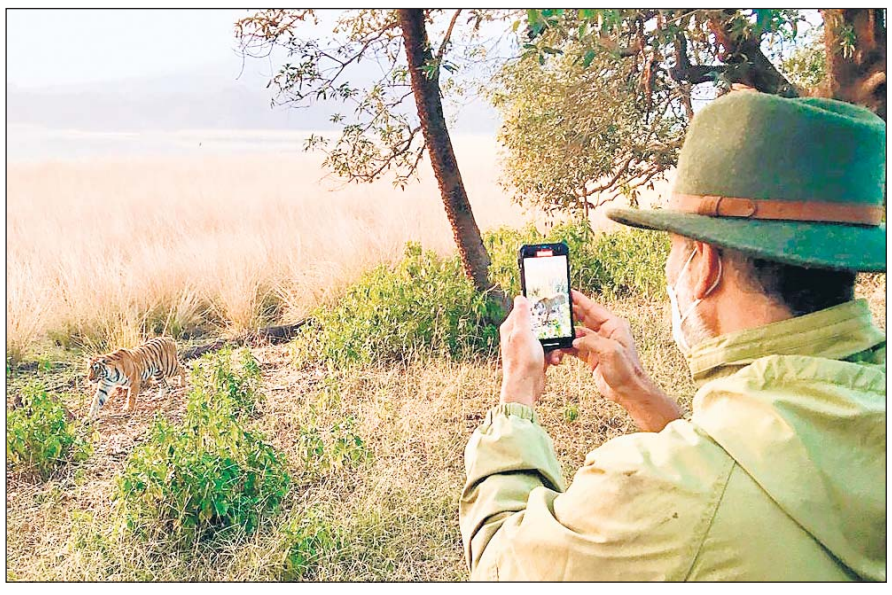

बॉलीवुड फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार मंगलवार को सुरक्षा लवाजमे के साथ रणथंभौर से सड़क मार्ग से 3 दिन प्रवास के बाद रवाना हुए। अक्षय रविवार को परिवार के साथ रणथंभौर पहुंचे थे। अक्षय कुमार अपनी पत्नी टिंवकल खन्ना, बेटे आरव एवं बेटी नितारा के साथ अपनी मैनेजर को लेकर रणथंभौर रोड स्थित होटल शेर बाग में ठहरे हुए थे। सोमवार को उनकी शादी की 21 साल गिरह थी। इस दौरान पत्नी टिंवकल के साथ बैठकर समय बिताते नजर आये। दोनों ने एक दूसरे को शादी के 21 वीं साल गिरह की शुभकामनाएं दी। । जिसके बाद दोपहर समय अक्षय कुमार ने रणथंभौर नेशनल पार्क का भ्रमण किया। इस दौरान उनको जोन नम्बर 3 पर टाइग्रेस टी 124 रिद्धि की शानदार साइटिंग हुई। अक्षय के सामने टाइग्रेस ने एक चीतल पर हमला किया। टाइग्रेस द्वारा चीतल पर हमला करने का नाजारा अक्षय ने अपने मोइबाल में कैप्चर भी किया। सुरक्षा को देखते हुए अक्षय कुमार को गोपनीय तरीके से जंगल में प्रवेश दिया गया और जंगल के अन्दर अक्षय एवं उनका परिवार एक जिप्सी में सवार होकर जोन नम्बर 2 पर पहुंचे। लेकिन करीब 2 घन्टे घूमने के बाद उनको टाइगर की साइटिंग नहीं हुई फिर उनको जोन नम्बर 3 पर सफारी के लिए ले जाया गया जहां उन्हें टाइग्रेस रिद्धि की शानदार साइटिंग हुई। रणथंभौर नेशनल पार्क के गेट से जैसे ही अक्षय एवं उनकी फैमिली अन्दर दाखिल हुई पक्षी ट्री पाई टिंकल खन्ना के हाथों पर बैठ गयी फिर हाथ से उड़कर जिप्सी पर बैठ गयी। चिड़िया की अनोखी कलां को देख टिंकल खन्ना अभिभूत नजर आयी।

मालपुरा शहर में सफल रहा मंगलवार का वीकेंड कर्फ्यू, बाजार बंद रहे

मालपुरा, (निसं)। कोरोना की तीसरी लहर को मध्य नजर रखते हुए राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन में रविवार के वीकेंड कर्फ्यू के आदेशों में तब्दील करते हुए मालपुरा एसडीएम आरके वर्मा द्वारा व्यापारियों की मांग पर नया प्रयोग

- एसडीएम आरके वर्मा ने व्यापारियों की मांग पर मंगलवार के साप्ताहिक अवकाश को वीकेंड कर्फ्यू में तब्दील किया था

कर मंगलवार के साप्ताहिक अवकाश को विकेंड कर्फ्यू में तब्दील किये जाने के चलते मंगलवार को मालपुरा शहर के बाजार पूर्ण रूप से बंद रहे तो लोग चाय व फल-सब्जी तक के लिए तरसते रहे।

मंगलवार को शहरी क्षेत्र में एक भी व्यापारी ने अपना प्रतिष्ठान खोलने की जहमत नहीं उठाई। पुलिस व प्रशासन रोजमर्रा की तरह मुस्तैद रहा। बाजारों में जहां दिनभर सन्नाटा पसरा रहा तो बड़े व्यापारियों के साथ-साथ फुटकर व्यापारी एवं फल सब्जी विक्रेताओं व थडी संचालकों ने भी अपने प्रतिष्ठान बंद रख एसडीएम के आदेशों एवं रविवार के बजाय मंगलवार के विकेंड कर्फ्यू व साप्ताहिक अवकाश का समर्थन किया। प्रदेश में जहां रविवार को विकेंड कर्फ्यू घोषित किये जाने के बावजूद मालपुरा एसडीएम ने गाईडलाईन में जारी आदेशों में स्वंय के स्तर पर तब्दील कर मंगलवार को विकेंड कर्फ्यू रखे जाने के लिये निर्णय के बाद मालपुरा शहर प्रदेश में एक ऐसा शहर बन गया जहां रविवार को बाजार पूर्णरूप से खुले रहे तो मंगलवार को विकेंड कर्फ्यू रहा। हालांकि व्यापारिक संगठनों के साथ-साथ आमजन ने इस प्रशासनिक फेरबदल पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि रविवार को गांवों में विकेंड कर्फ्यू होने के चलते शहर में ग्राहकों का टोटा रहा तो मंगलवार को मालपुरा शहर में विकेंड कर्फ्यू के चलते गांवों से कोई खरीददार नहीं पहुंचा।

मंगलवार को पूर्णरूप से बंद रहे मालपुरा शहर के बाजार।

वे कह रहे हैं, कोच को बर्खास्त करो! कप्तान को बर्खास्त करो! इंग्लैंड की इस टेस्ट टीम को उनसे बेहतर कौन कोच या कप्तान के रूप में देख रहा है? – केविन पीटरसन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, कप्तान व कोच के विकल्प को लेकर आलोचकों से सवाल करते हुये।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ बेन स्टोक्स

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट और उपकप्तान बेन स्टोक्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 की बड़ी नीलामी में अपना नाम दर्ज नहीं करने का निर्णय लिया है। वह न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध घर पर खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारी करने के लिए काउंटी चैंपियनशिप में खेलते नज़र आएंगे। रूट ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह नीलामी में अपना नाम दर्ज करवाने को लेकर विचार कर रहे हैं। 2018 के ऑक्शन में किसी भी टीम ने रूट में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। होबार्ट में खेले गए अंतिम एशेज टेस्ट मैच के बाद रूट ने नीलामी में नहीं जाने की पुष्टि की।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट खिलाड़ियों की आत्मकथाओं की पुस्तक का सबसे छोटा नाम पाकिस्तानी क्रिकेटर जहीर अब्बास की पुस्तक का है। इसका शीर्षक जेड है।

वेंकटेश अय्यर को भी टीम में किया जा सकता है शामिल

कप्तान राहुल करेंगे ओपनिंग

पिछले 14-15 महीनों में, मैंने नंबर चार, नंबर पांच जैसे विभिन्न स्थान पर बल्लेबाजी की है। उस समय टीम को मेरी मध्य क्रम में जरूरत थी। अब मुझे लगता है कि रोहित के यहां नहीं होने से मैं शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करूंगा : के.एल. राहुल

पार्ल, 18 जनवरी। भारतीय कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में पारी की शुरुआत करेंगे। नंबर चार या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाज़ी करते हुए राहुल ने पिछले दो वर्षों में काफ़ी रन बनाए हैं। जनवरी 2020 से उन्होंने दस मैचों में 69.25 के औसत और 109.92 के स्ट्राइक रेट से 554 रन बनाए हैं। हालांकि रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में राहुल सलामी बल्लेबाज़ की भूमिका में होंगे। पार्ल में खेले जाने वाले पहले वनडे की पूर्व संध्या पर राहुल ने आज कहा, ''पिछले 14-15 महीनों में, मैंने नंबर चार, नंबर पांच जैसे विभिन्न स्थान पर बल्लेबाज़ी की है। उस समय टीम को मेरी मध्य क्रम में ज़रूरत थी। अब मुझे लगता है कि रोहित के यहां नहीं होने से मैं शीर्ष क्रम पर बल्लेबाज़ी करूंगा।''

उन्होंने कहा,''हम ऐसी टीम नहीं बनना चाहते हैं जो बहुत अनुमानित हो। कहने का मतलब है कि ऐसे कई मैच हो सकते हैं जहां मुझे मध्य क्रम या निचले क्रम में बल्लेबाज़ी करनी पड़े क्योंकि टीम को उस वक़्त वही चाहिए होगा। वहीं मुझे किसी समय बल्लेबाज़ी की शुरुआत करनी पड़ सकती है। मैं टीम की ज़रूरत के अनुसार किसी भी स्थान पर बल्लेबाज़ी करने के लिए तैयार हूं। एक बात साफ है कि हमें एक टीम गेम में, टीम की रणनीति के अनुसार लचीला होना पड़ेगा। हर किसी को कुछ ख़ास चीज़ों के लिए तैयार रहना होगा जो टीम उनसे करवाना चाहती है।''

विराट कोहली ने हम सबके लिए मापदंड स्थापित किया : राहुल

भारतीय वनडे कप्तान और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने मंगलवार को कहा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हम सबके लिए एक मापदंड स्थापित किया है और हमें उसके ऊपर अपनी पारी का निर्माण करना है। राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को होने वाले पहले वनडे की पूर्वसंध्या पर आज वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, विराट की कप्तानी में भारत ने कुछ शानदार चीजें की हैं। उन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया है और हमारे लिए एक मापदंड बनाया है। पूरी दुनिया जानती है कि विराट टेस्ट और ओवरआल क्रिकेट को लेकर कितना जुनूनी थे।

दक्षिण अफ्रीका से पहले एकदिवसीय आज

भारतीय क्रिकेट टीम नयी शुरुआत करने के लक्ष्य के साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले पहले वनडे में विजयी शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने का मौका गंवाया था जब वह पहला टेस्ट जीतने के बाद अगले दो टेस्ट हार गयी। भारतीय टीम के नए वनडे कप्तान लोकेश राहुल टीम को शानदार शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। फिलहाल तो टीम के लिए एक सही एकादश चुनना सबसे बड़ा सिरदर्द होगा। टेस्ट की कप्तानी छोड़ चुके विराट कोहली कप्तानी के बोझ से हर तरह से मुक्त होने के बाद बल्ले से कैसा प्रदर्शन करेंगे, इस पर सबकी नजरें रहेंगी।

टेस्ट श्रृंखला के दौरान, पिचों में स्पिनरों के लिए कुछ ख़ास मदद नहीं थी, लेकिन राहुल के अनुसार बोलैंड पार्क की पिच धीमे गेंदबाज़ों को मदद कर सकती है। ऐसे में पार्ल में खेले जाने वाले पहले दो वनडे मैचों में भारत रविचंद्रन अश्विन और युज़वेंद्र चहल दोनों को टीम में जगह दे सकता है। अगर भारत ऐसा करता है तो जून 2017 के बाद अश्विन का यह पहला वनडे होगा।

2017-18 में पिछली बार भी जब भारत ने साउथ अफ्रीका का दौरा किया था, तब छह मैचों की वनडे सीरीज़ के दौरान कुलदीप यादव और चहल को टीम में जगह जी गई थी। उस दौरान कुलदीप और चहल दोनों ने क्रमश: 17 और 16 विकेट लेकर भारत को 5-1 से सीरीज़ जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

राहुल ने कहा, हमने बोलैंड पार्क में कुछ दिन अभ्यास किया और ऐसा लग रहा है कि इस पिच पर स्पिनर्स को मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा, हमारे पास बेहतरीन स्पिनर हैं। अश्विन वनडे टीम में वापस आ रहे हैं और हम सभी जानते हैं कि वह किस तरह की गुणवत्ता के साथ गेंदबाज़ी करते हैं। चहल सालों से हमारे लिए बढ़िया गेंदबाज़ी कर रहे हैं। अगर पिच से स्पिन गेंदबाज़ों को कोई मदद मिलती है, तो मुझे पता है कि ये दोनों गेंदबाज़ वास्तव में इसका फायदा उठाएंगे। उम्मीद है पहले दो मैचों में पिच स्पिन गेंदबाज़ों के लिए मददगार साबित हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो टीम के लिए वह दोनों गेंदबाज़ काफ़ी महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

भारत वेंकटेश अय्यर को उनके छठे गेंदबाज़ी विकल्प के रूप में देख रहा है। वेंकटेश वह काम कर सकते हैं जो हार्दिक पांड्या अपनी इंजरी से पहले किया करते थे। वर्तमान में भारत के शीर्ष छह में कोई बल्लेबाज़ नहीं है जो गेंदबाज़ी करता हो। अय्यर ने नवंबर में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ टी20 श्रृंखला के दौरान भारत में पदार्पण किया था, लेकिन उन्होंने अभी तक वनडे मैच नहीं खेला है। हाल ही में समाप्त हुई विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में उन्होंने 63.16 की औसत और 133.92 के स्ट्राइक रेट से 379 रन बनाए।

मेववेदेव दूसरे दौर में, मरे पांच सेटों में जीते

ऑस्ट्रेलियन ओपन

मेलबोर्न, 18 जनवरी। खिताब के प्रबल दावेदार और दूसरी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव ने निर्मम प्रदर्शन करते हुए हेनरी लॉक्सोनेन को तीन सेटों में मंगलवार को 6-1, 6-4, 7-6 (3) से हराकर वर्ष के पहले ठौंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

इस बीच पूर्व नंबर एक ब्रिटेन के एंडी मरे ने पांच सेटों के मैराथन मुकाबले में बड़ी सर्विस करने वाले निकोलोज़ बसीलाश्विली को 6-1, 3-6, 6-4, 6-7(5), 6-4 से हराकर पांच वर्षों में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बनायी।

दूसरी सीड मेदवेदेव का दूसरे दौर में स्थानीय हीरो निक किर्गियोस से मुकाबला होगा। किर्गियोस ने पहले दौर में ब्रिटिश क्वालीफायर और पदार्पण ऑस्ट्रेलियन ओपन मैच खेल रहे लियाम ब्रॉडी को 6-4,6-4, 6-3 से पराजित किया। उधर आठवीं सीड केस्पर रुड ने अभ्यास में यदि में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से अपना नाम वापिस ले लिया।

महिला वर्ग के एक उलटफेर में 24 वर्षीय वाइल्ड कार्ड प्रविष्टि मेडिसन इंग्लिस ने 2021 यूएस ओपन की फाइनलिस्ट लेलाह फर्नांडिज को एक घंटे 23 मिनट में हराकर बाहर कर दिया। विश्व में 133वीं रैंक की इंग्लिस ने 23वीं रैंक की कनाडाई खिलाड़ी को लगातार सेटों में 6-4, 6-2 से पराजित किया।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए कगिसो रबाडा

पार्ल, 18 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका ने तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से टीम से बाहर कर दिया गया है। लंबे समय से अधिक कार्यभार के कारण रबाडा को सीरीज से रिलीज करने का फैसला किया गया है। बोर्ड ने कहा कि रबाडा की जगह किसी को नहीं चुना गया है, लेकिन जार्ज लिंडे को अतिरिक्त स्पिन गेंदबाजी विकल्प के रूप में टीम में रखा गया है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बयान में कहा, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से विश्राम दिया गया है। क्योंकि पिछले कुछ समय से उन पर काम का बोझ अधिक है और हम उन्हें अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले पूरी तरह तरोताजा चाहते हैं। सबसे लंबे प्रारूप मेंयादगार जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीमजोश से भरी हुई है। कप्तान तेम्बा बावुमा ने पिछले टेस्ट में कुछ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और वह उस आत्मविश्वास को अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ अपने नेतृत्व में भी रखेंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज पर बावुमा ने कहा कि वे एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलेंगे लेकिन चुनौती के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत एक मजबूत टीम है। हम उनकी टीम का वैसे ही सम्मान करते हैं जैसे अन्य टीमों का करते हैं।टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए हम जानते हैं कि यह कठिन मुकाबला होने वाला है।

100 विकेटों के आंकड़े से तीन कदम दूर चहल

पार्ल, 18 जनवरी। भारतीय लेग स्पिनर युज़वेंद्र चहल के पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में विकेटों का शतकधारी बनने का मौका है। चहल को वनडे में 100 विकेट पूरे करने के लिए तीन विकेट की ज़रूरत है। 100 विकेट लेकर वह ऐसा करने वाले 23वें भारतीय गेंदबाज़ बन जाएंगे।

समीर वर्मा और सौरभ वर्मा पहले दौर में बाहर

लखनऊ, 18 जनवरी। चौथी वरीयता प्राप्त समीर वर्मा और पांचवीं सीड सौरभ वर्मा सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में मंगलवार को हारकर बाहर हो गए। समीर को आयरलैंड के नहट एनगुएन ने पराजित किया। समीर पहले गेम में 2-7 से पिछड़ने के बाद मैच से रिटायर हो गए जबकि सातवीं सीड सौरभ को अजरबेजान के अदे रिस्की द्वीछायो ने एक घंटे सात मिनट के संघर्ष में 15-21, 21-19, 21-18 से पराजित किया। महिला एकल में इरा शर्मा को हार का सामना करना पड़ा जबकि मालविका बंसोड़ को अश्मिता चालिहा से वाकओवर मिल गया।

बोपन्ना और रामकुमार को टाटा ओपन के युगल में सीधा प्रवेश

पुणे, 18 जनवरी। भारत के रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन को 31 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले टाटा ओपन महाराष्ट्र टेनिस टूर्नामेंट के चौथे संस्करण के मुख्य ड्रा में सीधा प्रवेश दिया गया है। भारतीय जोड़ी ने इस महीने ले शुरू में टॉप सीड जोड़ी को हराकर एडिलेड ओपन का खिताब जीता। सीधे प्रवेश सूची में 14 जोड़ियों को जगह दी गयी है।

कप्तान रूट सहित इंग्लैंड के खिलाड़ियों की शराब पीकर हंगामा करने की जांच शुरू की

लंदन, 18 जनवरी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि उसने एशेज सीरीजके बाद टीम होटल में कप्तान जो रूट और अन्य खिलाड़ियों के देर रात तक शराब पीने और शोर मचाने के मामले की जांच शुरू कर दी है। खिलाड़ियों की इस हरकत को रोकने के लिए पुलिस को होटल आना पड़ा। खबरों के मुताबिक इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड और नाथन लियोन को भी एक वीडियो में देखा गया जो एशेज सीरीजखत्म होने के बाद जश्न मना रहे थे।

ईसीबी ने कहा, सोमवार तड़के इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीमों के सदस्यों ने होबार्ट में होटल के टीम क्षेत्रों में एक पेय (शराब) साझा किया। बयान के मुताबिक, होटल प्रबंधन को होटल के एक अतिथि द्वारा शोर मचाने की शिकायत मिली, जैसा कि ऑस्ट्रेलिया में आम बात है। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किया।

होटल प्रबंधन और तस्मानिया पुलिस ने जब खिलाड़ियों को अपने कमरों में जाने के लिए कहा तो खिलाड़ी और टीम प्रबंधन के अधिकारियों ने ऐसा ही किया। इंग्लैंड की टीम ने किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त की है। इस वीडियो को कथित तौर पर इंग्लैंड के सहायक कोच ठाहम थोर्प ने बनाया है। फॉक्स स्पोर्ट्स के मुताबिक, लियोन और कैरी इस दौरान टीम की टेस्ट जर्सी में थे। उन्होंने एक रात पहले एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड पर 4-0 से जीत दर्ज की थी। खबर के मुताबिक , तस्मानिया पुलिस ने पुष्टि की कि नशे में शोर मचाने की शिकायत मिलने पर उनके अधिकारी सुबह छह बजे होटल पहुंचे थे।

पटना को 3 अंक से हराकर अंकतालिका के शीर्ष पर पहुंची दिल्ली

बेंगलुरू, 18 जनवरी। दबंग दिल्ली केसी ने अपने स्टार रेडर नवीन कुमार के बगैर ही तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स पर 32-29 के अंतर से रोमांचक जीत के साथ वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। 11 मैचों में दिल्ली की यह सातवीं जीत है जबकि पटना को तीसरी हार मिली है। सीजन के 62वें मैच में मिली हार के बावजूद पटना की टीम पहले ही तरह तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है लेकिन बेंगलुरू बुल्स को तीसरे स्थान पर जाना पड़ गया है। इस मैच में दिल्ली के लिए विजय मलिक ने एक सुपर रेड के साथ सबसे अधिक 9 अंक लिए जबकि संदीप नरवाल ने 8 अंक बटोरे। पटना के लिए कप्तान प्रशांत कुमार को सबसे अधिक 6 अंक मिले।

अहमदाबाद टीम में शामिल होने को तैयार हार्दिक, राशिद और शुभमन

मुंबई, 18 जनवरी। हार्दिक पंड्या, राशिद ख़ान और शुभमन गिल आगामी आईपीएल सीज़न में अहमदाबाद फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा होने के लिए तैयार हैं। पिछले अक्टूबर में सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने अहमदाबाद टीम को ख़रीदा था।

उन्होंने अपने सहयोगी स्टाफ़ को भी अंतिम रूप दे दिया है। स्टाफ़ का नेतृत्व भारत के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ आशीष नेहरा और साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज़ व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज़ विक्रम सोलंकी टीम के निदेशक होंगे। यह दूसरी बार है जब नेहरा, कर्स्टन और सोलंकी एक साथ काम करेंगे, इससे पहले यह तिकड़ी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए काम कर चुकी है।

आईपीएल में दो नई टीमों अहमदाबाद और लखनऊ ने अभी तक अपने द्वारा ख़रीदे गए खिलाड़ियों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन ऐसा करने की समय सीमा 22 जनवरी तेज़ी से क़रीब आ चुकी है। दोनों टीमों को एक ही पर्स 90 करोड़ रुपये मिला है, जो अन्य आठ टीमों के समान है। हालांकि, अन्य टीमों के विपरीत, जिन्होंने चार खिलाड़ी रिटेन किए थे, यह दो नई टीमें एक विदेशी खिलाड़ी सहित केवल तीन खिलाड़ियों को चुन सकती हैं।

आईपीएल में दो नई फ्रैंजाइजी को अपने तीन खिलाड़ियों को चुनने के लिए क्रमश: 15 करोड़, 11 करोड़ और 7 करोड़ रूपये खर्च करने होंगे। क्रिकइंफ़ो को पता चला है कि अहमदाबाद ने हार्दिक और राशिद दोनों को समान राशि 15 करोड़ देने का निर्णय लिया है। यह भी पता चला है कि हार्दिक के अहमदाबाद के कप्तान के रूप में कार्यभार संभालने की संभावना है, जो आईपीएल में ऑलराउंडर के रूप में पहला विकल्प हैं। तीसरे खिलाड़ी गिल को सात करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा।

यह पहली बार है जब हार्दिक और राशिद आईपीएल में एक ही टीम के लिए खेलेंगे, जो पहले मुंबई इंडियंस और सनराइज़र्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 2015 में महज़ 10 लाख रुपये में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में ख़रीदे जाने के बाद से हार्दिक का उदय तेज़ी से हुआ है।

2018 तक, उन्होंने ख़ुद को भारत में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के रूप में स्थापित कर लिया था और मुंबई ने उन्हें उस वर्ष की नीलामी में अपनी दूसरी पसंद के रूप में 11 करोड़ रुपये में अपने साथ बनाए रखा था। अगले दो सीज़न में हार्दिक ने 762 रन बनाए और 29 मैचों में 32 विकेट लिए। वह 2015, 2017, 2019 और 2020 में मुंबई की विजेता टीम का हिस्सा भी रहे। हार्दिक पिछले दो आईपीएल में फ़िटनेस के मुद्दों से जूझते रहे और इस दौरान उन्होंने बिल्कुल भी गेंदबाज़ी नहीं की।

ईस्ट बंगाल के खिलाफ तालिका में अपनी स्थिति सुधारने उतरेगा गोवा

बैम्बोलिन, 18 जनवरी। अपने पिछले तीन मैचों से अपराजित चल रहे एफसी गोवा अंक तालिका में अपना स्थान सुधारने की कोशिश करेगा, जब उसका सामना बुधवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में हीरो इंडियन सुपर लीग 2021-22 के लीग मुकाबले में जीतविहीन एससी ईस्ट बंगाल से होगा।

भारतीय कोच डेरिक परेरा के देखरेख में एफसी गोवा का प्रदर्शन जबर्दस्त तो नहीं रहा है लेकिन अनुभवी कोच पिछले तीन मैचों में टीम को अपराजित रखने में सफल रहे हैं। गोवा ने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के साथ 1-1 से ड्रा खेला था। जोर्गे ओर्टिज गोवा की तरफ से काफी तेज-तर्रार दिखे। बुधवार को मिलने वाली जीत गोवा को तालिका के निचले हाफ से ऊपर ले जाएगी और शीर्ष चार टीमों के साथ उसकी दूरी को भी कम करेगी। ईस्ट बंगाल के खिलाफ उसकी अच्छी संभावना होगी। परेरा ने मैच की पूर्वसंध्या पर कहा, ''जब मैं टीम के साथ जुड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहता था। हमने वही फॉर्मेशन रखा, जो 3-4-3 सिस्टम था लेकिन मैंने सिर्फ स्ट्रक्चर में सुधार किया और लड़कों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी।

आईपीएल 2022 में लखनऊ के लिए खेलेंगे राहुल

लखनऊ, 18 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय वनडे टीम के कप्तान लोकेश राहुल इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में लखनऊ टीम की ओर से खेलते नज़र आएंगे। लखनऊ ने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टॉयनिस और युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को भी अपनी टीम में शामिल किया है। क्रिकइंफ़ो को पता चला है कि राहुल को 15 करोड़, स्टॉयनिस को 11 करोड़ और बिश्नोई को चार करोड़ में ख़रीदने के बाद लखनऊ की टीम अब 60 करोड़ रुपए की राशि के साथ बड़ी नीलामी में उतरेगी। यह भी पता चला है कि राहुल टीम की कप्तानी भी करेंगे।

29 वर्षीय राहुल लखनऊ द्वारा चुने गए पहले खिलाड़ी हैं। अक्तूबर में संजीव गोयंका के आरपी ग्रुप ने 7 हज़ार 90 करोड़ रूपए में लखनऊ फ्रैंचाइज़ी ख़रीदी थी। 2018 से राहुल आईपीएल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज़ों में से एक रहे हैं।

पिछले 2 सीज़न में उन्होंने पंजाब किंग्स की कप्तानी भी की। हालांकि कुछ दिन पहले उन्होंने अपनी टीम को कह दिया था कि वह भविष्य में उनके लिए नहीं खेलेंगे। राहुल को साल 2014 में सनराइज़र्स हैदराबाद की टीम ने एक करोड़ रूपए में ख़रीदा था। उसके बाद वह साल 2016 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के लिए खेले और 2018 की नीलामी में उन्हें 11 करोड़ रूपए में पंजाब ने अपने साथ जोड़ा था।

चार सीज़न तक पंजाब किंग्स की टीम से खेलते हुए राहुल ने 56.62 के औसत से 2548 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 25 अर्धशतक और 2 शतक लगाए।

श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को लुढ़काया, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज भी जीते

सेंट किट्स, 18 जनवरी। दुनिथ वेलालेज के पांच विकेट और 52 रनों की मदद से श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट हरा दिया। श्रीलंका टीम प्रतियोगिता में अजेय बनी हुई है।सोमवार को खेले गए ग्रुप डी मैच में श्रीलंका की आंधी में कोई भी ऑस्ट्रेलियाई टिक नहीं सका।

पहले गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका के गेंदबाजों ने कोई भी बड़ी साझेदारी पनपने नहीं दी। पारी की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी कैंपबेल केलावे और निवेथन राधाकृष्णन के बीच हुई, जिन्होंने चौथे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। केलावे 77 गेंदों में 54 रनों के साथ ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे। तीन बार की चैंपियन 175 रन बनाकर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम तीन विकेट आठ रन पर खो दिए।

इस दौरान वेलालेज ने पारी में दूसरी बार एक ओवर में दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम को ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने बैकफुट पर रखा हालांकि उनका जरूरी रन रेट ऊपर ही रहा। टॉम व्हिटनी और विलियम साल्जमैन ने तीन गेंदों के अंतराल में श्रीलंका के दो विकेट लेकर 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका का स्कोर तीन विकेट पर 41 रन पर कर दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे वेलालेज ने पारी को संभाला। उन्होंने अंजला बंडारा के साथ 70 रन की साझेदारी की। बंडारा के आउट होने के बाद श्रीलंका के कप्तान ने 69 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया।श्रीलंका को जब केवल पांच रनों की आवश्यकता थी तब वह व्हिटनी द्वारा कॉट एंड बोल्ड हो गए।

गयाना में खेले गए ग्रुप सी के एक अन्य मैच में पाकिस्तान ने अपना पहला गेम खेलते हुए अपनी बल्लेबाजी की ताकत दिखाई। टीम ने हसीबुल्लाह खान के शतक की बदौलत 315 रन बनाए। ब्रायन बेनेट और तेंडेकाई मातरणिका के बीच आठवें विकेट की 83 रनों की साझेदारी के बावजूद जिम्बाब्वे लक्ष्य से 116 रन से पीछे रह गया। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज हसीबुल्लाह ने 155 गेंदों में 135 रनों के साथ टूर्नामेंट का अब तक का सर्वोच्च स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने इरफान खान के साथ तीसरे विकेट के लिए 192 रन की साझेदारी की। मैकगिनी ड्युब की गेंद पर डेविड बेनेट द्वारा कैच लपके जाने से पहले इरफान ने 77 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 81 रन ठोके।

गौरतलब है कि जिम्बाबवे ने पहले ग्रुप सी के अपने शुरुआती गेम में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ इससे अधिक स्कोर बनाया था, लेकिन इस बार लक्ष्य का पीछा करने में टीम लड़खड़ा गई।

मैथ्यू वेल्च और स्टीवन शाऊल ने संयुक्त रूप से पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। इसके बाद टीम ने अगले छह विकेट 77 रन के भीतर खो दिए।इसके बाद बेनेट और मातरणिका के बीच 83 रनों की साझेदारी हुई। बेनेट के आउट होने से पहले जिम्बाबवे को केवल 58 गेंदों में 121 रनों की जरूरत थी। दो गेंद के बाद मातरणिका भी आउट हो गए। जल्द ही डूब का विकेट गिराकर पाकिस्तान ने 115 रन की जीत हासिल कर ली

कश्मीरी विलो से बने बल्लों को मिली आईसीसी की मंजूरी

श्रीनगर, 18 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कश्मीरी विलो से बने क्रिकेट बैट के उपयोग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए 29 वर्षीय फौजुल कबीर ने लगातार डेढ़ साल का अथक प्रयास किया। उनके जीवन का भावनात्मक क्षण उस समय आया जब कश्मीरी विलो, सेलिक्स अल्बा लकड़ी से बने उनके बल्ले ओमान के दो खिलाड़ियों नसीम खुशी और बिलाल खान द्वारा अक्टूबर 2021 में दुबई क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ टी 20 विश्व कप मैच के दौरान इस्तेमाल किए गए थे। अवंतीपोरा में इस्लामिक यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स करने वाले और स्ट्रेटिजिक मैनेजमैंट में पीएचडी कर रहे कबीर ने अपने पिता अब्दुल कबीर की मृत्यु के बाद सात साल से अधिक समय तक लड़ाई लड़ी, जिन्होंने अनंतनाग के संगम में जीआर 8 स्पोर्ट्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना की। उन दिनों को याद करते हुए जब दुबई में मेड इन कश्मीर क्रिकेट उत्पादों का इस्तेमाल किया जा रहा था। कबीर ने कहा, ''यह न केवल मेरे लिए बल्कि पूरे कश्मीर के लिए एक भावनात्मक क्षण था।''

2021 के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने लेवांडोव्स्की, मैसी को पछाड़ा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड) 18 जनवरी। 2021 के सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने गेर्ड मुलर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके बिना मैं यह सब नहीं कर पाता। अपने खिताब का बचाव करने वाले 33 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस सेंट-जर्मेन के लियोनेल मैसी और लिवरपूल के मोहम्मद सलाह को हराकर शीर्ष सम्मान हासिल किया।

लेवांडोव्स्की के हवाले से सोमवार आधी रात को एफसी बायर्न ने कहा, ''मैं बहुत सम्मानित, बहुत गर्व और खुशी महसूस कर रहा हूं। मैं अपने साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम सभी ट्रॉफी जीतने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। यह खिताब मेरे करीबी लोगों के लिए है।'' बुंदेसलीगा रिकॉर्ड को लेकर उन्होंने कहा, ''पिछले साल जो कुछ भी हुआ, मैंने सपने में भी ऐसा करने की हिम्मत नहीं की होती। अगर कुछ साल पहले किसी ने मुझे यह बताया होता, तो मुझे विश्वास नहीं होता।'' लेवांडोव्स्की ने कहा,''दुर्भाग्य से गर्ड (मुलर) अब हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन उनके बिना मैं यह सब मैनेज नहीं कर पाता।'' उल्लेखनीय है कि मुलर का 15 अगस्त 2021 को 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह अल्जाइमर रोग से पीड़ित थे। 2021 में पोलिश इंटरनेशनल में लेवांडोव्स्की ने दिग्गज खिलाड़ी मुलर द्वारा निर्धारित दो नायाब रिकॉर्ड तोड़ दिए।

2020-21 बुंदेसलीगा सीजन के दौरान लेवांडोव्स्की ने 41 गोल किए और मुलर के रिकॉर्ड (1971-72 सीज़न में 40 गोल) को पीछे छोड़ दिया। लेवांडोव्स्की ने 2021 में बुंदेसलीगा में 43 गोल किए. उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में मूलर द्वारा किए गए 42 गोल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उन्होंने पिछले साल सभी प्रतियोगिताओं में 58 गोल किए। इसके साथ ही वह पोलिश यूरोप के शीर्ष पांच लीग में अब तक का सबसे सफल गोल स्कोरर रहे।

ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक संकटग्रस्त पक्षियों और उनकी "कॉल्स" (बोली) का एक एल्बम, नैशनल पॉप चार्ट्स में टायलर स्विफ्ट और ऐबा को पीछे छोड़कर तीसरी पायदान पर पहुँच गया है। "साँग्स ऑफ डिसअपियरैंस" 24 मिनट का एक एल्बम है जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ वाइल्डलाइफ साउण्ड रिकॉर्डिस्ट डेविड स्टुअर्ट ने संकटग्रस्त पक्षियों की बोली रिकॉर्ड की है। एल्बम की 2 हज़ार कॉपी बिक चुकी हैं। बिक्री से हुई समस्त आय पक्षियों के संरक्षण कार्यों के लिए दी गई है। यह कार्य तब शुरु हुआ जब, चार्ल्स डार्विन युनिवर्सिटी के एक कन्ज़र्वेशन प्रोफेसर स्टीफन गारनैट ने ऑस्ट्रेलियन बड्र्स के लिए "एक्शन प्लान 2020" को अंतिम रुप दिया। रिपोर्ट में सामने आया कि ऑस्ट्रेलिया की छः में से एक देसी चिड़िया प्रजाति को विलुप्ति का खतरा है। स्टीफन गारनैट ने अपने पी.एच.डी. छात्र एन्थनी ऑलब्रैक्ट से इसकी चर्चा की। एन्थनी मल्टीमीडिया कंपनी "बावरबर्ड क्लैक्टिव"के दो मालिकों में से एक हैं। एन्थनी ने उनसे पूछा कि क्या पक्षियों के लिए तैयार किए गए एक्शन प्लान के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए उनकी कंपनी कुछ कर सकती है? इसके बाद पक्षियों की बोली का एक एल्बम बनाने के आइडिया ने जन्म लिया। बावरबर्ड के दोनों मालिक संगीतकार हैं, एन्थनी चैलो बजाते हैं और सिमोन स्लैटरी पिआनो वादक हैं। दोनों ने मिलकर यह एल्बम तैयार किया, जिससे हुई आय बर्डलाइफ ऑस्ट्रेलिया को डोनेट कर दी गई है। एल्बम में गाने वाली कुछ चिड़ियाँ तो गंभीर रुप से संकटग्रस्त हैं, और नाइट पैरेट के अस्तित्व के बारे में तो 2013 तक विज्ञान को कोई जानकारी तक नहीं थी। एल्बम की हर एक सी.डी. के साथ एक्शन प्लान की एक कॉपी दी जाती है। अब यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उपलब्ध है।

'यू.पी. के चुनावी सर्वेक्षणों का सार निकालें तो बहुमत भाजपा को ही मिलता नजर आता है'

सभी सर्वेक्षणों का औसत है कि, भाजपा को 231 से 235 व सपा को 147 से 157 सीटें मिलने की संभावना है

नई दिल्ली, 18 जनवरी। यू.पी. चुनाव में किस पार्टी की सत्ता आयेगी यह सवाल इस समय सबसे प्रमुख चर्चा का विषय है। विशेषज्ञ इस पर अलग-अलग राय पेश कर रहे हैं लेकिन इन सबके बीच टी.वी. चैनल्स एवं मीडिया संस्थानों द्वारा कराये गये सर्वे की भी अपनी ही महत्ता होती है क्योंकि ये सर्वे भी किसी हद तक जनता के बीच जाकर ही तैयार किये जाते हैं और सीधे तौर पर जनता का मूड दर्शाते हैं।

अभी तक सात प्रमुख सर्वे एजेंसियों के डेटा का औसत निकाला जाये तो यह साफ होता है कि, सत्ता में इस बार फिर भाजपा की वापसी हो जायेगी। यदि इन सात एजेंसियों के सर्वे का औसत निकालने पर जो नतीजा सामने आता है, उसके मुताबिक योगी एक बार फिर यू.पी. के सी.एम. बनने जा रहे हैं। बीजेपी 221-231 सीटें जीत सकती है। एस.पी. को 147-157 सीटें मिल सकती हैं। बी.एस.पी. 7-13 सीटें जीत सकती है तो कांग्रेस को 5-9 सीटों के साथ संतोष करना पड़ सकता है।

सीवोटर के ताजा ओपिनियन पोल में दावा किया गया है कि यू.पी. में एक बार फिर योगी सरकार बनने जा रही है। बीजेपी को 223-235 सीटें मिल सकती हैं। वहीं सपा को 145-157 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। एजेंसी के मुताबिक, बी.एस.पी. को 8-16 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है तो कांग्रेस के हाथ सिर्फ 3-7 सीटें आने के अनुमान लगाया गया है।

इंडिया टीवी की ओर से प्रसारित किए गए सर्वे में कहा गया है कि बीजेपी को 230-235 सीटें मिल सकती हैं। सपा 160-165 सीटों पर कब्जा कर सकती है। बी.एस.पी. को महज 2-5 सीटें मिलने की बात कही गई है तो कांग्रेस 3-7 सीटों पर सिमट सकती है।

रिपब्लिक टी.वी. और पी मार्क की ओर से सोमवार को प्रसारित सर्वे के मुताबिक, बीजेपी को 252-272 सीटें मिल सकती हैं तो सपा 111-131 सीटें जीत सकती है। बी.एस.पी. को 8-16 सीट मिलने की संभावना जताई गई है तो कांग्रेस को सबसे कम 3-9 सीटें मिल सकती हैं।

पोलस्टार न्यूज एक्स के ओपिनियन पोल के मुताबिक, बीजेपी को यू.पी . विधानसभा चुनाव में 235-245 सीटों पर जीत मिल सकती है। सपा को 120-130 सीटें मिल सकती हैं। बसपा 13-16 सीटें जीत सकती है तो कांग्रेस को 4-5 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है।

डीबी लाइव के ओपिनियन पोल के नतीजे बताते हैं कि इस बार यू.पी. में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार बन सकती है। सपा को 203-211 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 144-152 सीटें लेकर विपक्ष में बैठना पड़ सकता है। बी.एस.पी. को 12-20 सीटें मिलने का दावा किया गया है तो वहीं कांग्रेस को भी 19-27 सीटें मिल सकती हैं। दूसरी एजेंसियों के मुकाबले डीबी लाइव के सर्वे में एस.पी., बी.एस.पी. और कांग्रेस को सबसे अधिक और भाजपा को सबसे कम सीटें दी गई हैं।

टाइम्स नाओ-वीटो के सर्वे के मुताबिक, बीजेपी को यू.पी. में स्पष्ट बहुमत मिलेगा। बीजेपी 240 सीटों पर कब्जा कर सकती है तो सपा को 143 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है।

पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ का ऑपरेशन "सर्द हवा" 23 से 28 तक

बॉर्डर पर सर्दियों के दिनों में कोहरे और धुंध के कारण सीमा पार से घुसपैठ की नापाक हरकत से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा बल ऑपरेशन आयोजित कर रहा है

- इस ऑपरेशन के अंतर्गत सीमा की तारबंदी के आसपास नफरी बढ़ा दी जाती है तथा हैडक्वार्टर के सभी जवान अधिकारी सीमा पर रहते हैं तथा तारबंदी के आस-पास 24 घंटे निगरानी रखी जाती है।
- बी.एस.एफ. की इंटैलीजैंस विंग अन्य खुफिया एजेंसियों से तालमेल रखती है और संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगाह रखती है।

जैसलमेर, 18 जनवरी (नि.सं.)। गणतंत्र दिवस को लेकर बीएसएफ भारत- पाकिस्तान बॉर्डर पर ऑपरेशन अलर्ट सर्द हवा शुरू करने जा रही है। बॉर्डर पर सर्दियों के दिनों में कोहरे और धुंध के कारण सीमा पार से घुसपैठ की नापाक हरकत से निपटने के लिए बी.एस.एफ. हाई अलर्ट पर आ जाती है। राजस्थान की पाकिस्तान से लगती सीमा पर 23 से 28 जनवरी तक ऑपरेशन सर्द हवा के नाम से सीमा सुरक्षा बल का ऑपरेशन चलेगा, जिसमें तारबंदी के आसपास नफरी को बढ़ाया जाएगा। हेड क्वार्टर के सभी जवान और अधिकारी इस दौरान सीमा पर रहेंगे और तारबंदी के पास 24 घंटे निगरानी करेंगे।

सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ सैक्टर के डीआईजी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि भारत कि पहली रक्षा पंक्ति सीमा सुरक्षा बल साल भर तारबंदी के पास मुस्तैद रहती है। गणतंत्र दिवस पर सीमा सुरक्षा बल बॉर्डर पर विशेष निगरानी कार्यक्रम चलाती है। इस ऑपरेशन अलर्ट को ऑपरेशन सर्द हवा का नाम दिया गया है, जो 23 से 28 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान आम दिनों में होने वाली पैट्रोलिंग और गश्त के मुकाबले नफरी को ज्यादा बढ़ाया जाता है। सीमा इलाके में तारबंदी के पास बीएसएफ के अधिकारी लगातार व्हीकल पैट्रोलिंग करेंगे । उन्होंने बताया कि धुंध और कोहरे का फायदा उठाकर सीमा पार से किसी भी तरह की घुसपैठ, तस्करी और नापाक हरकत रोकने के लिए जवान और अधिकारी चौकस रहते हैं। इसके अलावा खुर्रा चैकिंग भी इस दौरान तेज कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सीमा पर बीएसएफ की इंटेलिजेंस विंग भी एक्टिव रहती है और अन्य खुफिया एजेंसियों से भी बीएसएफ का तालमेल रहता है और हर एक संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जाती है।

गौरतलब है कि बीएसएफ अपनी रूटीन एक्सरसाइज के दौरान गर्मी के मौसम में ऑपरेशन गर्म हवा और सर्दी के मौसम में ऑपरेशन सर्द हवा चलाती है। हर साल यह अभियान चलता है और इस दौरान सीमा पर कड़ी निगरानी रखी जाती है । ऑपरेशन सर्द हवा में सीमा से सटी पुलिस की चौकियां भी विशेष निगरानी रखेगी ।

ममता बनर्जी वर्चुअल रैली करेंगी अखिलेश यादव के लिए

नई दिल्ली, 18 जनवरी। तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) ने यू.पी. चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) को समर्थन देने का ऐलान किया है। टी.एम.सी. सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आगामी 8 फरवरी को लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ वर्चुअल सभा करेंगी। इसके बाद वह पी.एम. मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी ऑनलाइन प्रचार करेंगी।

- बंगाल चुनाव में अखिलेश यादव ने भी तृणमूल को खुला समर्थन दिया था और बदले में ममता बनर्जी भी अखिलेश के प्रचार में सहयोग करेंगी।

समाजवादी पार्टी के उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने मंगलवार को ममता बनर्जी से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि टी.एम.सी. ने साफ कहा कि वह उत्तर प्रदेश में उम्मीदवार खड़ा नहीं करेगी, बल्कि सपा को समर्थन करेगी। किरणमय नंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं।

'एन.डी.ए. में महिलाओं की संख्या इतनी कम क्यों है'

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से महिला अभ्यर्थियों के सीमित प्रवेश के मामले में यह तीखा सवाल किया

- न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की युगल पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद सरकार को नोटिस जारी किया। अदालत ने कुल 370 सीटों में सिर्फ 19 महिलाओं को प्रवेश के प्रस्ताव पर सरकार को जवाब तलब किया है।

नई दिल्ली, 18 जनवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) तथा सैन्य संचालित अन्य स्कूलों एवं कॉलेजों में महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश सीमित करने के मामले में केंद्र सरकार से मंगलवार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की युगल पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद सरकार को नोटिस जारी किया। अदालत ने कुल 370 सीटों में सिर्फ 19 महिलाओं को प्रवेश के प्रस्ताव पर सरकार को जवाब तलब किया।

केंद्र सरकार ने कहा है कि एन.डी.ए.-(1) 2022 परीक्षा के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए कुल महिला उम्मीदवारों की संख्या 19 तक सीमित कर दिया गया है।

याचिकाकर्ता कुश कालरा ने यह तर्क दिया कि केंद्र ने मई 2022 तक महिला उम्मीदवारों के लिए ढांचागत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शीर्ष अदालत के समक्ष पेश किया, लेकिन इसने प्रवेश की संख्या को 20 से कम उम्मीदवारों तक सीमित कर दिया है।

केंद्र ने पीठ को बताया कि एन.डी.ए. में महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश की संख्या की आवश्यकता पर निर्भर करता है। शीर्ष अदालत से सरकार ने कहा है कि वह तीन सप्ताह के भीतर एक विस्तृत हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करें। पीठ ने आवेदक का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता चिन्मय प्रदीप शर्मा की दलीलें भी अपने आदेश में दर्ज कीं।

शर्मा ने दलीलें पेश करते हुए कहा कि सेना में शामिल किए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 208 है, जिनमें 10 महिलाएं हैं। इसी प्रकार तीन महिलाओं सहित नौसेना में 42 उम्मीदवार शामिल हैं।

भारतीय वायुसेना में नामांकन के मामले में छह महिलाओं सहित 120 उम्मीदवारों को शामिल किये जाने का प्रस्ताव है।

आजम खान जेल से ही चुनाव लड़ेंगे

- सपा ने आजम खान को टिकट दिया और फिर से रामपुर से उम्मीदवार बनाया।

लखनऊ, 18 जनवरी। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता सांसद आजम खां भी विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। सपा ने आजम खां को रामपुर से उतारने की तैयारी कर ली है। आजम खां फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं। आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को भी स्वार से उतारा जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल के अनुसार इन दोनों के अलावा चमरौआ से नसीर खान, बिलासपुर से अमरजीत सिंह और मिलक से विजय सिंह को उतारा गया है।

मंगलवार को ही अब्दुल्ला आजम ने अखिलेश यादव से मुलकात की थी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा था कि पार्टी जो कहेगी उसे मानूंगा। बता दें कि अब्दुल्ला आजम 2017 में स्वार सीट से सपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। लेकिन बीजेपी नेता आकाश सक्सेना ने उनकी जन्मतिथि पर सवाल उठाते हुए मुकदमा किया था। फर्जी प्रमाणपत्र के मामले में हाईकोर्ट ने उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी थी।

वहीं, आजम खां और उनके बेटे के चुनाव लड़ने पर बीजेपी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी ने कहा कि समाजवादी पार्टी उन्हीं लोगों को टिकट दे रही है जो या तो जेल में बंद हैं या फिर बेल पर बाहर हैं।

उन्होंने कहा कि जिन्हें योगी सरकार ने जेल में डाला उन्हें टिकट देकर समाजवादी पार्टी यह साबित कर दिया है कि वे गुंडों और दंगाइयों के साथ है।

समाजवादी पार्टी के एम.एल.सी. राजपाल कश्यप ने बीजेपी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी ने उनके नेताओं पर झूठे मुक़दमे दर्ज करवाए हैं। सबसे ज्यादा अपराधियों को टिकट बीजेपी ने दिए हैं।

पारसी समुदाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑफ साइलैंस में ऊँचाई पर रख दिया जाता है ताकि उसे गिद्ध खा जाएं और बाकी शव धूप में पड़ा रहता है और सड़ जाता है।

दिल्ली शहर जहां गिद्ध नहीं है वहां पारसी शवों को खान मार्केट के पास एक कब्रिस्तान में दफनाया जाता है। कई अन्य भागों में भी पारसी शवों को दफनाते है। मुम्बई और कई अन्य शहरों तथा गुजरात के कुछ शहरों के पारसी शवों का अंतिम संस्कार टावर ऑफ साइलैंस पर करने के लिए जिद पर अड़े हैं।

सूरत पारसी पंचायत बोर्ड ने कोविड से मरने वाले पारसी लोगों का अंतिम संस्कार समुदाय की परम्परा अनुसार करने की अनुमति दिए जाने की मांग करते हुए गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी जिसे गत 23 जुलाई को खारिस कर दिया गया फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

'मैं मोदी को पीट भी सकता हूं और गाली भी दे सकता हूं'

- महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नानाभाउ पटोले ने प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिया।

मुंबई,18 जनवरी (वार्ता)। अक्सर अपने तीखे बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले अब अपने एक नए बयान के कारण लंबी मुसीबत में फंसते दिखाई दे रहे हैं। वह एक वायरल वीडियो में कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैं मोदी को मार भी सकता हूं, गाली भी दे सकता हूं। इस बयान के बाद प्रदेश भाजपा उनके विरुद्ध आंदोलन पर उतर आई है और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रही है। मंगलवार को वायरल हुए वीडियो में नाना पटोले महाराष्ट्र के भंडारा जिले में ग्रामीणों के एक समूह को संबोधित करते दिखाई दे रहे हैं।

अपने भाषण में वह कहते हैं कि अपने 30 साल के राजनीतिक जीवन में मैंने किसी का पक्ष नहीं लिया। जो मेरे पास आया है, सबकी मदद की है। इसलिए मैं मोदी को मार भी सकता हूं, और गाली भी दे सकता हूं। इंटरनेट पर उनका यह बयान वायरल होने के बाद महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा की ओर से उनकी तीखी आलोचना की जा रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि उद्धव ठाकरे पर टिप्पणी करने के कारण जिस तरह केंद्रीय मंत्री नरायण राणे को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था, उसी तरह पुलिस को इस अभद्र टिप्पणी के लिए नाना पटोले को गिरफ्तार करना चाहिए।

वहीं पटोले के बयान से उत्तेजित और निराश होकर महाराष्ट्र भाजपा के कार्यकर्ताओं ने विदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर कांदिवली और राज्य भर में मंगलवार को आंदोलन शुरू किया।

आप के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं को आर्थिक सहायता दिए जाने जैसी लोक लुभावन घोषणाएं करने से आप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। और इससे सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों को भी लोक लुभावन घोषणाएं करने को मजबूर हो रही हैं।

विन्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी तक संक्रमण सीमित है क्योंकि बीजिंग को आइसोलेट करने के लिए भारी बंदोबस्त किया गया है तथा शहर आने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

गत सप्ताह से चीन के विभिन्न शहरों में 2 करोड़ लोग घरों में कैद हैं इनमें तिआनजिन भी शामिल है जो बीजिंग से 70 मील दूर एक विख्यात बंदरगाह है।

आयोजकों ने ज्यादा जानकारी दिए बिना ही कहा कि उन्होंने कुछ ही दर्शकों को अनुमति देने की योजना बनाई है।

एक साल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन प्रतिभागियों की एक बड़ी संख्या की राय यह है कि बाइडन के राष्ट्रपति काल ने उन्हें हताश, निराश और बेचैन किया है। इस असंतोष में इजाफा करने वाली एक वास्तविकता यह है कि प्रतिभागियों के 39 प्रतिशत का कहना है कि बाइडन और डैमोक्रेट्स उन मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं जिनकी उन्हें परवाह नहीं है। जिन प्रतिभागियों ने बाइडन को नापसंद किया, उनसे यह पूछा गया कि बाइडन को ऐसा क्या करना चाहिए जिससे कि उनको लेकर बनी राय में थोड़ा सुधार हो, तो 63 प्रतिशत ने कहा कि यदि बाइडन महंगाई को नियंत्रित कर लें तो और 24 प्रतिशत का कहना था कि यदि वे अपने बिल्ड बैंक बैटर स्पैन्डिंग प्लान को सीनेट में पारित करा लें तो।

लेकिन 76 प्रतिशत का कहना है कि "बिल्ड बैक बैटर" विधेयक के पारित होने से, उनको लेकर बनी उनकी राय में कोई बदलाव नहीं होगा और 37 प्रतिशत का कहना है कि महंगाई को नियंत्रित करने से उनको लेकर बनी राय में परिवर्तन नहीं होगा।

वे लोग जो करोना वायरस की वैश्विक महामारी के लिए बाइडन के प्रबंधन को नापसंद करते हैं, उनमें से 69 प्रतिशत इसका कारण भ्रामक सूचना को मानते हैं, 61 प्रतिशत राष्ट्रपति को इसलिए दोष देते हैं कि उन्होंने वैक्सीन की अनिवार्यता का प्रचार किया, जबकि 43 प्रतिशत कहते हैं कि बाइडन ओमक्रॉन वेरिएंट का मुकाबला करने को तैयार नहीं थे और 43 प्रतिशत का मानना है कि कोविड केसों की संख्या में पर्याप्त कमी नहीं आ रही है।

जे.एन.यू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टहल रही थी तभी कैंपस परिसर में मोटरसाइकिल पर आये युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर युवक भाग गया पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है।

सोलर एनर्जी में फंडिंग के मामले में उद्योगपतियों ने बंपर रुझान दिखाया

दुनिया भर में वर्ष 2021 में सोलर एनर्जी में फंडिंग में जबरदस्त 91 फीसदी की बढ़ोतरी हुई

- शोध सलाह देने वाली कंपनी मेरकॉम कैपिटल ग्रुप की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।
- सोलर उद्योगों में 2020 में इक्विटी या अन्य तरीकों से 14.5 अरब डॉलर रुपये का इन्वैस्टमैंट आया था जो कि 2021 में बढ़कर 28.8 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

मुंबई, 18 जनवरी (वार्ता)। दुनिया में सौर क्षेत्र में कुल कॉर्पोरेट फंडिंग वर्ष 2021 में इसके पिछले वर्ष की तुलना में 91 प्रतिशत बढ़कर 27.8 अरब डॉलर हो गई है।

शोध सलाह देने वाली कंपनी मेरकॉम कैपिटल ग्रुप की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2021 में सौर क्षेत्र में वेंचर कैपिटल (वी.सी.) और निजी इक्विटी, डेट फाइनेंसिंग और पब्लिक मार्केट फाइनेंसिंग सहित वैश्विक स्तर कॉर्पोरेट फंडिंग 27.8 अरब डॉलर थी, जो वर्ष 2020 में इस क्षेत्र के लिए जुटाए गए 14.5 अरब डॉलर की तुलना में 91 फीसदी अधिक है। इस क्षेत्र में वर्ष 2021 में की गई कॉर्पोरेट फंडिंग पिछले दस साल में सबसे अधिक है।

मेरकॉम कैपिटल ग्रुप के मुख्य कार्यकारी राज प्रभु ने कहा, 2010 सौर क्षेत्र में कॉर्पोरेट फंडिंग के लिए सबसे अच्छा वर्ष रहा है। वर्ष 2021 में सौर क्षेत्र में वैश्विक उद्यम पूंजी और निजी इक्विटी फंडिंग 58 सौदों में 4.5 अरब डॉलर रही, जो वर्ष 2020 में 1.2 अरब डॉलर की तुलना में 281 प्रतिशत अधिक है। यह 2010 के बाद से सौर क्षेत्र के लिए वी.सी. फंडिंग की सबसे अधिक राशि है। पिछले वर्ष 10 करोड़ डॉलर से अधिक के 11 वी.सी. फंडिंग सौदे हुए।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में शीर्ष वेंचर कैपिटल वित्त पोषित कंपनी गुडलीप रही, जिसने 80 करोड़ डॉलर के दो अलग-अलग लेन-देन में 1.6 अरब डॉलर जुटाए। इसके बाद सिलिकॉन रांच कॉर्पोरेशन ने 77.5 करोड़ डॉलर, ऑरोरा सोलर ने 25 करोड़ डॉलर, नेक्सैम्प ने 24 करोड़ डॉलर, एनपाल ने 17.5 करोड़ डॉलर और गेमचेंज सोलर ने 15 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। पिछले वर्ष सौर क्षेत्र के लिए सार्वजनिक बाजार का वित्तपोषण कुल 7.5 अरब डॉलर का रहा, जो 2020 में 5.1 अरब डॉलर की तुलना में 49 प्रतिशत अधिक है। सबसे बड़ा सौदा सौर परियोजनाओं के लिए बी.ओ.एस. घटक के आपूर्तिकर्ता शॉल्स टेक्नोलॉजीज ग्रुप ने किया। उसने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आई.पी.ओ.) के माध्यम से 2.2 अरब डॉलर जुटाए।

करोना महामारी के दौर में वर्क फ्रॉम होम की पनपी कार्य संस्कृति, खरीद पर बिल्डरों की ओर से दी जाने वाली छूट और आवास ऋण की दर कम रहने से देश के 76 प्रतिशत लोग रियल एस्टेट में निवेशक को बेहतर विकल्प मानते हैं।

ब्रोकरेज सेवा देने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'नोब्रोकरडॉटकॉम' की मंगलवार को जारी सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि 76 फीसदी लोगों ने प्रॉपर्टी में निवेश को सबसे लोकप्रिय निवेश का विकल्प बताया है। इसके बाद एस.आई.पी. या शेयर और सोना में निवेश का स्थान है।

कम्युनिटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फण्ड्स और संसाधन जुटाने होंगे।

सी.जे.आई. ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार राज्यों को अतिरिक्त खाद्यान्न मुहैया करवाए तो संसाधन जुटाए जा सकते हैं।

उन्होंने अटॉर्नी जनरल से कहा कि इसे मानवीय समस्या के रूप में देखा जाए तथा सामुदायिक रसोईयों के लिए एक मॉडल स्कीम तैयार की जाए।

याचिकाकर्ताओं की अधिवक्ता अशिमा मांडला ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि देशभर में सामुदायिक रसोईयों के संचालन की योजना बनाने के लिए वह एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करे। कोर्ट अनुन धवन व अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इस याचिका में मांग की गई थी कि वैश्विक महामारी से मची तबाही के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों में और केन्द्र शासित प्रदेशों में अनुदानित कैन्टीन्स बनाई जाए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908